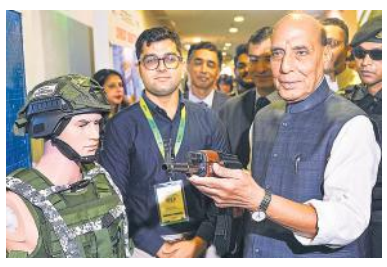

देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह - 12

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत और अमेरिका व्यापारिक समझौते पर वार्ता जारी- 12

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर - 13

स्मृति मंधाना आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार- 14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

17.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.08

सूर्यास्त 05.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया 02:22 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025, वर्ष 5, अंक 228, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

सर्दी और बर्फबारी समय से पहले

प्रदेश में समय से पहले ही सर्दी और बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। बर्फ की चादर ओढ़े हेमकुंड साहिब परिसर आस्था और शांति का अद्भुत संगम पेश कर रहा है। (खबर पेज-2)

मोदी का सरकारी मुखिया के रूप में 25वां वर्ष शुरू, साझा की यादें

- 2001 में 7 अक्टूबर को बने थे गुजरात के सीएम, कहा- बीते 11 वर्षों में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए
- प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया- लोगों के जीवन में सुधार और राष्ट्र की प्रगति में योगदान का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सरकार के मुखिया के रूप में अपने 25वें वर्ष की शुरुआत करते हुए कहा कि लोगों के जीवन में सुधार लाना और इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना उनका निरंतर प्रयास रहा है। मोदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

उन्होंने उन बदलावों पर जोर दिया जो पहले उनके गृह राज्य में और फिर उनके कार्यकाल में पूरे देश में आए। उन्होंने कहा, अपने साथी भारतीयों के निरंतर आशीर्वाद से मैं सरकार के मुखिया के रूप में अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। भारत की जनता के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इन सभी वर्षों के दौरान मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि हम अपने लोगों के जीवन को बेहतर बनाएं तथा इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें, जिसने हम सभी का पालन-पोषण किया है। कहा कि भारतीय किसान नवाचार कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राष्ट्र आत्मनिर्भर हो, जबकि सरकार ने व्यापक सुधार किए हैं। कहा, बीते 11 वर्षों में हम भारत के लोगों ने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए निर्णायक कदम उठाते हुए देश में अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन किए।

2013-14 में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था भारत

मोदी ने कहा कि जब भाजपा ने 2013 में उन्हें 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार चुना था, तब देश विश्वास और शासन के संकट से गुजर रहा था। तत्कालीन संप्रग सरकार भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नीतिगत निष्क्रियता के सबसे बुरे रूप का पर्याय थी। भारत को वैश्विक व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था। लेकिन, भारत की जनता के विवेक ने हमारे गठबंधन को भारी बहुमत दिलाया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी नियुक्ति को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने बहुत ही कठिन परिस्थितियों में पदभार संभाला था, क्योंकि राज्य में भीषण भूकंप आया था और लोगों की परेशानियां और भी बदतर हो गई थीं, क्योंकि वे इससे पहले एक बड़े चक्रवात, लगातार सूखे और राजनीतिक अस्थिरता से घिरे हुए थे। मोदी ने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करते समय अपनी मां द्वारा दिए गए सुझावों को बड़े प्रेम से याद किया।

ब्रीफ न्यूज

क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी में नोबेल

स्टॉकहोम। जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को डिजिटल प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली क्वांटम टनलिंग पर शोध के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की मंगलवार को घोषणा की गई। क्लार्क (83) ने अपना शोध कैलिफोर्निया विवि, बर्कले में किया। वहीं, मार्टिनिस ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में तथा डेवोरेट ने येल में और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में भी अपना शोध किया। तीनों को 10 दिसंबर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

देवेगौड़ा संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को संक्रमण के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मणिपाल अस्पताल ने एक बयान में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख देवेगौड़ा (92) को बुखार था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ऊर्जा बैठक में मनोहर लाल ने की अगुवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल दक्षिण अफ्रीका में ऊर्जा बदलाव पर आयोजित जी-20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधित्व की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल सात से 10 अक्टूबर, 2025 तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली जी20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भाग लेंगे। यह चार-दिवसीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू हो गया है। बैठक में विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधि वैश्विक ऊर्जा भविष्य से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

सफल अभ्यर्थियों को बड़ी राहत जारी होंगे एलटी के भर्ती परिणाम

हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी करने पर लगी रोक हटाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

- आयोग ने सहायक शिक्षकों के 1544 पदों पर पिछले साल कराई थी परीक्षा

अमृत विचार: प्रदेश में सहायक शिक्षक (एलटी) के 1544 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी करने पर लगी रोक को मंगलवार को हटा दिया है।

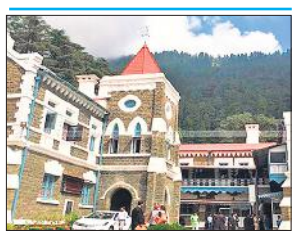

मामले के अनुसार, यूकेएसएसएससी की ओर से सहायक शिक्षक (एलटी) के 1544 पदों को भरने के लिए 14 मार्च, 2024 को विज्ञापन जारी किया गया था। इनमें से 786 पद गढ़वाल जबकि शेष 758 पद कुमाऊं मंडल के लिए निर्धारित थे। आयोग ने इन पदों के लिए 18 अगस्त 2024 को लिखित परीक्षा आयोजित की थी। गलत आरक्षण को लेकर गोपीचंद और अन्य, अरशद अली, सुषमा रानी और शीतल चौहान ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी तो हाईकोर्ट ने परीक्षा परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी। मंगलवार को अदालत ने सभी मामलों पर अंतिम निर्णय जारी करते हुए भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक को हटा दिया और कुछ अभ्यर्थियों के मामले में यूकेएसएसएससी को पदों को रिक्त रखने के निर्देश जारी किए। अदालत के इस निर्णय से साफ है कि अब उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) इन पदों के लिए परीक्षा परिणाम जारी कर सकता है।

अदालत के इस निर्णय से उन सफल अभ्यर्थियों को भी राहत मिली है, जिनका स्थगनादेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी नहीं हो पा रहा था।

ट्रेनिंग अंक नहीं वास्तविक नियुक्ति की तिथि आधार

नैनीताल। राजस्व उप-निरीक्षक के पद पर वरिष्ठता को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने स्पष्ट किया है कि पटवारी की वरिष्ठता का निर्धारण, उनके प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि पद पर वास्तविक नियुक्ति की तिथि के आधार पर किया जाएगा। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि पटवारी का कैडर जिला स्तर का होता है, जबकि अगली पदोन्नति (सुपरवाइजर कानूनगो/राजस्व निरीक्षक) के लिए चयन मंडल स्तर पर किया जाता है, जिसके नियम (उत्तर प्रदेश अधीनस्थ राजस्व कार्यकारी (सुपरवाइजर कानूनगो) सेवा नियमावली, 1983) अलग हैं। इन 1983 के नियमों के नियम 19(2)(ग) के अनुसार, मंडल स्तर पर वरिष्ठता का पुनर्निर्धारण सभी पटवारियों की वास्तविक नियुक्ति की तिथि के आधार पर किया जाता है इसलिए विभिन्न जिलों में अलग-अलग रिक्तियों के कारण जिन लोगों को प्रशिक्षण में कम अंक मिलने के बावजूद याचिकाकर्ता से पहले नियुक्त किया गया, वे वरिष्ठ माने जाएंगे।

- हाईकोर्ट ने तय किया राजस्व उप-निरीक्षक पद पर वरिष्ठता का निर्धारण

पीठ ने पाया कि राजस्व बोर्ड द्वारा 28 मार्च 2025 को जारी सूची में 5 मई 2007 तक नियुक्त पटवारियों को नामित किया गया जबकि याचिकाकर्ता मनीष की नियुक्ति 15 मई 2007 को हुई थी, अतः वह स्वाभाविक रूप से कनिष्ठ हैं। चूंकि चयन का मानदंड वरिष्ठता अनुपयुक्त को अस्वीकार करने के अधीन है, इसलिए याचिकाकर्ता को अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों के चयन पर कोई वैध आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, पीठ ने उत्तराखंड सरकारी सेवक वरिष्ठता नियमावली, 2002 के नियम 9 का हवाला देते हुए डीएम अल्मोड़ा को निर्देश दिया कि वह राजस्व उप-निरीक्षक (पटवारी) की लंबित अनंतिम वरिष्ठता सूची पर प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर तीन माह के भीतर अंतिम सूची जारी करें। अन्य सभी याचिकाएं खारिज कर दी गईं।

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की चपेट में आई बस, 18 की मौत

- बिलासपुर में मंगलवार शाम हुआ हादसा, बचाव कार्य जारी

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 18 यात्रियों की मौत हो गई। यह दुर्घटना झंडूता विधानसभा क्षेत्र के भालूघाट इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि बस में तीन दर्जन यात्री सवार थे और यह हरियाणा के रोहतक से घुमारवीं जा रही थी।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है। अब तक मलबे से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव कार्य में लगे एक पुलिसकर्मी ने बताया कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बस पर गिर पड़ा और यात्रियों के बचने की संभावना बहुत कम है। सीएम सुक्खू ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस क्षेत्र में सोमवार से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौके पर मौजूद झंडूता से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जेआर कटवाल ने बताया कि अब तक मलबे से 18 शव बरामद किए गए हैं और तीन लोगों को बचाकर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है।

भूस्खलन की चपेट में बस के आने के बाद बचाव अभियान में जुटा प्रशासन।

बस में सवार थे 35 यात्री, पहचान के प्रयास जारी

बताया जा रहा है कि करीब 35 लोग बस में सवार थे। घटना शाम करीब साढ़े छह बजे हुई है। बस में मरोतन बरटीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के लोग सवार थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि अनुमान 6.5% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व बैंक ने जारी की रिपोर्ट, 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

विश्व बैंक ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। पूर्व में इसके 6.3% रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही अनुमान भी जताया कि उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

विश्व बैंक ने हालांकि आगाह किया कि अमेरिका के भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क का आने वाले वर्ष में देश पर प्रभाव पड़ेगा। इसने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया विकास सूचना (अक्टूबर 2025) में कहा गया, उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है।

हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आवास में मृत मिले

चंडीगढ़। हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। शरीर पर गोली के जख्म मिले हैं। पूरण कुमार (52) आईपीएस के 2001 बैच के अधिकारी थे और वह अधिकारियों के अधिकारों और वरिष्ठता तथा अन्य मुद्दों से संबंधित मामलों में अपने हस्तक्षेप के लिए जाने जाते हैं। उन्हें हाल ही में रोहतक के सुनारिया में पीटीसी के महानिरीक्षक के रूप में तैनात किया गया था। कुमार की पत्नी अमनीत आईएएस अधिकारी हैं और हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं। वह सीएम सैनी के एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर जापान में हैं।

- शरीर पर गोली के निशान आत्महत्या की आशंका

हटाए गए 3.66 लाख वोटरों का मांगा विवरण

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार की अंतिम मतदाता सूची पर कोर्ट ने मांगी जानकारी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के बाद तैयार अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उसे उपलब्ध कराए।

निर्वाचन आयोग ने न्यायालय को सूचित किया कि 30 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और अब तक सूची से बाहर किए गए किसी भी मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह निर्देश तब पारित किया, जब राजद, कांग्रेस और माकपा जैसे विपक्षी दलों के नेताओं सहित कुछ याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम सूची से मतदाताओं को हटाए जाने को लेकर कोई नोटिस या कारण नहीं बताया है। पीठ बिहार में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

उसने कहा कि निर्वाचन आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी गुरुवार तक (9 अक्टूबर) तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाए, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

उत्तराखंड में एप से होगा बाहरी लोगों का सत्यापन, सीएम के निर्देश जारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- डेमोग्राफिक चेंज पर सरकार हुई गंभीर, गृह विभाग को एप बनाने के निर्देश

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य में निरंतर हो रहे जनसांख्यिक बदलाव की समस्या को लेकर धामी सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य में बाहर से आने वाले लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार ने उनका सत्यापन डिजिटल माध्यम से करने की तैयारी शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सत्यापन प्रक्रिया के लिए गृह विभाग को एप बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि जांच प्रक्रिया आसान और प्रभावी तरीके से बनाई जा सके। उल्लेखनीय है कि बाहरी राज्यों से आए लोग यहां सत्यापन प्रक्रिया में कोताही बरतते हैं और फर्जी दस्तावेजों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी बनाने में कामयाब हो जाते हैं जिसका असर उत्तराखंड की डेमोग्राफी पर पड़ रहा है। सरकार की मंशा है कि अब सत्यापन का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन तरीके से हो ताकि किसी भी समय डेटा आसानी से देखा जा सके। अभी तक थानों और चौकियों मे सत्यापन प्रक्रिया एक रजिस्टर तक सीमित थी लेकिन अब पुलिस मुख्यालय ने आदेश दिया है कि सभी पुरानी जानकारी मुख्यालय भेजी जाए ताकि एक जगह पूरा डाटा तैयार हो सके। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि उत्तराखंड की संस्कृति को सुरक्षित रखना सरकार का दायित्व है इसलिए बाहर से यहां बसने आए लोगों का सत्यापन होना जरूरी है ताकि यह पता चल सके कि कौन किस प्रवृत्ति का है। सरकार चाहती है कि इस सत्यापन प्रक्रिया में लंबा समय नहीं लगे इसलिए गृह विभाग से आधुनिक तकनीक का सहारा लेने के लिए कहा गया है।

सुझाव केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- एआई वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा

मेरे कई डीपफेक वीडियो, नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली हो मजबूत

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने भी कई डीपफेक वीडियो की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा है। हालांकि उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी उन्नति मानवता की सेवा करे। वित्त मंत्री ने उन्नत प्रौद्योगिकी के अंधेरे पहलू से भी निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। सीतारमण ने कहा, जो उपकरण नवाचार को शक्ति प्रदान करते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल धोखे और जालसाजी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई डीपफेक वीडियो को ऑनलाइन प्रसारित होते हुए देखा है। इन डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि ये वीडियो इस बात की याद दिलाते हैं कि हमें ऐसे लोगों के खिलाफ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्परता से बढ़ाने की कितनी जरूरत है। डीपफेक वीडियो में एआई एवं मशीन लर्निंग तकनीकों के इस्तेमाल से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या हाव-भाव को किसी अन्य व्यक्ति या परिस्थिति में नकली रूप से जोड़ा जाता है। आम लोग अक्सर इसे असली वीडियो समझ लेते हैं।

नई पीढ़ी की धोखाधड़ी पर जताई चिंता

उन्होंने कहा, नई पीढ़ी की धोखाधड़ी अब फायरवॉल तोड़ने के बारे में नहीं, बल्कि विश्वास को तोड़ने के बारे में है। अपराधी आवाज की नकल करने, पहचान की नकल करने और लोगों को गुमराह करने वाले असली लगने वाले वीडियो बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी में सक्रिय नवोन्मेषकों, निवेशकों और नियामकों सहित पूरे परिवेश की इस मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका है। वित्त मंत्री ने कहा कि नवोन्मेषी होने के साथ वित्तीय प्रणालियों को लचीला, सुरक्षित और समावेशी होना चाहिए। उन्होंने समर्पित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल के जरिये निवेशकों को लक्षित करने वाले नकली वीडियो और झूठे प्रतिनिधित्व के मुद्दे को हल करने के लिए बाजार नियामक सेबी के प्रयासों की सराहना की।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,8 अक्टूबर 2025

स्टेट ब्रीफ

बाल कवियों ने अपनी रचना से बटोरी तालियां

रामनगर : ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल ने अपने संस्थापक केबी . एल . श्रीवास्तव की 20वीं पुण्यतिथि पर बाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ . जीसी पंत, ओम शरण चंचल, डॉ . एसपी मिश्र, गौरव त्रिपाठी, सलील गुप्ता, पंकज कौशिक एवं अजेन्द्र सुंदरियाल ने बाल कवियों की हौसला अफजाई की। बाल कवियों ने विभिन्न विषयों पर कविताएं सुनाईं। जिसमें सोमाक्ष श्रीवास्तव, कनक वैला, दिशा अरोड़ा को क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिला। आकृति, मानसवानी, समृद्धि भट्ट, मानसी रावत और मानस लोहिया को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। डायरेक्टर प्रणय श्रीवास्तव, डॉ . प्रसून श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या डॉ . नलिनी श्रीवास्तव और आलोकिता श्रीवास्तव मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने किया चिड़ियाघर का भ्रमण

नैनीताल : वन्य प्राणी सप्ताह के मौके पर नैनीताल समेत आसपास के स्कूलों के 120 छात्र-छात्राओं को निशुल्क चिड़ियाघर भ्रमण कराया गया। पहली बार जानवरों को अपने सामने देखकर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित नजर आए। वहीं स्कूल छात्र-छात्राओं के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के 80 से अधिक छात्र छात्राओं में प्रतिभा किया। प्राणी उद्यान निदेशक आकाश गंगवार ने बताया चिड़ियाघर में प्रतियोगिता की जा रहीं हैं।

यूओयू में 10 तक लें ऑनलाइन प्रवेश

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विवि में शैक्षणिक सत्र के लिए ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। विवि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई है। विवि के कुलपति प्रो . नवीन चंद्र लोहनी ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार विवि की ओर से संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह तिथि यूजीसी (डेब) के निर्देशों के बाद ही बढ़ाई जाती है। इसलिए अभी यह प्रवेश की अंतिम तिथि है। प्रो . लोहनी ने बताया कि प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया पहले ही संपन्न हो चुकी है। ऐसे में जो विद्यार्थी किसी कारणवश अन्य संस्थानों में प्रवेश लेने से वंचित रह गए हैं, उनके लिए उत्तराखंड मुक्त विवि में प्रवेश लेने का मौका है।

चार्जशीट का जवाब दें, सरकार करे निष्पक्ष कार्यवाही

14 सहायक अध्यापकों के खिलाफ जारी आरोप पत्रों पर हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने की सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने जनपद रुद्रप्रयाग में 14 सहायक अध्यापकों को जारी आरोप पत्रों को चुनौती देती विशेष याचिकाओं को निस्तारित करते हुए याचिकाकर्ताओं से आरोप पत्र का जवाब देने के साथ ही सरकार को निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

मामले के अनुसार, सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक दिनेश चंद चमोली व कई अन्य ने याचिका में कहा कि उन्होंने वर्ष 1989 में और कुछ लोगों ने1994-95 में बीएड की डिग्री कानपुर से ली थी जिसके बाद उनके प्रमाणपत्रों की जांच के बाद उन्हें नियुक्ति दी गई थी। अब रिटायरमेंट के आसपास सरकार द्वारा उनके खिलाफ आरोप पत्र तय कर मुकदमे दर्ज किए गए है कि उनकी डिग्री फर्जी है। याचिका के अनुसार, जिस संस्थान से उन्होंने

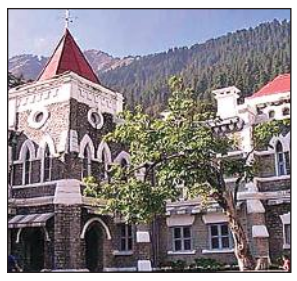

बीएड किया, वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त संस्थान की सूची में शामिल नहीं है जबकि नियुक्ति के समय पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई थी। वर्ष 2020 में फर्जी शिक्षक का मामला कोर्ट में आया तो हाईकोर्ट ने सभी शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच करने को कहा।

उसके बाद भी उनके दस्तावेज सही पाए गए। अब सरकार यह कह रही है कि जहां से उनके द्वारा यह डिग्री ली गयी, यह यूजीसी के मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसने यह डिग्री उन्हें दी थी वह विवि उससे एफिलेटेड नहीं था इसलिए इनकी डिग्री अमान्य है।

याचिकर्ताओं का कहना है कि जब उनकी नियुक्ति हुई थी, तब से अब तक उनके शैक्षणिक दस्तावेजों की कई बार जांच हो चुकी है। जांच के उपरांत के बाद उन्हें सेवा करने का मौका दिया गया। अब वे सेवानिवृत्त हो चुके है।

अब सरकार फिर से उनके शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच कर उन्हें आरोप पत्र जारी कर जवाब मांग रही है जबकि वे कई वर्ष पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं, कुछ की मृत्यु हो चुकी है और कुछ सेवानिवृत्त होने वाले हैं और अब आरोप पत्र दिया जा रहा है। यह अपने आप मे उन्हें सेवा कार्यकाल पूर्ण करने के बाद कलंकित करने जैसा है जबकि सेवा के दौरान उनके समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच विभाग ने पूर्व में की थी।

चार आरोपियों की जमानत पर आपत्ति तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने हल्द्वानी दंगा के आरोपियों के जमानत प्रार्थना पत्र पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए सरकार से चार सप्ताह में आपत्ति मांगी है। हल्द्वानी दंगा के चार आरोपियों दानिश मलिक, जुनैद, रईश अहमद अंसारी और अयाज अहमद की ओर से हाईकोर्ट में अलग-अलग जमानत प्रार्थना पत्र दायर किए गए हैं। सभी प्रार्थना पत्रों पर न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ में सुनवाई हुई। आरोपियों की ओर से जमानत की मांग करते हुए कहा गया कि वे निर्दोष हैं। उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। वह लंबे समय से जेल में बंद हैं। अदालत ने सरकार से आरोपियों के जमानत प्रार्थना पत्र पर चार सप्ताह में जवाब देने को कहा है। इन मामलों में अब चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी। उल्लेखनीय है कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के दौरान दंगा भड़क गया था। आरोप है कि एक विशेष समुदाय के लोगों ने बनभूलपुरा थाना पर हमला कर दिया था और आगजनी के साथ तोड़फोड़ कर दी। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक पुलिस कर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने करीब 100 दंगाइयों को गिरफ्तार किया था।

गरीब की झोपड़ी सबको दिखती है...

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने मंगलवार को वन गुर्जरों के मामले में अपनी संजीदगी दिखाते हुए सरकारी कार्यशैली पर बेहद सख्त टिप्पणी की और कहा कि गरीब की झोपड़ी सबको दिखाई देती है लेकिन सड़क किनारे बना अवैध रिसॉर्ट किसी को नहीं दिखाई देता है। उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है।

अदालत ने 23 वन गुर्जरों के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की। न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने इन मामलों को फिलहाल वन गुर्जरों के पुराने मामलों से संबद्ध कर दिया है। इन मामले में अब नियमित बेंच सुनवाई करेगी। दरअसल, हल्द्वानी वन प्रभाग और तराई मध्य वन

- वन गूर्जरों के मामले में हाईकोर्ट ने दिखाया आईना, सरकारी कार्यशैली पर की सख्त टिप्पणी

प्रभाग निवासी अली जान और ऊमरूद्दीन समेत 23 वन गुर्जरों ने वन अधिकार अधिनियम के तहत अपना दावा प्रस्तुत करने के साथ ही खेती करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मंगलवार को इन मामलों में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि वह वर्षों से हल्द्वानी के चोरगलिया और रामनगर वन प्रभाग में निवास करते आ रहे हैं। वन विभाग अतिक्रमण के नाम पर उन्हें खेती करने से रोक रहा है। यह उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। हालांकि अदालत ने फिलहाल उन्हें कोई राहत नहीं दी लेकिन अधिकारियों के रवैये पर सख्त टिप्पणी की। अब मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच इस मामले में 30 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

गायक कार्की के आश्रितों को दें मुआवजा

नैनीताल : हाईकोर्ट ने बीमा कंपनी की अपील खारिज करते हुए मृतक गायक पप्पू कार्की के आश्रितों को 90 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें एक दुर्घटना में मारे गए पेशेवर गायक परवेंद्र सिंह उर्फ पप्पू कार्की के आश्रितों को 90 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। एकल पीठ ने बीमा कंपनी के उन तर्कों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें मृतक की आय और वाहन चालक की लापरवाही पर सवाल उठाया गया था।

चोरगलिया में आयोजित बैठक में मौजूद पदाधिकारी व ग्रामीण। ● अमृत विचार

लाखन मंडी की पहली खुली बैठक में कई प्रस्ताव पारित

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचार: चोरगलियागांव की सरकार की पहली बैठक लाखन मंडी चोरगलियां में की गई। लाखन मंडी ग्राम प्रधान ज्योति चौसली की अध्यक्षता में हुई पहली खुली बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में आय और व्यय पर भी चर्चा की गई।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी पवन रावत, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश दुर्गापाल ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। ग्राम पंचायत विकास योजना जीडीडीपी 2026-27 के निर्माण पर विचार किया गया साथ ही समाज कल्याण विभाग से संबंधित पेंशन के प्रस्ताव पास किए गए। मनरेगा जन्म-मृत्यु परिवार रजिस्टर, स्वच्छ भारत अभियान पर चर्चा की गई।बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज गढ़कोटी, दीपक चौसली, दीपक आर्य, निशा पानू, गीता पांडे, मनीषा चौहान लटवाल समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जमकर बरसे बदरा, पहाड़ों पर बिछी सफेद चादर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने और निचले इलाकों में बारिश के कारण मंगलवार को तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गयी। बर्फबारी और बारिश से लोगों को ठंड का अहसास होने लगा।

देहरादून तथा राज्य के अन्य मैदानी इलाकों में कई जगह सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई। बर्फबारी के बाद पहाड़ों पर लोग स्वेटर और जैकेट पहने नजर आए। देहरादून में पिछले दो दिनों में अधिकतम तापमान नौ डिग्री की गिरावट के साथ 24 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। पिछले 24 घंटों के दौरान देहरादून में 20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हेमकुंड, औली और मुनस्यारी सहित गढ़वाल और कुमाऊं दोनों क्षेत्रों की ऊंची चोटियों पर हिमपात जारी रहा। केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्री बर्फबारी का आनंद लेते देखे गए। इस संबंध में कई वीडियो भी वायरल हुए हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले कुछ और दिनों तक बारिश और बर्फबारी होने का पूर्वानुमान जताया है।

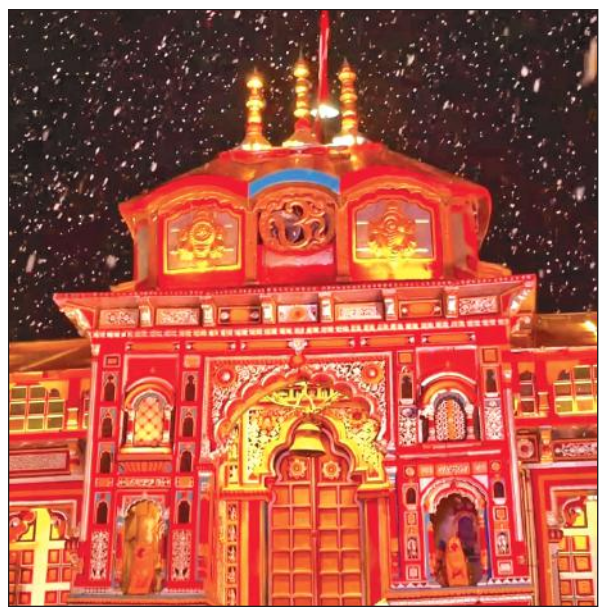

बद्रीनाथ धाम में होता हिमपात।

कालाढूंगी में रामलीला मैदान में पानी भरने बना कीचड़। ● अमृत विचार

बारिश से कालाढूंगी रामलीला मैदान में जलभराव

कालाढूंगी : दो दिन से हो रही झमाझम बारिश से रामलीला रामलीला मैदान व पंडालों जलभराव से रामलीला का मंचन नहीं हो पाया है। बारिश से टैंट का समान, दुकान में रखा समान, सांउड सिस्टम भीग जाने से कमेटी को भी घाटा हुआ है। क्षेत्र में चकलुवा, कमोला, धमोला, नयागांव व काटोबाग में रामलीला मंचन चल रहा था। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों व भक्तों चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को दिन मौसम खुलने पर आयोजकों व राम भक्त मंच से तिरपाल हटा सामान को सुखाने में जुटे रहे। वहीं बारिश से खेती को भी नुकसान पहुंचा है।

सरोवर नगरी भीगी, जनजीवन प्रभावित

नैनीताल : सरोवर नगरी में मंगलवार को भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए। नाले उफान पर रहे और सड़कों में जलभराव हुआ। हालांकि सुबह बिगड़ा मौसम दोपहर में सुधर गया। सुबह नौ बजे शुरू हुई भारी बारिश अपराह्न एक बजे तक जारी रही। इस दौरान 20 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। भारी बारिश के चलते सैलानी कमरों से बाहर नहीं निकल सके और सैर को नहीं जा सके। जोरदार बारिश के चलते नाले उफान पर आ गए और झील के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर उन्हें उपराष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश में समय से पहले ही सर्दी-बर्फबारी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड में मौसम चक्र गड़बड़ाने लगा है। समय से पहले सर्दी और बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है।

प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इस बार हिमपात जल्दी होने लगा है। अभी तक अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में हल्का और नवंबर, दिसंबर जनवरी व फरवरी में ऊंचाई वाले स्थानों पर जमकर हिमपात होता आया है लेकिन इस बार अक्टूबर के पहले हफ्ते से ही केदारनाथ, बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब सहित ऊंचाई वाले स्थानों पर सामान्य से अधिक बर्फबारी होने लगी है। वहीं, झमाझम बारिश समय से पहले सर्दी को आमंत्रण दे रही है।

हेमकुंड साहिब में दो फीट बर्फ

हेमकुंड साहिब में भी इस बार अक्टूबर माह के पहले हफ्ते में ही जमकर हिमपात होने लगा है। गोविन्द घाट हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के प्रबंधक सरदार सेवा सिंह के अनुसार, हेमकुंड साहिब में मंगलवार सुबह तक दो फीट से अधिक बर्फ जम चुकी है और अधिक हिमपात हो सकता है। चमोली जिले की घाटी के गांवों में भी हिमपात का अच्छा खासा असर दिखा है। नीति घाटी के गांवों में भी बारिश और अचानक तापमान गिरने से ठंड बढ़ गई है। नैनीताल में अक्टूबर में बारिश की उम्मीद कम ही की जाती है, लेकिन मंगलवार को कुछ ही देर में 20 मिमी झमाझम पानी बरस गया। यहां वर्ष 2021 में 511 मिमी भीषण बारिश से नैनी झील ओवरफ्लो हुई थी तो वर्ष 2022 में भी 314 मिमी पानी बरसा था।

बद्रीनाथ धाम में सोमवार रात से ही बारिश के साथ-साथ नर नारायण सहित नीलकंठ पर्वत पर भारी हिमपात हो रहा है। मंगलवार को भी बद्रीनाथ की पहाडियां बर्फ से ढक गईं।

चमोली जिले की नीति घाटी के 14 से अधिक गांवों में भी हिमपात जारी है। घाटी के कागा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान पुष्कर सिंह राणा, धीरेन्द्र सिंह गोरिया ने बताया कि अक्सर अक्टूबर के अंतिम हफ्ते से घाटी में इतना हिमपात होता है लेकिन इस बार समय से पहले ही क्षेत्र में जमकर हिमपात होने लगा है। बद्रीनाथ में भारत के पहले गांव माणा निवासी 80 वर्षीय मोहन सिंह परमार कहते हैं कि, बद्रीनाथ धाम में अक्टूबर माह के तीसरे और अंतिम सप्ताह से बर्फबारी तेजी से होती है लेकिन इस बार कुछ पहले हिमपात होने लगा है। इससे पूर्व वर्ष 2004, 2022 और वर्ष 2023 अक्टूबर माह में बद्रीनाथ धाम में बर्फबारी हुई थी।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ वायुमंडलीय व पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार नमी की मात्रा ज्यादा होने व ला नीना के सक्रिय होने से तापमान के शून्य तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा सकती है। अक्टूबर की बारिश से तापमान गिरा है। इस वर्ष समय से पहले सर्दी शुरू हो चुकी है जो हिमपात के लिए अनुकूल साबित होगी।

हल्द्वानी में दोपहर तक हुई झमाझम बारिश

संवाददाता, हल्द्वानी

- मौसम विज्ञानियों का अनुमान सही साबित हुआ

अमृत विचार: मानसून जाने के बाद अब पश्चिमी विक्षोभ ने जमकर बारिश की। हल्द्वानी में मंगलवार सुबह से ही बारिश जारी रही और दोपहर तक होती रही। बारिश की वजह से तापमान में जबरदस्त गिरावट आई और लोगों को दिसंबर की ठंड का अहसास होने लगा।

मंगलवार की सुबह से मौसम ने अपने मिजाज दिखा दिए थे। आसमान में काले बादल छाने लगे थे। सुबह नौ बजे के बाद बूंदाबांदी शुरू हुई जो तेज बारिश में बदल गई। लगभग तीन-चार घंटे तक झमाझम बारिश हुई। बारिश के साथ ठंडी हवा भी चल रही थी। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में करीब पांच डिग्री की गिरावट आई है। पहाड़ों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री रहा। मौसम विज्ञान केंद्र का अनुमान है कि आठ अक्टूबर से मौसम साफ होने लगेगा और बाद में तापमान में बढ़ोत्तरी होगी। हालांकि पहाड़ों में हुई बर्फबारी की वजह से रात को ठंड का अहसास होगा।

प्रतियोगिता

पालिकाध्यक्ष डॉ . सरस्वती खेतवाल एवं अध्यक्ष हॉकी एकेडमी मुकेश जोशी ने किया उद्घाटन

महिला हॉकी में दून ने 6-0 से कोलकाता को हराया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हॉकी एकेडमी द्वारा आयोजित एवं आदित्य बिड़ला सेंचुरी पेपर लालकुआं एवं द नैनीताल बैंक द्वारा प्रायोजित अखिल भारतीय 5 ए साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल एवं अध्यक्ष हॉकी एकेडमी मुकेश जोशी ने किया।

डॉ. खेतवाल ने महिला हॉकी को संरक्षित करने के लिए हॉकी एकेडमी के प्रयासों की सराहना की। आयोजक सचिव कैलाश बोरा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सेंचुरी पेपर लालकुआं, द नैनीताल बैंक, जिलाधिकारी नैनीताल, नगर पालिका नैनीताल एवं खेल विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 8 लीग मुकाबले खेले गए पहला मुकाबला देहरादून एवं कोलकाता के मध्य खेला गया। जिसमें देहरादून ने 6-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला हरिद्वार एवं चंद्रपुर के मध्य खेला गया जिसमें 6-0 से हरिद्वार ने जीत दर्ज की।

तीसरा मुकाबला गोरखपुर एवं मेरठ के मध्य खेला दिया जिसमें 1-0 से गोरखपुर ने जीत दर्ज की। चौथा मुकाबला नैनीताल एवं बिजनौर के मध्य खेला गया जिसमें 2-1 से नैनीताल ने जीत दर्ज की। पांचवा मुकाबला उत्तर प्रदेश पुलिस एवं अंबेडकर नगर के मध्य खेल गया जिसमें 4-1 से उत्तर प्रदेश पुलिस ने जीत दर्ज की। छठा मुकाबला भिलाई वं गया के मध्य खेला गया जिसमें 1-0 से भिलाई ने जीत दर्ज की। सातवां मुकाबला हल्द्वानी एवं मेरठ के मध्य खेला गया जो 3-3 से बराबरी पर रहा। आठवां मुकाबला बिजनौर एवं बनारस के मध्य खेला गया जिसमें 1-0 से बनारस ने जीत दर्ज की। अंपायर मंजुल सनवाल, डॉ मनोज बिष्ट, देवेंद्र बोरा, प्रियंका बिष्ट, सुनील कुमार रहे। तकनीकी सलाहकार संजय गुप्ता, दीपक साह, गिरीश भट्ट, राजेश साह रहे।

उद्घोषक डॉ ललित तिवारी एवं हरीश सिंह राणा रहे। इस दौरान राम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह, महा सचिव जगदीश बावरी , आयोजक सचिव कैलाश बोरा आशु प्रदीप जेठी, विमल चौधरी, मोहित लाल साह, आनंद बिष्ट, भूपेंद्र बिष्ट सभी 14 टीमों के खिलाड़ी, प्रबंधक एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

नैनीताल में 5 ए साइट हाकी प्रतियोगिता का शुभारंभ करतीं पालिकाध्य डॉ . सरस्वती खेतवाल। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

सम्मोहन कर जेवरात ठगे, दो पर केस दर्ज

रामनगर : शाकम्बरी देवी पत्नी संतोष कुमार निवासी सावल्दे पूर्वी रामनगर ने पुलिस को बताया कि बीते दिनों उसके घर पर दो अज्ञात व्यक्ति बाबा के भेष में आए। उन्होंने उसे नशीला पदार्थ सुंघा दिया जिसके बाद वह बेहोश हो गयी। जब होश आया तो उन्होंने देखा कि उसका सोने का मंगलसूत्र व एक जोड़ी सोने के कुंडल गायब थे। एसएसआई मो. यूनुस ने बताया कि तहरीर पर दोनों लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

चारा काटने के दौरान कटी उंगलिया, भर्ती

नैनीताल : गांव सौड़ निवासी राजन सिंह मंगलवार सुबह बकरियों के लिए चारा लेने खेतों में गया था। चारा काटने के दौरान अचानक दराती फिसली तो उसके हाथ को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी दो उंगलियां कट गईं। परिजन उसे बीडी पांडे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि सर्जरी से ही कटी उंगलियों को जोड़ पाना संभव है।

भोलानाथ गार्डन में शराब बेचता धरा

हल्द्वानी : एसआई कृपाल सिंह ने भोलानाथ गार्डन में टैपो स्टैंड के पीछे शराब बेच रहे स्कूटी सवार युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से अंग्रेजी शराब के 72 पव्वे बरामद किए, जिसकी कीमत लगभग 45 हजार है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहन चन्द्र कोली निवासी मुनगली गार्डन बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ स्कूटी को सीज कर दिया है।

आधे नरकंकाल की नहीं हुई शिनाख्त

हल्द्वानी : रुद्रपुर में सीरगोटिया क्षेत्र में बीते शनिवार को मिले नरकंकाल की शिनाख्त नहीं हो पाई। रुद्रपुर पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के लिए शव को हल्द्वानी भेजा था। 72 घंटे भी जब शिनाख्त नहीं हो सकी तो मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया। मृतक की उम्र करीब 32 साल आंकी गई है। ब्लाक रोड स्थित मैदान से जब युवक की लाश बरामद की गई तो वह बुरी रह सड़ और आधी कंकाल में तब्दील हो चुकी थी।

महर्षि वाल्मीकि की खबर पर कोतवाली घेरी

एक न्यूज पोर्टल की खबर में लिखे थे आपत्तिजनक शब्द, पुलिस ने पोर्टल संचालक को माफी मांगने पर छोड़ा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि की जयंती जब लोग उनका जन्मोत्सव मनाने की तैयारियों में जुटे थे, तभी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई एक खबर ने बखेड़ा खड़ा कर दिया। खबर से नाराज वाल्मीकि समाज के लोग बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। खबर लिखने वाले की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने धरना शुरू कर दिया। बात बढ़ती देख पुलिस ने न्यूज पोर्टल के संचालक को हिरासत में ले लिया।

वाल्मीकि समाज के सरपंच अमरदीप वाल्मीकि, युवा वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, पार्षद धर्मवीर वाल्मीकि, पार्षद रवि वाल्मीकि, देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ के नगर इकाई अध्यक्ष अशोक चौधरी, ललित वाल्मीकि और लाला वाल्मीकि के साथ कई लोग हाथों में तख्तियां लेकर मंगलवार सुबह कोतवाली पहुंच गए। आरोप लगाया कि एक न्यूज पोर्टल में महर्षि वाल्मीकि को लेकर खबर लिखी गई है, जिसमें उनके खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। खबर लिखने और पोर्टल मालिक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नाराज लोगों ने हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दिया।

पुलिस ने नाराज लोगों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन मुकदमा और गिरफ्तारी से कम पर वह मानने को राजी नहीं हुए। माहौल गर्माता देख मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस को बुला लिया गया जिसके बाद लोग धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। लोगों ने पुलिस को उस खबर का लिंक भी दिया।

पार्षद धर्मवीर वाल्मीकि ने पुलिस को तहरीर सौंपी। लोगों की नाराजगी देखते हुए पुलिस ने आनन-फानन में आरोपी को हिरासत में ले लिया जिसके बाद लोग कोतवाली से हटे। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा का कहना है कि मामले में अभी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है।

विवाद के बाद कोतवाली में धरने पर बैठे वाल्मीकि समाज के लोग। ● अमृत विचार

1 घंटे तक चला प्रदर्शन

हल्द्वानी : कोतवाली में एक घंटे से ज्यादा देर तक चले प्रदर्शन के बाद मामला गंभीर होता देख पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया में लेख लिखने वाले दो लोगों को हिरासत में ले लिया। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस दोनों से लंबी पूछताछ की। इस लेख के खिलाफ प्रदर्शनकारी सुबह साढ़े 8 से 9 बजे के बीच ही कोतवाली पहुंच गए थे। लोगों ने हाथों में जिन तख्तियों को थाम रखा था, उसमें वो शब्द भी लिखे थे, जिसे न्यूज पोर्टल ने अपने लेख में इस्तेमाल किया था।

केस दर्ज हो, नहीं तो आंदोलन होगा

हल्द्वानी : प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भगवान वाल्मीकि को सभी धर्म के लोग मानते हैं, लेकिन उनके खिलाफ विवादित शब्द लिखना कहीं ना कहीं वाल्मीकि समाज को आहत करता है। प्रदर्शन कर रहे वाल्मीकि समाज के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पुलिस को भी चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न हुई तो वह आंदोलन करेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। यह कृत्य माफी योग्य नहीं है।

त्योहारी सीजन से पहले खाद्य पदार्थों की चेकिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दीवाली, धनतेरस आदि त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने चेकिंग अभियान को तेज कर दिया है। अब दुकानों और प्रतिष्ठानों के साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों की चेकिंग भी की जा रही है। मंगलवार को की गई कार्रवाई में विभाग को सफलता भी मिली।

विभाग के अधिकारी रोडवेज स्टेशन के पास पहुंचे और उत्तर प्रदेश से आ रहे वाहनों की चेकिंग की। मुरादाबाद से आ रहे एक वाहन में जांच की तो पता चला कि भारी मात्रा में मावा मंगाया जा रहा है। तौल की गई तो पता चला कि माल का वजन करीब दो क्विंटल है। मावा को तुरंत कब्जे में लिया। हालांकि जब व्यापारी को इसकी सूचना मिली तो उसने माल खरीद के बिल व अन्य प्रपत्र प्रस्तुत किए। इस पर विभाग ने माल को वापस व्यापारी को सौंप दिया लेकिन नमूने लेकर जांच के लिए लैब में भेज दिया।

पकड़े गए मावा के साथ खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

● **खाद्य सुरक्षा विभाग ने रोडवेज के पास दो किलो मावा पकड़ा, जांच के बाद छोड़ा, नमूने भरे**

साथ ही हल्द्वानी और अन्य क्षेत्रों की छह दुकानों पर छापा मारा गया। सभी दुकानदारों को निर्देश दिए कि शुद्ध खाद्य पदार्थों की ही बिक्री करें। टीम में अभीहित अधिकारी /सहायक आयुक्त अजब सिंह रावत, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह व अन्य लोग रहे।

उपनल कर्मियों का पूरा वेतन खाते में आया

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले 650 से ज्यादा उपनल कर्मियों को पूरा वेतन आ गया है। उनका छह माह का वेतन रुका हुआ था। यह वेतन दो किश्तों में जारी हुआ है।

विगत मार्च से वेतन नहीं मिलने से उपनल कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। बाद में कर्मचारियों ने इसके लिए धरना-प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार भी किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह में उपनल कर्मियों का दो माह वेतन जारी हो गया लेकिन चार माह का वेतन अभी भी नहीं आया था। दीवाली त्योहार को देखते हुए कर्मचारी फिर से परेशान हो गए। राहत की बात यह रही कि दीवाली से कर्मचारियों का पूरा रुका हुआ वेतन जारी कर दिया गया है। कर्मचारी नेता नीरज हैड़िया ने बताया कि त्योहारों से पहले पूरा वेतन आने से कर्मचारियों में काफी राहत है। हालांकि अन्य कर्मचारियों ने कहा कि उपनल कर्मियों की अन्य मांगों को पूरा करना चाहिए और कर्मचारियों का नियमितिकरण करना चाहिए।

● **दीवाली से पहले कर्मियों को मिली बड़ी राहत**

अनियंत्रित होकर गिरे महिला व युवक, रेफर

नैनीताल: शहर में दो घटनाओं में एक महिला और एक युवक गिरकर घायल हो गए। दोनों को बीडी पांडे से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, तल्लीताल धोबीघाट निवासी शीला देवी सोमवार शाम घर पर काम कर रही थीं। इस दौरान वह अचानक अनियंत्रित होकर गिर गईं, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उन्हें बीडी पांडे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से उन्हें हल्द्वानी रेफर किया गया। वहीं दूसरी घटना में अल्मोड़ा निवासी नीरज कुमार स्नोव्यू क्षेत्र में किराये के मकान में रहकर मल्लीताल स्थित एक रेस्टोरेंट में काम करता है, सुबह ड्यूटी पर जाते समय सीढ़ियां चढ़ते हुए अचानक बेहोश होकर गिर गया। उसे भी बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया।

दोस्त के घर से तीन लड़कियों के साथ धरा युवक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एक घर में एक युवक तीन लड़कियों के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। शक होने पर जब क्षेत्रीय लोग घर के अंदर पहुंचे तो नजारा देखकर भौंचक्के रह गए। नाराज लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

पार्षद की सूचना पर फौरन पुलिस मौके पर पहुंची और किसी सूरत नाराज लोगों को शांत कराया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। पार्षद की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वार्ड-3 वैलेजली लॉज के पार्षद धर्मवीर ने बताया कि इलाके में वसीम का मकान है, जो बरेली के रहने वाले हैं। वसीम ने अपने घर की चाबी काठगोदाम निवासी तस्लीम उर्फ सोनू को दे रखी थीं। सोमवार को तस्लीम तीन लड़कियों को लेकर वसीम के घर पहुंचा, ताला खोला और अंदर चला गया। उसे तीन लड़कियों के साथ स्थानीय लोगों ने देखा तो शक हुआ।

यह बात कुछ ही देर में इलाके में आग की तरह फैल गई। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ जमना शुरू हो गई। रात करीब 12 बजे लोग जबरन वसीम के घर पहुंच गए। अंदर का नजारा देखा तो उनके होश फाख्ता हो गए। अंदर तीनों आपत्तिजनक हालत में थे। यह देख लोग आगबबूला हो गए।

लोगों ने तस्लीम को धर दबोचा और उसकी पिटाई शुरू कर दी। क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर पार्षद धर्मवीर भी मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने बमुश्किल लोगों को शांत कराया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पार्षद ने तस्लीम के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

रात से शुरू हुआ, भोर तक चला हंगामा

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि वसीम का घर हमेशा से संदिग्ध रहा है। यहां अकसर इसी तरह की गतिविधियां होती रहती हैं। लोगों ने कई बार इसका विरोध भी किया, लेकिन गतिविधियां नहीं रुकीं। सोमवार रात जब लोगों ने तस्लीम को तीन युवतियों के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा तो वह आगबबूला हो गए। बताया जा रहा है कि रात तकरीबन 12 बजे शुरू हुआ हंगामा काफी देर तक चलता। सुबह करीब 4 बजे कार्रवाई का भरोसा मिलने पर लोगों का आक्रोश शांत हुआ।

दोस्त के घर को बनाया अय्याशी का अड्डा

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि तस्लीम ने अपने दोस्त के घर को अय्याशी का अड्डा बना लिया था। उसका लगातार यहां आना-जाना रहता है, लेकिन लोग कभी रंगेहाथ उसे पकड़ नहीं पाए। पार्षद का कहना है कि जिन तीन लड़कियों को तस्लीम के साथ देखा गया, उनमें से दो गैर समुदाय और एक दूसरे समुदाय की है। तीनों लड़कियां बालिग बताई जा रही हैं, तीनों कमजोर वर्ग की हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

● **वैलेजली लॉज में समुदाय विशेष के युवक की करतूत से हंगामा**

● **स्थानीय लोगों ने आपत्तिजनक हालत में पकड़ा, मुकदमा दर्ज**

पटाखा गोदाम व थोक दुकानों की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्रशासन ने दीपावली पर्व पर पटाखा एवं आतिशबाजी पर सुरक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रशासन ने अग्निशमन विभाग को पटाखा गोदामों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि दीपावली पर्व नजदीक है। ऐसे में पटाखा व आतिशबाजी के गोदाम व दुकानें खुलती हैं। इनमें कोई अनहोनी नहीं हो इसलिए अग्निशमन विभाग को पत्र लिख कर सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि हल्द्वानी में पटाखों का सिर्फ एक गोदाम व 17 थोक विक्रेता हैं। इनमें से कोई भी आबादी, घनी बस्ती या मुख्य बाजार में नहीं है फिर भी समय से इनकी जांच जरूरी है। यदि अग्निशमन विभाग के निरीक्षण में सुरक्षा मानकों में कमी मिलती है तो उसे तत्काल पूरा कराया जाएगा ताकि पर्व पर कोई अप्रिय घटना नहीं हो। उन्होंने कहा कि वह भी पटाखा गोदामों व थोक दुकानों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

पटाखा बाजार के लिए जल्द बनेगी कमेटी

शहर में रामलीला मैदान, एमबी इंटर कॉलेज मैदान, ऊंचापुल स्थित रामलीला मैदान समेत कई स्थानों पर प्रशासन की ओर से पटाखा बाजार लगाया जाता है। पटाखा बाजार लगाने से पूर्व एक कमेटी बनाई जाती है जो स्थलीय निरीक्षण करती है, सुरक्षा के सभी मानकों पर खरा होने के बाद ही पटाखा बाजार के लिए सहमति दी जाती है। सिटी मजिस्ट्रेट चौहान ने बताया कि जल्द ही कमेटी का गठन करने के बाद पटाखा बाजार के संभावित स्थलों का निरीक्षण किया जाएगा।

पीडियाट्रिक कफ सिरप के पांच नमूने जांच के लिए भेजे गए

● **लगातार तीसरे दिन जिले में चलाया गया अभियान**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: औषधि नियंत्रण विभाग लगातार पीडियाट्रिक कफ सिरपों की जांच कर रहा है। तीसरे दिन भी विभाग ने हल्द्वानी में विभिन्न स्थानों से कफ सिरप के सैंपल लिए और उनको जांच के लिए भेजा।

औषधि नियंत्रक विभाग ने मंगलवार को शहर और आसपास के आठ दवा प्रतिष्ठानों में छापे मारे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न मेडिकल स्टोर्स से डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड, क्लोरफेनिरामाइन मैलिएट एवं फेनिलेफ्रीन हाइड्रोक्लोराइड युक्त पीडियाट्रिक कफ सिरप के पांच नमूने संकलित किए गए, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। अभियान पिछले तीन दिनों से लगातार अभियान चला रहा है। इसमें मेडिकल स्टोर, दवाओं के स्टॉकिस्ट के साथ ही अस्पतालों में मेडिकल स्टोरों को भी शामिल किया गया है। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट ने आमजन से अपील की कि वे पंजीकृत चिकित्सक के परामर्श के बाद ही कफ सिरप का उपयोग करें। उन्होंने कहा कहा कि नैनीताल जिले में अभी तक14 कफ सिरप के नमूने परीक्षण के लिए गए हैं। इन नमूनों का परीक्षण करके रिपोर्ट का अध्ययन किया जाएगा। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान औषधि निरीक्षक नैनीताल अर्चना भी शामिल रहीं।

कफ सिरपों की जांच करते औषधि नियंत्रक विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

दिव्यांग बच्चों के लिए कैंप कल

हल्द्वानी : समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत गुरुवार सुबह 10 बजे से जेल रोड स्थित सीआरसी में दिव्यांग बच्चों के लिए निशुल्क सहायता उपकरण परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में एलिम्को कानपुर और स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक बच्चों की जांच करेंगे और आवश्यक उपकरणों के लिए उनका चयन किया जाएगा। इस दौरान समाज कल्याण विभाग की टीम दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही विकलांगता प्रमाण पत्र से संबंधित परामर्श भी देगी।

खंड शिक्षाधिकारी तारा सिंह ने हल्द्वानी ब्लॉक के समस्त दिव्यांग बच्चों से शिविर में प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है। उन्होंने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को इस शिविर की जानकारी देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

काठगोदाम पुलिस ने तलाशा गुम मोबाइल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पुलिस के मुताबिक, 5 अक्टूबर को काठगोदाम क्षेत्र के पुरानी चुंगी के पास काठगोदाम पुलिस को एक आईफोन 13 मोबाइल मिला। पुलिस ने मोबाइल मालिक की तलाश शुरू की। सोमवार शाम को भूमिका बिष्ट पुत्री बिशन सिह बिष्ट निवासी दोनहरिया पनचक्की काठगोदाम ने चौकी मल्ला काठगोदाम पहुंचकर बताया गया कि उक्त मोबाइल उसका है, जो काठगोदाम क्षेत्र में कहीं गिर गया था। पुलिस ने पुष्टि के बाद भूमिका को उसका खोया हुआ मोबाइल सौंपा। खोया मोबाइल पाकर भूमिका ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

परेशानी | उपयुक्त लेन न होने से एटीएस में नहीं हो रही फिटनेस, मैनुअल फिटनेस बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

फिटनेस ठप : वाहन स्वामियों की परेशानी बढ़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भारी कमर्शियल वाहन और टैक्सी बाइक-स्कूटी की फिटनेस नहीं होने से वाहन चालक और स्वामियों की मुश्किलें लगातार बढ़ते जा रही हैं। आलम यह है कि फिटनेस प्रमाणपत्र के लिए उन्हें बार-बार आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन मैनुअल फिटनेस की सुविधा पूरी तरह बंद होने से यहां से भी केवल निराशा ही हाथ लग रही है।

बेलबाबा स्थित एटीएस (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) में भारी वाहनों के लिए उपयुक्त लेन नहीं होने से समस्या और गंभीर हो गई है। इसके चलते जेसीबी, क्रेन जैसे लोडेड वाहन और टैक्सी बाइक-स्कूटी की फिटनेस प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। समय पर फिटनेस नहीं होने से सड़क पर चलने वाले वाहनों पर विभागीय कार्रवाई हो रही है।

केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार प्रदेशभर में वाहनों की मैनुअल फिटनेस पूरी तरह बंद कर दी गई है और सभी संभागीय परिवहन कार्यालयों के अंतर्गत पंजीकृत वाहनों की फिटनेस एटीएस के माध्यम से की जा रही है। लेकिन बेलबाबा स्थित एटीएस के पास उपयुक्त लेन नहीं होने से भारी कमर्शियल वाहन सहित टैक्सी बाइक-स्कूटी स्वामी वाहनों की फीस जमा नहीं होने से फिटनेस नहीं करा पा रहे हैं। जिससे उन्हें बेवजह के चालान व अन्य विभागीय कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। एआरटीओ बीके सिंह ने बताया कि ऐसे वाहन चालक या स्वामी से प्रत्यावेदन लेकर परिवहन मुख्यालय देहरादून भेजा जा रहा है। मुख्यालय से जारी निर्देश के अनुसार ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। इधर, वाहन स्वामियों की मांग है कि जब तक एटीएस में सभी श्रेणी के वाहनों के लिए उचित व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को अस्थाई रूप से फिर से शुरू की जाए ताकि वाहन सड़क पर चल सकें और उनकी आजीविका प्रभावित न हो।

नलकूप खराब हुआ जल संकट गहराया

हल्द्वानी: बोरा कॉलानी में नलकूप खराब हो गया। यहां अधिकांश आबादी इसी नलकूप पर निर्भर है। करीब चार हजार की आबादी के सामने पानी का संकट आ गया है।

कमलुवागांजा क्षेत्र की बोरा कॉलोनी में नलकूप खराब होने से सोमवार को पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रही। इससे पहले दो माह पहले भी यह नलकूप खराब हुआ था। उस समय भी लोगों को चार से पांच दिनों तक पानी का संकट झेलना पड़ा था। अब फिर से नलकूप खराब हो गया है। स्थानीय लोगों में आक्रोश है कि नलकूप बार-बार खराब हो रहा है और विभाग के पास समस्या का समाधान नहीं है। जलसंस्थान के अधिकारियों का कहना है कि नलकूप की मोटर खराब होने से पानी की सप्लाई रुकी है। इसे ठीक किया जा रहा है।

गोपाल बने प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष

● **चुनाव हुआ संपन्न, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन**

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिला प्रधान संगठन का चुनाव संपन्न हो गया है। प्रधानों ने सर्वसम्मति से गोपाल सिंह अधिकारी को अपना जिलाध्यक्ष चुना है। नई कार्यकारिणी ने जनता और संगठन हित में काम करने का संकल्प लिया है।

पीलीकोठी स्थित एक बैंकट हॉल में मंगलवार को प्रधानों के चुनाव संपन्न हुए। सभी ने सर्वसम्मति से गोपाल सिंह अधिकारी को जिलाध्यक्ष चुना है। वह हल्द्वानी ब्लॉक प्रधान संगठन के भी अध्यक्ष हैं। उनको यह दोहरी जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने सभी का आभार जताते हुए कहा कि ग्रामीण जनता ने जिन सपनों के साथ हमें चुना है, उनको पूरा करना हमारा धर्म है। साथ ही प्रधानों की समस्याओं को हर मंच पर रखा जाएगा और उनका समाधान करवाया जाएगा। इसके बाद नई जिला कार्यकारिणी का गठन हुआ। कोटाबाग क्षेत्र के सुरेंद्र सिंह बोरा, भीमताल क्षेत्र के जितेंद्र सिंह चनौतिया, हल्द्वानी क्षेत्र से बची सिंह बिष्ट और रामनगर क्षेत्र से नवीन सती को प्रधान संगठन का जिला उपाध्यक्ष चुना गया है। रामगढ़ क्षेत्र से नंदन सिंह, धारी क्षेत्र से निर्मला पंवार और भीमताल क्षेत्र से पंकज उप्रेती, ओखलकांडा से विपिन सनवाल और कोटाबाग से गंगा बिष्ट को सचिव चुना या। भीमताल क्षेत्र से मीनाक्षी टम्टा और रामगढ़ से प्रदीप सिंह को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह अधिकारी ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,8 अक्टूबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

अभियान के प्रदेश संयोजक बने मेहमूद

कालाढूंगी : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष अनीस गौड़ ने प्रदेश की

आत्मनिर्भर भारत संकल्प की टीम की घोषणा करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश महामंत्री महमूद हसन बंजारा को प्रदेश का संयोजक बनाया है। मेहमूद हसन बंजारा ने कहा पार्टी की जिम्मेदारी को निर्वहन करते हुए बूथ स्तर पर कमेटियां बनाकर स्वदेशी अपनाने के लिए कार्यक्रम कर लोगों जागरूक करेंगे। प्रदेश संयोजक बनने पर सांसद अजय भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, विनोद बुढलाकोटी व हरीश मेहरा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

राजधानी राजमार्ग की बदहाल हालत से पर्यटक परेशान

कालाढूंगी : देहरादून-रामनगर-कालाढूंगी स्टेट हाईवे भी दुर्दशा का दशं झेल रहा है। नयागांव कार्बेट फॉल, बैलपड़ाव बाजार, गैबुआ व कालाढूंगी नगर में पेट्रोल पंप के पास मुख्य मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गया है। इसके अलावा कई जगहों पर सड़क के किनारे जलभराव से राहगीर को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। राजधानी मार्ग होने के चलते मंत्रियों व विधायकों के अलावा सरोवर नगरी नैनीताल व हाई कोर्ट के लिए जाने वाले न्यायाधीशों, पर्यटकों, अधिकारियों का इसी मार्ग से आना-जाना लगा रहता है। बावजूद इसके सड़क बदहाल स्थिति में है। वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर लोनिवि जेई रिहान का कहना है कि रामनगर-कालाढूंगी स्टेट हाईवे में दो-तीन दिन में मौसम साफ होने पर गड्ढों में पेचवर्क का कार्य किया जाएगा।

शराब पीकर पति ने पत्नी को पीटा

नैनीताल : मल्लीताल क्षेत्र में शराब के नशे में धुत पति ने पत्नी की पिटाई के बाद कोतवाली में बवाल काट दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई की गई है। सोमवार रात शेरवानी क्षेत्र से एक महिला ने 112 पर फोन कर जानकारी दी कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट कर रहा है। सूचना के बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो वहां पति ने उत्पात मचाया हुआ था। पुलिस को देख पति उन्हें भी गाली देने लगा। पुलिस उसे कोतवाली ले आई। उसने कोतवाली में भी जमकर हंगामा काटा। सुबह नशा उतरा तो वह छोड़ देने की गुहार लगाने लगा। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि शेरवानी निवासी सुंदर सिंह बिष्ट के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई की गई है।

नासा स्पेस एप्लीकेशन चैलेंज का समापन

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में हुए कार्यक्रम में देश के विभिन्न विद्यालयों ने प्रतिभाग कर दिखाई प्रतिभा

● नासा इंटरनेशनल स्पेस एप्लीकेशन चैलेंज का आयोजन हुआ

संवाददाता, भीमताल

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल कैम्पस में कार्यक्रम पेश करतीं बालिकाएं।

अमृत विचार: कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, स्कूल ऑफ एलाइड साइंसेज (फिजिक्स) आईईईई स्टूडेंट ब्रांच, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के भीमताल परिसर और एस्ट्रोवर्स एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय नासा इंटरनेशनल स्पेस एप्लीकेशन चैलेंज का आयोजन हुआ। यह आयोजन भारत में नैनीताल स्थित ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैम्पस सहित विश्व के 150 देशों में एक साथ आयोजित किया गया।

आयोजन में डॉ. मनीष नाजा, निदेशक, एरीज नैनीताल मुख्य अतिथि, डॉ. भुवन चंद्र भट्ट, पूर्व वैज्ञानिक, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बैंगलोर, मोहित जोशी, इंजीनियर ई और कुलसचिव, एरीज नैनीताल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। निदेशक, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैम्पस, कर्नल अनिल कुमार नायर (सेनि.), एस्ट्रोवर्स एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं कोफाउंडर शुभम कुमार एवं अजय रावत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अंकुर सिंह बिष्ट एवं डॉ. डीएस. रावत ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य नासा के उपलब्ध डेटा का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए विविध समुदायों को एक साथ लाकर नवाचार, सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है।

एस्ट्रोवर्स एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं कोफ़ाउंडर शुभम कुमार, अजय रावत, राहुल पथरी एवं रुपिन थापा ने प्रतिभागियों को अपने नैनीताल स्थित स्टार्टअप एस्ट्रोवर्स एवं एस्ट्रोपाठशाला के उदगम, अब तक की यात्रा एवं उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। प्रतियोगिता के मुख्य आयोजन में 36 घंटे के हैकेथन का आयोजन किया गया जिसमें पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी ने प्रथम स्थान एवं बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ अप्लाइड साइंसेज भीमताल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त माध्यमिक वर्ग में दीक्षांत पब्लिक स्कूल हल्द्वानी के छात्र-छात्राओं के प्रोजेक्ट कार्य को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। पीकोसेट रॉकेटरी प्रतियोगिता में दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल, इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल एवं सेंट जोसेफ कॉलेज ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, रोबो कबड्डी में साईं पब्लिक स्कूल, काशीपुर ने प्रथम तथा गुरुकुल फाउंडेशन ने द्वितीय एवं इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन के प्रमुख आकर्षण हाइड्रोरॉकेटरी प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल ने प्रथम, गुरुकुल फाउंडेशन ने द्वितीय एवं इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्टार गेजिंग को टेलीस्कोप लगाए गए जिनसे सभी प्रतिभागियों ने शुक्र, शनि एवं बृहस्पति ग्रहों सहित चंद्रमा को देख रोमांचित हुए।

उक्त टेलिस्कोप प्वाइंटिंग प्रतियोगिता में इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल एवं दीक्षांत पब्लिक स्कूल की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में आईआईए बंगलौर के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. भुवन चंद्र भट्ट, एरीज नैनीताल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जीवन पाण्डे, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैम्पस के भौतिकी प्राध्यापक, डॉ. डी एस रावत, गौरी फाउंडेशन के सीईओ चरण पाल सिंह, एस्ट्रोवर्स एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं कोफ़ाउंडर राहुल पथरी एवं रुपिन थापा निर्णायक मंडल की भूमिका में सम्मिलित हुए।

समापन सत्र के दौरान निदेशक, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल कैम्पस, सीईओ एवं कोफ़ाउंडर एस्ट्रोवर्स एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के अजय रावत, राहुल पथरी और रुपिन थापा ने विजेताओं, निर्णायकों एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया आयोजन में डॉ. शिल्पा जैन, डॉ. कविता जोशी एवं डॉ. सुरभि सक्सेना के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

जगदीश पांडे को राज्य शिल्प रत्न पुरस्कार मिला

● भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया सम्मानित

संवाददाता, हल्दूचौड़

जगदीश चंद्र पांडे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लोककला एवं पेंटिंग के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके क्वालिटी कॉलोनी, जग्गीबंगर (हल्दूचौड़) निवासी जगदीश चंद्र पांडे ने एक बार फिर उत्तराखंड का मान बढ़ाया है। राज्य सरकार ने उन्हें वर्ष 2024 का 'उत्तराखंड राज्य शिल्प रत्न पुरस्कार' प्रदान किया है। भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार के तहत उन्हें प्रशस्ति पत्र, मेडल व एक लाख रुपये का चेक भेंट किया गया।

कला के माध्यम से गढ़ी पहचान

जन्म से ही कला और पेंटिंग के प्रति स्वाभाविक लगाव रखने वाले जगदीश चंद्र पांडे ने अपनी मेहनत और सृजनशीलता से लोककला को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। उनकी चित्रकृतियाँ केवल रंगों का मेल नहीं, बल्कि संवेदनाओं की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। उनकी पेंटिंग्स में जीवन के सूक्ष्म भाव इस तरह उभरते हैं मानो चित्र स्वयं संवाद कर रहे हों। जगदीश पांडे की कला ने न केवल उत्तराखंड में बल्कि देशभर में भी ख्याति अर्जित की है। आज वे लोककला के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित और प्रेरणादायक नाम हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सांसद अजय भट्ट, विधायक डॉ. मोहन बिष्ट, पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र दुर्गापाल, पूर्व विधायक नवीन चंद्र दुम्का, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरेंद्र बोरा, जिला पंचायत सदस्य कमलेश चंदोला, गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधक बसंत पांडे और ग्राम प्रधान निर्मला जग्गी पवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पूर्व सभासद मनोज तिवारी का निधन

नैनीताल: नेशनल यूनियन ऑफ़ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार एवं कुमाऊं विवि के प्रो.गिरीश रंजन तिवारी के बड़े भाई मनोज तिवारी का मंगलवार को निधन हो गया।

मनोज तिवारी पूर्व में पालिका के सभासद रह चुके हैं। वह नैनीताल में स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल का संचालन करते थे। उनका अंतिम संस्कार रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट पर किया गया। उनके निधन पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति व प्रोफेसर समेत क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों के अलावा कूटा अध्यक्ष प्रोफेसर ललित तिवारी, प्रोफेसर नीलू , डॉ. दीपक कुमार , डॉ. विजय कुमार , डॉ. संतोष कुमार, प्रो. दीपिका गोस्वामी, प्रो. अनिल बिष्ट, डॉ. उमंग , डॉ. दीपिका पंत , प्रो. रितेश साह ने दुख व्यक्त किया है ।

इंटर-हाईस्कूल परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन शुरू

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर ने हाई स्कूल, इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 एवं परीक्षा फल सुधार परीक्षा 2025 द्वितीय के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि बोर्ड परीक्षा 2026 के संस्थागत, व्यक्तिगत के लिए विद्यालय, परीक्षार्थी के राजकोष में शुल्क जमा करने की तिथि 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक तथा विद्यालय द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि 8 अक्टूबर से व अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, तथा विद्यालय द्वारा पूरित आवेदन की सूचना बीईओ कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है, खंड शिक्षा द्वारा पूरित आवेदनों की सूचना सीईओ कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, सीईओ द्वारा पूरित आवेदनों की सूचना परिषद कार्यालय में जमा करने की तिथि 4 नवंबर है। ऑफलाइन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। व्यक्तिगत परीक्षार्थी के लिए आवेदन पत्र पोर्टल से डाउनलोड कर परीक्षार्थियों से भरवाने के बाद ऑनलाइन आवेदन पत्र ही भरा जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया संस्था, विद्यालय के माध्यम से ही संपादित की जाएगी। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी परीक्षार्थी से कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। सिमल्टी ने बताया कि जो परीक्षार्थी सुधार परीक्षा वर्ष 2024 तृतीय की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए हैं, वह परीक्षार्थी समस्त विषयों के साथ व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में ही सम्मिलित हो सकता है।

प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने जताया सीएम का आभार

भीमताल: प्रदेश सरकार द्वारा वन्य जीवों के हमले से हुई जनहानि पर मिलने वाली राशि को बढ़ाकर दस लाख करने पर भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और वन मंत्री सुबोध उनियाल का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब हैं कि भीमताल ब्लॉक में विगत वर्षों वन्य जीव हमलों से जनहानियां हुई है उस दौरान प्रमुख ने मुख्य मंत्री से वन्य जीवो से जनहानि पर सहायता राशि बढ़ाने की माग की थी। जिस को अमृत विचार ने समय समय पर अपने विभिन्न अंकों में प्रकाशित किया था। पहाड़ में अधिकाश ग्रामीण पशुओं के लिए जंगलों से चारा पत्ती लाने में कई बार वन्य जीवों के हमले में जान तक गंवानी पड़ती है। यह सहायता राशि से उनके परिवारों को पालन पोषण में तत्काल रूप से सहायक होती है।

जल, जंगल, जमीन की पुकार नाटक ने जीता लोगों का दिल

संवाददाता, रामनगर

वन्य प्राणी सप्ताह के दौरान पुरस्कार के साथ ढिकुली स्कूल के बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा आयोजित वन्यजीव सप्ताह का वन विश्राम गृह में समापन हुआ। इस दौरान राइका ढिकुली के बच्चों ने जल, जंगल, जमीन की पुकार नाटक प्रस्तुत कर जल, जंगलों एवं वन्यजीवों को संरक्षित करने का संदेश भी दिया। एक सप्ताह चले कार्यक्रमों में चित्रकला, क्विज़, निबंध लेखन एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

समापन के दौरान मनस्वी रेखाड़ी ने बांसुरी की मधुर धुन प्रस्तुत की। पालिकाध्यक्ष मो. अकरम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने कहा कि बच्चों की प्रस्तुतियां छोटी-छोटी बातों में बड़े संदेश समेटे हुए हैं। पालिकाध्यक्ष हाजी मो. अकरम ने कहा कि वन और पर्यावरण का संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। कॉर्बेट के वनकर्मी कठिन परिस्थितियों में भी पर्यावरण रक्षा को निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, जो सराहनीय है। विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के मेराज अनवर, डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया, मनीष जोशी प्रभागीय वनाधिकारी अतिरिक्त भूमि संरक्षण वन प्रभाग, किरन शाह, अंकित बडोला, पार्क वार्डन अमित ग्वासीकोटी,डॉ. दुष्यंत शर्मा, रेंजर ललित आर्या, दिनेश रावत, रमेश बिष्ट, एजी अंसारी, इमरान खान, हरि सिंह मान, संजय छिम्वाल रहे।

पर्यटन बढ़ने पर ही कारोबारियों को मिल सकेगा लाभ : भट्टाचार्जी

संवाददाता, नैनीताल

नम : नैनीताल के जीएम मेधातिथि भट्टाचार्जी , शिवांगी व आशुतोष भंडारी।

अमृत विचार: नमः नैनीताल के नवनियुक्त महाप्रबंधक मेधातिथि भट्टाचार्जी ने कहा कि वह पर्यटन को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं, तभी नमः नैनीताल समेत पर्यटन कारोबारियों का विकास हो सकेगा। रेडिसन इंडिविजुअल ग्रुप में शामिल होने से विदेशी सैलानियों की आमद में बढ़ोतरी होगी।

जीएम भट्टाचार्जी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रेडिसन होटल ग्रुप होटल की सुविधाओं के साथ तीज त्योहारों के महत्व को देखते हुए कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कुमाऊं संस्कृति को प्रमोट करने के लिए सुविधाएं प्रदान कर रहा है। दीवाली पर कुमाउनी थाली सैलानियों को परोसी जाएगी। कुमाउनी परम्परा के अनुसार होटल में दीवाली पर्व का आयोजन किया जाएगा ताकि सैलानी कुमाऊं में मनाई जाने वाली प्राचीन दीवाली का महत्व जान सकें। गुजराती पर्यटकों की आमद बढ़ते ही गुजराती परंपराओं को भी सैलानी समझ सकें। उन्होंने बताया कि रेडिसन होटल ग्रुप अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान रखता है, जिसका लाभ सभी पर्यटन व्यावसायियों को मिलेगा। चीफ सैफ शिवांगी ने कहा कि उत्तराखंड की मूल निवासी होने के नाते वह कुमाऊं और गढ़वाली व्यंजनों की जानकारी रखती हैं। प्रबंधक बिशन दत्त ने होटल में दी जाने वाली सुविधाओं पर प्रकाश डाला। प्रबंधक आशुतोष भंडारी ने होटल में इवेंट के साथ गार्डन किचन की जानकारी दी।

निजी कॉलेजों में भी होगी बायोमेट्रिक उपस्थिति

नैनीताल: कुमाऊं विवि नैनीताल की कार्यकारी परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी निजी महाविद्यालयों में अब विद्यार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि विवि प्रशासन सभी निजी महाविद्यालयों का औचक निरीक्षण कर बायोमेट्रिक प्रणाली के सही संचालन और अनुपालन की स्थिति सुनिश्चित करेगा। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि नियमित उपस्थिति विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास की आधारशिला है। बायोमेट्रिक प्रणाली लागू होने से पारदर्शिता और अनुशासन में वृद्धि होगी तथा शिक्षण की गुणवत्ता और बेहतर बनेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि प्रत्येक छात्र समयनिष्ठ, उत्तरदायी और अनुशासित बने। कुलपति ने बताया कि विवि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अंतरविद्यालयी बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में जोर आजमाइश करतीं बालिकाएं।

अंतरविद्यालयी बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

नैनीताल : ऑल सेंट्स कॉलेज नैनीताल में छठी शेरर्ड मेमोरियल अंतरविद्यालयी बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता के पहले दिन पहला मुकाबला ऑल सेंट्स कॉलेज (ब्लू टीम) और भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय (ब्लू टीम) के बीच खेला गया, जिसमें ऑल सेंट्स ब्लू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-0 से जीत दर्ज की। टीम की ओर से गुर्दृष्टि कौर ने 3, नंदिनी बिष्ट ने 2 तथा इप्सा जयसवाल ने 1 गोल किया।दूसरा मैच मोहनलाल साह बालिका विद्यालय और सेंट मेरीज कॉन्वेंट कॉलेज के बीच हुआ। यह कड़ा मुकाबला सेंट मेरीज कॉन्वेंट कॉलेज ने 1-0 से जीता। विजेता टीम के लिए कोमल महरा ने एकमात्र निर्णायक गोल किया। तीसरा मुकाबला दे विटो स्कूल, भवाली और सनवाल स्कूल, नैनीताल के बीच खेला गया। सनवाल स्कूल ने शानदार खेल दिखाते हुए 3-0 से जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से खुशी ने 2 तथा यशस्वी ने 1 गोल किया। दिन का अंतिम मैच ऑल सेंट्स कॉलेज (व्हाइट टीम) और भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय (रेड टीम) के बीच हुआ। इस मैच में भारतीय शहीद सैनिक रेड टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-0 से विजय प्राप्त की।

चिंताजनक | माइक्रोमेजेशन विधि से नैनीताल और बड़े शहरों का किया जाएगा अध्ययन

भूकंप की दृष्टि से नैनीताल बेहद संवेदनशील, भूगर्भ में जमा हो रही भूकंपीय ऊर्जा

गौरव जोशी, नैनीताल

हर्ष गप्ता, भूगर्भ वैज्ञानिक व विनीत गहलोत, निदेशक वाडिया इंस्टीट्यूट।

अमृत विचार: उत्तराखंड समेत मध्य हिमालय क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही भूकंप की घटनाओं से अब वैज्ञानिक भी चिंतित है। वाडिया इंस्टीट्यूट देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक व निर्देशक विनीत गहलोत ने बताया हिमालय भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है।

उत्तराखंड का कुमाऊं और गढ़वाल दोनों क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से बेहद खतरनाक है। प्रदेश में पिछले 300 से 400 साल में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। वर्ष 1344 में और 1505 में बड़ा भूकंप आया लेकिन इसके बाद कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाला समय भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। कहा हिमालय क्षेत्र में भूकंप को लेकर लगातार अध्ययन चल रहे हैं जिनसे पता चला है जमीन के भीतर बड़ी मात्रा में एनर्जी एकत्र हो रही है। वैज्ञानिकों के अध्ययन में पता चला है कि भूकंप आने की प्रक्रिया भूगर्भ में चल रही हैं। भूकंप मापी यंत्रों से पता चला है कि बहुत तेजी के साथ भूगर्भ में एनर्जी एकत्र हो रही है। भूकंप की दृष्टि से नैनीताल विशेषकर पूरा उत्तराखंड बेहद संवेदनशील है। कहा इस बार आने वाले भूकंप की सीमा करीब 300 किलोमीटर के आसपास की होगी। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि किस क्षेत्र में हानि अधिक होगी। अगर बड़ा भूकंप आया तो पहाड़ों की अपेक्षा मैदानी क्षेत्र विशेष कर देहरादून, कोटाबाग, नैनीताल क्षेत्र अब तक बेहद संवेदनशील है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून के निदेशकडॉ. विनीत कुमार गहलौत ने कहा राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र को चिह्नित कर भूकंप की छोटी-छोटी घटनाओं की निगरानी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा जमीन किस तरह से खिसक रही है जमीन में किस तरह की हलचल हो रही है उसे पर वैज्ञानिकों की विशेष नजर रखते हुए अध्ययन शुरू किया है। लगातार उत्तराखंड के संवेदनशील क्षेत्र के साथ-साथ 20 अन्य स्थानों पर भूकंप मापी यंत्रों को लगाया गया है। आने वाले समय में उत्तराखंड के 15 स्थान पर भूकंप मापी सेंसर लगाने की तैयारी की जा रही है। ताकि भूगर्भ में मचाने वाली हलचलों का पता लगाया जा सके और भूकंप आने से पहले लोगों को सचेत किया जा सके। कहा भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील नैनीताल समेत अन्य शहरों पर माइक्रोमेजेशन विधि से अध्ययन किया जाएगा।

अर्थ क्वेक रेजुलियम सोसायटी की आवश्यकता

लंबे समय से भूकंप पर अध्ययन कर रहे पद्मश्री हर्ष गुप्ता ने बताया आने वाले समय में हमें भूकंप के साथ रहने की आदत बनानी होगी इसके लिए अर्थ क्वेक रेजुलियम सोसायटी बनाने की आवश्यकता है। कहां आने वाला समय भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है 2005 में मुजफ्फराबाद में आए भूकंप में 82 हजार लोगों की मौत हुई थी। उत्तराखंड की भौगोलिक संरचना भी मुजफ्फराबाद जैसी है। अगर यहां इसी तरह का बड़ा भूकंप आया तो यहां भी इस तरह की घटना देखने को मिल सकती है। कहा 2010 में हिंदी में एक विनाशकारी भूकंप आया जिसमें 3 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जिससे सबक लेते हुए हित के लोगों ने अर्थ क्वेक रेजुलियम सोसायटी बने। इसके बाद वहां पहले से अधिक विनाशकारी भूकंप आया लेकिन इस भूकंप में मरने वालों की संख्या महज 2500 रह गई। कहा संवेदनशील क्षेत्रों विशेषकर पूरे भारत में एक दिन अर्थ क्वेक डे मनाने की आवश्यकता है ताकि भूकंप के दौरान होने वाली घटना और उससे बचाव की लोगों को जानकारी दी जा सके और घटना के दौरान जनहानि को काम किया जा सके।

सिटी ब्रीफ

अंगद-रावण संवाद और लक्ष्मण शक्ति का मंचन

हल्द्वानी : युवा सामाजिक व सांस्कृतिक समिति शीशमहल की ओर से आयोजित रामलीला में सोमवार को बारिश के बावजूद दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ। इस अवसर पर कलाकारों ने अंगद-रावण संवाद और लक्ष्मण शक्ति के प्रसंगों का जीवंत और मार्मिक मंचन किया। जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो गए। सोमवार की लीला का शुभारंभ समिति के पदाधिकारियों की ओर से किया गया। लीला की शुरुआत रावण के दरबार में अंगद के प्रवेश के साथ हुई। अंगद ने अपने ओजस्वी संवादों से रावण के अहंकार को चुनौती दी। इसके बाद युद्ध के मैदान में मेघनाद ने लक्ष्मण को शक्ति बाण मारने का दृश्य देख दर्शक भावुक हो गए। हनुमान संजीवनी बूटी लाने के प्रसंग ने दर्शकों में एक नई ऊर्जा का संचार किया। लीला के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष मनोज तिवारी, मुख्य व्यवस्थापक गिरीश चंद तिवारी, एनडी तिवारी, हरीश पांडे, दिनेश फुलारा, नीरज फुलारा, विक्रम डंगवाल, हरीश बलूटिया आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

स्वयंसेवकों का सामूहिक खीर भोज

हल्द्वानी : शरद पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सुभाष चंद्र बोस शाखा पनियाली की ओर से एक बैंक्वट हॉल में सामूहिक खीर भोज कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में उपनगर कार्यवाह नितिन ने स्वयंसेवकों को शरद पूर्णिमा का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व बताया। इस मौके पर वरिष्ठ स्वयंसेवक बालम सिंह देवका, साहित्य परिषद उत्तराखंड के प्रदेश सहमंत्री सौरभ पांडे, विद्यार्थी कार्य प्रमुख नीरज पांडे, पारस, कृष्ण सहित अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कुमाऊं विवि का नवंबर में होगा दीक्षांत समारोह

नैनीताल : कुमाऊं विश्वविद्यालय का 20वां दीक्षांत समारोह इस वर्ष नवंबर में आयोजित किया जाएगा। विवि प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी हैं। कुलसचिव डॉ. एमएस मंद्रवाल ने बताया कि समारोह की तिथि को लेकर कुलाधिपति एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह को पत्र भेजा है। शीघ्र ही अंतिम तिथि घोषित की जाएगी। समारोह के दौरान पीएचडी उपाधियां प्रदान की जाएंगी, वहीं विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही डी-लिट और डीएससी की उपाधियां भी प्रदान की जाएंगी। संबंधित प्रपत्रों व रिकॉर्ड की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि सूची समय से तैयार की जा सके।

हर्षोल्लास से मनी भगवान वाल्मीकि की जयंती

विभिन्न स्थानों पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा, पुष्पवर्षा से जगह-जगह हुआ यात्रा का जोरदार स्वागत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के अवसर पर मंगलवार को शहर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा की शुरुआत लक्ष्मी शिशु मंदिर से हुई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होकर तिकोनिया स्थित वाल्मीकि पार्क में संपन्न हुई। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि की दिव्य प्रतिमा के साथ-साथ मां काली के अखाड़े, शिव तांडव, राम दरबार और विभिन्न आकर्षक झांकियां प्रमुख केंद्र बिंदु रहीं। प्रकट दिवस समारोह समिति के मीडिया प्रभारी उज्जवल चौहान ने बताया कि भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस केवल वाल्मीकि समाज का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। शोभायात्रा में उत्तराखंड प्रदेश के कई पदाधिकारियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इस पर्व को सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। शोभायात्रा के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, महामंत्री कैलाश भारती किशनू, कोषाध्यक्ष ललित वाल्मीकि, सह-कोषाध्यक्ष रौनक पंडालिया, उपसचिव विशाल कुमार, और सह-मीडिया प्रभारी कार्तिक कुमार आदि शामिल रहे। वहीं, एकता जन सेवा फाउंडेशन एंटी करप्शन सेल एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार की ओर से वाल्मीकि पार्क तिकोनिया में वाल्मीकि जयंती मनाई। संगठन के सहसंयोजक राजेश ठाकुर ने कहा कि रामायण के एक-एक पंक्तियां हमारे भगवान वाल्मीकि ने लिखी है। नगर अध्यक्ष शशि गुप्ता, लक्ष्मी देवी, लीलाधर आर्य, सलीम अहमद, मंजू आर्या, संदीप कुमार, प्रदेश संगठन मंत्री जीतू सागर, सह संयोजक राजेश ठाकुर, लक्ष्मी नारायण, राहत मसीह, आशु वाल्मीकि थे।

हल्द्वानी में वाल्मीकि जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा।

भीमताल में आयोजित वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा व अन्य।

धूमधाम से निकली महर्षि वाल्मीकि की शोभा यात्रा

रामनगर : नगर में भगवान वाल्मीकि की शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, समाज सेविका याना खान, पूर्व चेयरमैन भगीरथ लाल चौधरी व विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा जगमोहन सिंह बिष्ट, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पुष्कर दुर्गापाल, नेकी की दीवार के संयोजक तारा चन्द्र घिडियाल, सभासद पारस गोला, जगन्नाथ सावारिया ने संयुक्त रूप से भगवान महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यहां चम्पा नेगी, सभासद विक्रम भट्ट, गोपू अधिकारी, नवीन कारगेती ,नीमा मठपाल व आयोजन समिति के संरक्षक रमेश पवार, इंद्रपाल सिंह, मुन्ना लाल, दीपक मैसी, अध्यक्ष हरलाल, उपाध्यक्ष सुरेश लाल, सनी कुमार, महामंत्री अमित उत्तम, विकास कुमार, गौरव कुमार, मीडिया प्रभारी जुगेश अरोड़ा आदि मौजूद रहे ।

भवाली में भी निकाली गई भव्य शोभायात्रा

भवाली : भगवान वाल्मीकि के प्रगटोत्सव दिवस के अवसर पर मंगलवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। सुबह रानीखेत रोड स्थित वाल्मीकि मन्दिर में पूजा अर्चना की गई। उसके बाद उपस्थित अतिथियो को साफा पहनाकर सम्मानित किया। शोभा यात्रा मुख्य बाजार, नैनीताल रोड, भीमताल रोड, रामगढ़ रोड होते हुए रानीखेत रोड पर सम्पन्न हुई। कलाकार युवाओं ने तलवार बाजी समेत कई करतब दिखाए। झांकी में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य, नवीन क्वीरा, मनोज तिवारी, बाल्मिकी समिती अध्यक्ष राजन लाल, उपाध्यक्ष राजाराम, सचिव रोहित कुमार, कोषाध्यक्ष रिंकु कुमार, संरक्षक पंकज अद्वैती, जयवीर मौजूद रहे।

रामायण विश्व के लिए प्रेरणा की स्रोत : सीमा

भीमताल : भीमताल नगर पालिका परिषद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने समस्त क्षेत्र वासियों को वाल्मीकि जयंती की बधाई दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रामायण पूरे विश्व में प्रेरणा स्रोत है। रामायण के रचयिता वाल्मीकि ने आज से कई सदियों पूर्व रामायण की रचना कर वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता को पहचाना जिसका आज लाभ दुनिया ले रही है। इस दौरान सुरजीत, कुमेश, संजय, नवीन, सूरज, अनीता आदि शामिल थे।

भाजपा ने शुरू किया हर घर स्वदेशी अभियान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू कर दिया है। भाजपा घर-घर जाकर लोगों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

मंगलवार को लालडांट रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आत्मनिर्भर भारत की कार्यशाला का शुभारंभ जिला प्रभारी खिलेंद्र चौधरी, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मेयर गजराज बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिला प्रभारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इसके लिए सभी को स्वदेशी पर जोर देना होगा। हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी मंत्र को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाना होगा। लोगों को जागरूक करना होगा कि रोजमर्रा की वस्तुएं स्वदेशी ही खरीदें तभी वर्ष 2047 तक भारत का विकसित राष्ट्र का लक्ष्य पूर्ण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश व जिला स्तर पर कार्यशालाएं हो रही हैं, फिर मंडल व विधानसभा स्तर पर भी कार्यशालाएं होंगी।

मेयर गजराज बिष्ट ने कहा कि आगामी त्योहारों पर जनता स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदें और व्यापारियों से स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री पर जोर दिया ताकि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत को पूरा किया जा सके। इस दौरान श्रीपाल राणा, कमल नयन जोशी, रंजन बर्गली, भुवन जोशी, लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, दर्जामंत्री दीपक मेहरा, दिनेश आर्य एवं रेनू अधिकारी, कौस्तुभानंद जोशी, महेंद्र सिंह नेगी, प्रदीप जनौटी, विनीत अग्रवाल, अरविंद पड़ियार रहे।

भाजपा कार्यशाला में प्रार्थना गीत का गायन करते जन प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

जनवरी में बीपीएड कोर्स के साथ शुरू होगा खेल विवि

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम में प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां नए वर्ष में जनवरी माह से बीपीएड कोर्स के साथ शुरू हो सकती हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और यूजीसी से अनुमति मिलने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इससे न केवल प्रदेश के युवाओं को खेल क्षेत्र में करियर का अवसर मिलेगा, बल्कि खेल और शिक्षा का एक आदर्श समन्वय भी विकसित होगा। कोर्स शुरू होने से विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा के साथ-साथ मैदान में व्यावहारिक अनुभव लेने का भी मौका मिलेगा। अस्थायी रूप से कक्षाएं स्टेडियम परिसर के फुटबॉल मैदान के पवेलियन में संचालित की जाएंगी। इसके लिए पवेलियन में मौजूद कमरों को कक्षा के रूप में तैयार किया जा रहा है। विवि के कार्यालय में कोच रूम और पुस्तकालय भी परिसर के भीतर स्थापित कर दिए गए हैं। खेल विश्वविद्यालय के कुलपति ने जानकारी दी कि भविष्य में यहां ओलंपिक स्तर की खेल प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही पहले से स्पोर्ट्स कॉलेज में पढ़ रहे छात्रों को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि खेल विश्वविद्यालय में बीपीएड कोर्स शुरू करने को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। जरूरी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निर्धारित समय में कक्षाएं शुरू हो सकेंगी।

चार टीमों ने किया क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः बिठौरिया यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की ओर से आयोजित दसवें बिठौरिया कप स्व. जगदीश चंद्र बल्यूटिया मेमोरियल नैनीताल जिला इंटर स्कूल 11 ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन चार रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए, जिसमें बियरशिबा स्कूल, डॉन बॉस्को स्कूल, डीपीएस और बीएलएम स्कूल ने जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

मंगलवार को खेले गए पहले मुकाबले में बीरशीबा स्कूल ने डीएवी स्कूल को अंतिम क्षणों में मात दी। मैच के 46वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत बीरशीबा ने 1-0 से जीत हासिल की। दूसरा मैच और भी रोमांचक रहा, जहां आर्यमन बिरला स्कूल और डॉन बॉस्को स्कूल निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सके। मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें डॉन बॉस्को ने 5-4 से बाजी मारी। तीसरे मैच में डीपीएस ने सेंट थेरेसा स्कूल के खिलाफ बेहतर तालमेल का प्रदर्शन करते हुए 1-0 से सधी हुई जीत दर्ज की। दिन का आखिरी मुकाबला एकतरफा रहा, जहां बीएलएम स्कूल ने दशमेश स्कूल, पीरुमदारा पर अपना दबदबा दिखाते हुए 6-0 की बड़ी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जोगिंदर खुराना और कमल पवार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मैचों का सफल संचालन मैच कमिश्नर किशोर पाल, त्रिभुवन नितवाल, आनंद देव, भोपाल सिंह, सूरज गोस्वामी और मोहित नौटियाल ने किया, जबकि रजत चौहान और भूपेश ने वालंटियर के रूप में सहयोग दिया। आज बुधवार को टूर्नामेंट के तीसरे दिन 8 अक्टूबर को प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेले जाएंगे।

फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान एक-दूसरे से बॉल छीनने का प्रयास करते खिलाड़ी।

राज्य स्तरीय विद्यालयी बॉक्सिंग का आगाज

हल्द्वानी : 25वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी बॉक्सिंग प्रतियोगिता का मंगलवार को मिनी स्टेडियम में शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में 11 जनपदों और स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून के लगभग 400 मुक्केबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव गोपाल सिंह खोलिया रहे। इससे पूर्व, मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और ऑफिशियल्स का स्वागत किया। यह प्रतियोगिता 10 अक्टूबर तक चलेगी, जिसमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं के मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दिन अंडर-14, 17, 19 बालक वर्ग और अंडर-17, 19 बालिका वर्ग के कई रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिसमें युवा मुक्केबाजों ने रिंग में दमखम दिखाया। देवेंद्र भट्ट, धर्मेंद्र बोरा, देवेंद्र जीना, मनोज सिंह, पुष्पा कार्की, दिनेश चंद्रा, कविता परिहार, राम सिंह जीना, रमेश चंद्र, पूरन पाण्डेय और मृणाल जीना निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। संचालन नवीन पाण्डेय द्वारा किया गया।

उत्तराखंड को हराकर चैंपियन बनी दिल्ली

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: आप्टिमम टेनिस एकेडमी, चूनाखान में आयोजित आईटीएफ मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट-200 में देशभर से आए खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में दिल्ली ने उत्तराखंड को हराकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। मंगलवार को सीनियर टेनिस के डबल्स इवेंट (45) में भारत के स्टार खिलाड़ी तुषार शर्मा व दिनेश नागपाल ने अमर जगाती व सुमित तिवारी को 6-1, 6-1 से हराया। 35 प्लस डबल्स क्वार्टरफाइनल में स्वर्णदीप सिंह ढोढी व फरीद उस्मानी ने अक्षय बिष्ट व भारत बंधाना को 6-0, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 55 प्लस सिंगल्स फाइनल में राज दत्त (दिल्ली) ने अमित जोशी (नैनीताल, उत्तराखंड) को 6-3, 6-0 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी जीती। 60 प्लस सिंगल्स में यशपाल अरोरा (मुरादाबाद, उप्र) ने अनिल कुमार (लखनऊ) को 4-6, 6-3, 10-7 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 65 प्लस सिंगल्स में राजेंद्र मेहता (उत्तराखंड) ने बी. हाथी (राजस्थान) को 6-1, 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान बनाया। 50 प्लस सिंगल्स फाइनल में योगेश कोहली (हरियाणा) ने यामीन अंसारी (दिल्ली) को 6-7, 6-3, 10-6 के सुपर टाई ब्रेक में पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। 45 प्लस सिंगल्स में पूनम सूद (दिल्ली) ने शीतल ठाकुर (रानीखेत, उत्तराखंड) को 6-3, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 55 प्लस डबल्स में अमित जोशी व सिवेश्वर सिंह (नैनीताल) ने हेम कुमार पांडे व भरत लाल को 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 45 प्लस सिंगल्स फाइनल में स्वर्णदीप सिंह ढोढी (दिल्ली) ने डीसी सुयाल (गुड़गांव) को 6-0, 6-0 से हराकर विजेता ट्रॉफी जीती। 65 प्लस सिंगल्स में हुकुम बिष्ट (देहरादून) ने राकेश कोहली (नोएडा) को 4-6, 6-2, 10-6 से सुपर टाई ब्रेक में हराया। अनिल निगम (दिल्ली) ने देवेन्द्र सिंह रावत (उत्तराखंड) को 6-2, 6-2 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। सचिव अविनीश रस्तोगी, मोहन सिंह बिष्ट, डीएनएस बिष्ट, रिटायर्ड आईजी बसंत वल्लभ जोशी, इंडिया होटल के ओनर राघवेंद्र साह, एसडी सती, एसबीआई चीफ मैनेजर कंचन लोहनी, एड. ललित बेलबाल आदि रहे।

कालाढूंगी में आयोजित टेनिस प्रतियोगिता के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

1.92 करोड़ की लागत से बनेगा मंदिर मार्ग

हल्द्वानी : जिले के पर्वतीय ब्लॉक रामगढ़ में 1.92 करोड़ से झूतिया थान देव से सैमधार मंदिर मार्ग का निर्माण किया जाएगा।

भाजपा विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि रामगढ़ ब्लॉक के ग्राम सभा झूतिया के थान देव-सैमधार-सैममंदिर-रैत खान मार्ग लंबे समय से बदतर हालत में था। मोटर मार्ग नहीं होने से ग्रामीणों को 5 किमी पैदल सफर तय करना पड़ता था। काश्तकार उत्पाद को मंडी लाने के लिए मुख्य मार्ग रामगढ़.तक घोड़ों में लाना पड़ता था। ग्रामीणों का धन और समय बर्बाद होता था। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की इस परेशानी को देखते हुए लोनिवि से इस मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए थे। प्रस्ताव शासन में पहुंचने के बाद सीएम धामी से इस मार्ग के लिए बजट की मांग की गई थी।

लीनस क्लब की ओर से आयोजित करवाचौथ कार्यक्रम के दौरान मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

लीनस क्लब की सौम्या बनीं तीज क्वीन

हल्द्वानी, अमृत विचार : ऑल इंडिया लीनस क्लब प्रयास की ओर से रामपुर रोड स्थित एक होटल में रंगारंग करवा चौथ कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की थीम - सजी हैं चूड़ियां, मुस्कान के संग रही। जिसमें पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने गीत-संगीत, नृत्य और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का आयोजन क्लब अध्यक्ष सोनू जोशी के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना कर अपने पतियों की दीर्घायु की कामना की। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर मनोरंजक खेलों तक सभी ने भरपूर आनंद लिया। इस मौके पर सौम्या को तीज क्वीन का ताज पहनाया गया, जबकि लता शर्मा फर्स्ट रनर-अप रहीं। महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा और सजावट ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर सीमा, सुशीला, निर्मला, रिचा, निधि, कमला, गीता, दीप्ति, रश्मि, मोनिका, रमा, भवानी, गंगा, नंदा समेत क्लब की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

हल्द्वानी में ज्वैलरों को सम्मानित करते मानक ब्यूरो के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

हल्द्वानी के तीन ज्वैलर्स किए सम्मानित

हल्द्वानी, अमृत विचार : भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से उत्कृष्ट मानक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वर्ण आभूषणों के व्यवसाय के लिए तीन व्यवसायियों को सम्मानित किया। सोमवार की देर रात रुद्रपुर के निजी होटल में हुए विश्व मानक महोत्सव में मानक ब्यूरो के निदेशक सौरभ तिवारी, उप निदेशक सचिन चौधरी एवं श्रीकांत मिश्रा ने गुणवत्ता युक्त स्वर्ण व्यवसाय के लिए हल्द्वानी के राजवंश ज्वैलर्स के स्वामी राजेश अग्रवाल, ओमकार ज्वैलर्स के स्वामी नवीन चन्द्र वर्मा, हाल मार्किंग सेंटर के स्वामी राजू पांवड़े को सम्मानित किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने किया। उन्होंने कहा कि मानक ब्यूरो के प्रयासों से भारतीय बाजार में गुणवत्ता युक्त सामग्री मिलने लगी है और हम अपनी दैनिक दिनचर्या में शुद्ध वस्तुओं का उपयोग करने लगे हैं।

पहल राज्य महिला उद्यमिता परिषद की अध्यक्ष रेनू अधिकारी ने किया उद्घाटन

पारंपरिक हस्तशिल्प कला कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला उद्योग केंद्र के तत्वावधान में आयोजित 25 दिवसीय हस्तशिल्प कला कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि रेनू अधिकारी, अध्यक्ष, राज्य महिला उद्यमिता परिषद ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विलुप्त हो रही पारंपरिक कलाओं को संरक्षण देना और नवोदित कलाकारों को स्वरोजगार से जोड़ना है।

जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक पल्लवी गुप्ता ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। इसके माध्यम से परंपरागत कलाओं का संरक्षण, प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम आयोजक व मास्टर ट्रेनर जीवन चंद्र जोशी ने बताया कि कार्यशाला में चीड़ के पेड़ की छाल (बगेट) से हस्तशिल्प निर्माण की पारंपरिक विधा सिखाई जा रही है। यह कला न केवल पर्यावरण अनुकूल है, बल्कि स्वरोजगार की दृष्टि से भी लाभकारी है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 35 सालों से इस कला को विभिन्न प्रदर्शनियों, मेलों और लघु कार्यशालाओं के माध्यम से जीवित रखने का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में सीसीआरटी नई दिल्ली से जुड़े गौरीशंकर कांडपाल ने प्रतिभागियों को केंद्र सरकार की संस्कृति मंत्रालय की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले भावी कलाकार इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने हुनर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इस मौके पर एनपी टम्टा, राजू सुयाल, निर्मला जोशी, हंसा जोशी, कमला, गणेश सुयाल सहित कई कला प्रेमी और प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के शुभारंभ में मौजूद राज्य महिला उद्यमिता परिषद की अध्यक्ष रेनू अधिकारी।

पंजाब नेशनल बैंक के राजभाषा समारोह में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

राजभाषा में काम करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य

हल्द्वानी : पंजाब नेशनल बैंक मंडल कार्यालय द्वारा राजभाषा समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हिंदी माह में आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि साहित्यकार स्मिता कर्नाटक, पीएनबी हल्द्वानी के मंडल प्रमुख सिद्धार्थ अधिकारी व हास्य कवि डॉ. वेद प्रकाश अंकुर ने किया। महिला स्टाफ सदस्यों ने मां सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मंडल प्रमुख सिद्धार्थ अधिकारी ने कहा कि, राजभाषा में काम करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य है। हमें दिन-प्रतिदिन के कार्यों में ज्यादा से ज्यादा राजभाषा का प्रयोग करना चाहिए। तकनीक के इस युग में राजभाषा में कार्य करना और सरल हो गया है। उन्होंने स्टाफ के सदस्यों को हिंदी की महत्ता, सरलता के बारे में बताया। कहा हम हिंदीभाषी राज्य के ग्राहकों के साथ बैंकिंग व्यवहार करते हैं इसलिए हमें अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए ताकि ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बन सकें। यहां उप मंडल प्रमुख संजीव पुरोहित व वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा अजय कुमार सिंह ने किया।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,8 अक्टूबर 2025

रुद्रपुर

किच्छा मंडी में बारिश में भीगते धान के बोरे। ● अमृत विचार

बारिश व तेज हवा के चलते बाजपुर के ग्राम शिवपुरी में इस तरह खेत में बिछ गई धान की फसल। ● अमृत विचार

मंडी के नाले में बही किसानों की फसल

नई मंडी समिति में किसानों की फसल पानी में डूबी। ● अमृत विचार

कासिम अंसारी, सितारगंज

अमृत विचार : नई मंडी समिति के फड़ पर सुखाने को रखी धान की फसल बरसात के पानी के साथ मंडी की नालियों में बह गई। इस घटना ने किसानों को चिंतित कर दिया है।

दीपावली पर घर रोशन करने की चाहत के साथ किसान फसल लेकर मंडी पहुंचे थे। लेकिन मंगलवार को आई तेज बारिश ने उनकी फसल को भिगाकर उनके सभी अरमानों पर पानी फेर दिया। हालांकि, किसानों ने अपनी फसल को बचाने के लिए तिरपाल का सहारा लिया था। लेकिन वह नाकाफी गुजरा। दड़हाफार्म निवासी किसान गुरसेवक सिंह ने बताया कि वह करीब 10 दिन पहले अपनी फसल को लेकर मंडी आया था। यहां बारदाना उपलब्ध न होने के कारण उसकी फसल की तौल नहीं हुई। वहीं, अब उसकी 9 एकड़ में लगाई गई फसल बरसात में भीगकर बर्बाद होने की कगार पर है। गांव नकहा निवासी किसान शमशेर सिंह ने बताया कि मंडी में उचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात में उसका करीब 400 क्विंटल धान भीग गया। गांव करघटिया निवासी किसान रणधीर बल ने बताया कि उनका भी 250 क्विंटल धान मंडी के फड़ पर पड़ा था। जो बरसात में भीगकर नष्ट होने की कगार पर है। वहीं, आरएफसी लता मिश्रा ने नई मंडी परिसर में स्थित दो क्रय-विक्रय केंद्र को तत्काल खोलने के निर्देश दिए।

बारिश और अंधड़ बनी धान की फसल के लिए आफत

किसानों को सताने लगी फसल खराब होने की चिंता, विगत देर रात्रि से तराई में हुई झमाझम बारिश, भारी नुकसान की आशंका

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई में हुई विगत रात्रि और सुबह के समय हुई बारिश खेतों में तैयार धान की फसल के आफत बन गयी है। इससे किसानों के माथे में चिंता की लकीरें पड़ने लगी हैं। किसानों को अब धान के खराब होने का डर सताने लगा है। अगर ऐसा हुआ तो किसानों को काफी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

यहां बता दें कि तराई में करीब एक लाख तीन हजार हेक्टेयर में धान की फसल बोई जाती है। जबकि एक लाख 29 हजार किसान इस खेती को करते हैं। वहीं एक अक्टूबर से तराई में धान की खरीद भी शुरू हो गयी है। धान की खरीद शुरू होने से कई किसानों ने अपना धान काटना भी शुरू कर दिया था। जबकि कई किसानों धान काटने की शुरुआत कर रहे थे तो बारिश शुरू हो गयी। किसान विक्रम जीत सिंह विर्क ने बताया कि बारिश से किसानों के खेतों में पानी भर गया है। इससे किसानों की फसल खराब होने की संभावना बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि कई किसानों ने अपना धान विक्रय के लिए रखा हुआ था, लेकिन बारिश ने इस धान को भी पूरी तरीके से भिगा दिया है। इससे किसानों को काफी नुकसान होने की उम्मीद है।

सुल्तानपुर पट्टी में भी किसानों की मेहनत पर फिरा पानी : सुल्तानपुर पट्टी: सोमवार और मंगलवार को तेज हवा और हुई बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। खेतों में जहां धान की फसलें पककर तैयार थीं, वहीं कई जगहों पर कटाई का काम शुरू हो चुका था। लेकिन अचानक बदले मौसम ने किसानों की उम्मीदों पर बड़ा झटका दिया। तेज हवा और बारिश से खेतों में पानी भर गया, जिससे फसलें जमीन पर बिछ गईं।

बारिश के चलते बाजपुर अनाज मंडी में भीगीं धान की बोरियां।

बारिश से किसानों को हुआ भारी नुकसान

बाजपुर : सोमवार की रात्रि से मंगलवार सुबह तक हुई बारिश ने बाजपुर विकासखंड के किसानों को गहरा झटका दिया है। भारी बरसात से खेतों में पकी हुई धान की फसल बुरी तरह गिर गई है। कई खेतों में पानी भर जाने से कटाई कार्य ठप पड़ा है। वहीं जिन किसानों ने किसी तरह फसल काट भी ली है, उन्हें मंडियों में उचित भाव नहीं मिल पा रहा है। बारिश के चलते अनाज मंडी परिसर में खुले में रखीं व्यापारियों की धान की बोरियां भी भीग गई हैं। किसानों ने बताया कि धान की बालियां गिरने से दाने खेतों में ही झड़ रहे हैं। खेतों में पानी भरे होने से कटाई और निकासी दोनों मुश्किल हो गई हैं। बारिश से धान में नमी बढ़ जाने के कारण मंडियों में सरकारी मूल्य से 25 से 30 प्रतिशत तक कम रेट मिल रहा है। इतना ही नहीं कुछ किस्मों की धान की खरीद मंडियों में की ही नहीं जा रही है, जिससे किसानों में रोष है। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा और किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि बरसात की मार झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जाए, ताकि किसानों को कुछ आर्थिक सहारा मिल सके।

तेज बारिश एवं हवाओं ने बढ़ाई किसानों की चिंता

शक्तिफार्म : शक्तिफार्म क्षेत्र में बीते दो दिनों से चल रही तेज़ हवाओं के साथ बारिश ने किसानों की नींद उड़ा दी है। हवाओं के झोंकों के साथ बारिश ने धान और सब्ज़ियों की फसलों को, नुकसान पहुंचने का खतरा पैदा हो गया। स्थानीय किसान अमल मंडल ने कहा कि बड़ी मेहनत से फसल तैयार की है, अब जब कटाई का समय आ गया है, तो मौसम डराने लगा है। किसान मनोरंजन सरकार ने कहा कि, धान की फसल कटाई के लिए तैयार है, लेकिन खेतों में पानी जमा होने एवं तेज़ हवाओं के कारण वे कटाई शुरू नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में फसल गिरने का खतरा और बढ़ गया है।

देर रात तक किच्छा में डटी रहीं संभागीय खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा

किच्छा : कृषि उत्पादन मंडी समिति में दर्जनों किसानों की धान की फसल भीगने की सूचना से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। कई किसानों की धान की फसल भीग जाने की सूचना पर संभागीय खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा सहित तमाम विभागीय अधिकारी किच्छा मंडी पहुंच गए। किसानों की समस्या के निस्तारण के लिए देर रात तक संभागीय खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा अधिकारियों के साथ मंडी में डटी रही और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान खाद्य नियंत्रक लता मिश्रा ने मंडी परिसर का निरीक्षण किया और पीड़ित किसानों से वार्ता करने के बाद राइस मिल संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि बुधवार की सुबह तड़के से तोल शुरू हो जानी चाहिए और किसानों को किसी प्रकार की धान तुलाई को लेकर समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किच्छा में पीड़ित किसानों से जानकारी लेते विधायक तिलक राज बेहड़।

विधायक बेहड़ ने पीड़ित किसानों का जाना दर्द

किच्छा : लगातार हुई मूसलाधार बारिश के बाद कृषि उत्पादन मंडी समिति मैदान में खुले में रखी किसानों की बर्बाद हुई धान की फसल का मौका मुआयना करते हुए कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ ने प्रशासन पर लापरवाही सहित तमाम आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने पीड़ित किसानों से वार्ता कर उनका दुख दर्द साझा किया। विधायक बेहड़ ने आरोप लगाया कि कई दिनों से मंडी समिति में तोल न होने के चलते जल भराव होने से किसानों का लाखों का नुकसान होने के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। विधायक बेहड़ ने घोषणा करते हुए कहा कि समय पर धान तुलाई और समय पर भुगतान की मांग को लेकर उनके द्वारा पीड़ित किसानों और कार्यकर्ताओं के साथ मंडी समिति किच्छा में बुधवार की सुबह 11:30 बजे धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मंगलवार की सुबह तमाम कार्यकर्ताओं के साथ विधायक बेहड़ नई मंडी परिसर पहुंचे और किसानों से वार्ता कर उनकी पीड़ा सुनी। विधायक बेहड़ ने मंडी परिसर का निरीक्षण कर धान की फसल के हुए नुकसान का जायजा लिया। विधायक बेहड़ ने जिला प्रशासन पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार द्वारा समय पर किसानों को खाद उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके चलते किसानों को बड़ा नुकसान झेलने को मजबूर होना पड़ा। बावजूद इसके अब किसान जब अपनी धान की फसल लेकर मंडी पहुंचा है, तो यहां प्रशासन द्वारा किसानों को परेशान किया जा रहा है।

आंधी-बारिश से विद्युत विभाग को 12 लाख का नुकसान

खटीमा : बीती रात्रि और मंगलवार सुबह तेज अंधड़ के साथ हुई वर्षा से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। किसानों की पकी हुई धान और गन्ने की फसल तेज हवाओं से लेट गई है। विद्युत विभाग के पोल, विद्युत लाइन और ट्रांसफार्मर धराशायी हो गए। इससे 12 लाख के नुकसान का आंकलन किया गया है। विकासखंड में सोमवार शाम तेज आंधी और बारिश से जहां सबसे अधिक नुकसान किसानों को हुआ है। जिनकी धान और गन्ने की फसल गिर गई है। विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी अंबिका यादव ने बताया कि आंधी और बारिश से तीन ट्रांसफार्मर, 18 विद्युत पोल और करीब 400 मीटर विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। उन्होंने बताया कि करीब 12 लाख से अधिक नुकसान हुआ है। उपखंड अधिकारी यादव ने बताया कि अधिकांश क्षेत्रों की आपूर्ति तीन से पांच घंटे में दुरुस्त कर दी गई है। उन्होंने बताया कि चकरपुर, पहेनियां और पटपुरा की आपूर्ति 12 घंटे तक ठप रही है। किसान नेता प्रकाश तिवारी ने कहा कि किसानों की धान और गन्ने की फसल को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने नुकसान का आंकलन कर किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। जीआईसी स्थित मौसम केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला ने बताया कि रात्रि में 22 मिमी वर्षा हुई और दिन में संभवत: 15 से 20 मिमी वर्षा हुई है। उन्होंने कहा कि इससे फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

शांतिपुरी में बेमौसमी बारिश के बाद खेतों में जलमग्न हुई धान की फसल।

शांतिपुरी क्षेत्र में धान को भारी नुकसान

शांतिपुरी : शांतिपुरी क्षेत्र में बीते दो दिनों से लगातार हो रही बेमौसमी बरसात ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। बरसात के चलते क्षेत्रभर में धान की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। यहां अगेती धान की फसलें कई स्थानों पर कट चुकी थीं, जबकि पछेती धान की फसल पकने के कगार पर थी। इसी बीच हुई लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया, जिससे धान की फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। कई स्थानों पर कटी हुई फसलें मड़ाई न हो पाने के कारण सड़ने लगी हैं। वहीं, खेतों में खड़ी फसलों का झुक जाना और पानी में डूब जाना किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। क्षेत्र के किसान जवाहर नगर निवासी प्रकाश मनराल, राकेश मनराल, शांतिपुरी नंबर एक मनोज चंदोला, दिनेश कांडपाल और शांतिपुरी नंबर दो के प्रकाश सिंह दानू सहित दर्जनों किसानों ने बताया कि उनकी सैकड़ों एकड़ धान की फसल जलमग्न होकर बर्बाद हो चुकी हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि खेतों का सर्वे कर नुकसान का आकलन किया जाए और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए।

किसानों को 25 हजार रुपये एकड़ मुआवजा मिले

पंजाब सरकार की तर्ज पर उत्तराखंड के किसानों को भी 25 हजार रुपये एकड़ मुआवजा मिले। किसान नेता एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने कहा कि उत्तराखंड में पहले से महंगी रासायनिक खाद, दवाइयां एवं बढ़े हुए बिजली की दरों से परेशान किसानों पर पड़ी बेमौसमी बारिश की मार को असहनीय बताया है।

बारिश ने खोली निगम की पोल

मुख्य बाजार में अंबेडकर पार्क के पास सड़क पर भरा पानी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सोमवार की देर रात्रि और मंगलवार की सुबह हुई झमाझम बारिश से शहर में नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खुल गयी है। बारिश से जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गयी है। वहीं जलभराव की सूचना पर नगर आयुक्त नरेश चंद्र दुर्गापाल टीम के साथ मुख्य बाजार पहुंचे और पानी की निकासी करायी। सोमवार की देर रात्रि तराई में जोरदार बारिश हुई थी। वहीं मंगलवार की सुबह से हुई तेज बारिश के बाद शहर के डीडी चौक, आवास विकास, अग्रसेन चौक, अम्बेडकर पार्क, रोडवेज स्टेशन के पास जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गयी। इस बीच व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा भी मुख्य बाजार पहुंचे और इसकी इसकी जानकारी नगर आयुक्त को दी। इसके बाद उन्होंने नगर आयुक्त टीम के साथ मुख्य बाजार पहुंचे।

तराई में 62.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड

रुद्रपुर : जीबी पंत विवि के प्रभारी मौसम वैज्ञानिक डॉ. एएस नैन ने बताया कि तराई में 62.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गयी है। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी बारिश की संभावना है। उन्होंने बारिश से तापमान में भी गिरावट आयी है। इस कारण तराई का अधिकतम तापमान 25.9 और न्यूनतम तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि बारिश से धान की फसल को नुकसान पहुंच सकता है।

दिनेशपुर में भी फसल नष्ट होने की कगार पर

दिनेशपुर में तेज हवा के साथ आई बारिश से जमीन पर गिरी धान की फसल।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: अचानक आई तेज हवा के साथ बारिश से जहां जनजीवन अस्त- व्यस्त हो गया है। वही विगत दो दिनों से रुक रुक कर मूसलाधार बारिश से तैयार धान की फसल जमीन पर गिर कर जलमग्न होकर नष्ट होने की कगार पर है। इधर किसानों को अनाज मंडी में धान का समर्थन मूल्य न मिलने से किसान चिंतित दिख रहा है।

विगत दो दिन से अचानक तेज हवा के साथ आई मूसलाधार बारिश से कूल्हा, मदनापुर, खटोला, श्रीरामपुर, विजयनगर व जयनगर में कई एकड़ तैयार धान की फसल जमीन में गिरकर जलमग्न हो गई है। किसानों का कहना है कि पूर्व में गेहूं, लाई व मटर की फसलें बारिश होने से काफी मात्रा में नष्ट हो गई थी। राजीव गांधी पंचायत राज संगठन जिलाध्यक्ष किसान नेता जगदीप सिंह विर्क ने कहा कि विगत तीन वर्षों देवी आपदा के चलते लगातार किसानों को काफी मात्रा में नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिससे किसान बैंक, सहकारी समिति व आढ़तियों से लिया ऋणों की अदायगी नहीं कर पा रहा है। विर्क ने प्रशासन से किसानों के लिए क्षेत्र में धान का केंद्र खुलवाने और अनाज मंडियों में किसानों को समर्थन मूल्य दिलवाले की मांग की। वर्क ने शासन-प्रशासन से एक अक्टूबर से खुले क्रय केंद्रों व अनाज मंडियों में प्रशासनिक अधिकारी की निगरानी में धान खरीद करवाने और किसानों को धान का समर्थन मूल्य दिलवाले की अपील की।

बाजपुर की अनाज मंडी में एसएमआई के क्रय केंद्र पर धान तौल करते श्रमिक।

क्रय केंद्र पर दो किसान धान लेकर पहुंचे

बाजपुर : बाजपुर क्षेत्र में धान क्रय केंद्रों पर धान खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अनाज मंडी में एसएमआई के अधीन क्रय केंद्रों पर मंगलवार को ट्रैक्टर-ट्राली में अपना करीब 100 क्विंटल धान लेकर पहुंचे ग्राम बांसखेड़ी निवासी गुरमीत सिंह ने धान की तौल करवाई। इससे पहले सोमवार को दोपहर बाद गांव बाजपुर के किसान कुलवंत सिंह ने 105 क्विंटल धान की तौल करवाई थी। क्रय केंद्र प्रभारी ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर ही धान की खरीद की जा रही है। अभी दो किसान अपनी उपज लेकर क्रय केंद्र पर पहुंचे हैं। मौसम खराब होने की वजह से धान की आवक अभी पूर्ण रूप से नहीं हो पा रही है। बारिश के चलते किसानों की फसल को नुकसान भी हुआ है।

अखिल भारतीय किसान मेले की तैयारियां हुईं तेज

संवाददाता, पंतनगर

डॉ. मनमोहन सिंह चौहान।

अमृत विचार: गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि 10 से 13 अक्टूबर तक 118वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारियों जोरशोर से चल रही हैं। मेले का उद्घाटन राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह करेंगे, जबकि कृषि मंत्री गणेश जोशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. चौहान ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि उद्घाटन समारोह गांधी हाल में आयोजित होगा। इसके बाद अतिथि मेला प्रांगण का भ्रमण करेंगे और किसानों को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान मेले में विशेष आकर्षण स्मार्ट एवं डिजिटल कृषि, नवाचार और स्टार्टअप पर आधारित विद्यार्थियों के मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इन नवाचारों से प्रेरणा लेकर छात्र भविष्य में उद्यमी बनने और रोजगार सृजन करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही मेले में मशरूम चाय भी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ.संजय चौधरी ने बताया कि मेले में देशभर से 200 से अधिक बड़े स्टॉल धारक पंजीकृत हो चुके हैं।

कार्यशाला | आगामी त्योहारों में दें स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी को प्राथमिकता, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला में दी जानकारी

स्वदेशी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भाजपा के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वदेशी मूल्यों, स्थानीय उद्योगों और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने की गंभीर जरूरत पर जोर दिया। इस दौरान जिला एवं मंडल स्तर के सभी पदाधिकारियों को स्वदेशी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में सांसद अजय भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप बिष्ट, जिला प्रभारी राकेश नैनवाल, सह प्रभारी साकेत अग्रवाल, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, महापौर विकास शर्मा और दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य वक्ताओं ने आगामी त्योहारों दिवाली, भैया दूज, गोवर्धन पूजा, छठ आदि में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी को प्राथमिकता देना चाहिए। इससे न केवल भारत की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि देश में बने उत्पादों की मांग बढ़ेगी। मुख्य वक्ता प्रदीप बिष्ट ने कहा कि स्वदेशी अभियान भारत को नंबर वन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। जो सपना प्रधानमंत्री मोदी ने देखा है उसे हम सब मिलकर साकार करेंगे। घर-घर स्वदेशी, हर घर स्वदेशी यही हमारी सोच होनी चाहिए। जो कुछ भारत में निर्मित हो या भारतीय उद्यमियों द्वारा उत्पादित हो, वही स्वदेशी कहलाए। हम सभी नागरिकों को जागरूक करेंगे कि वे स्वदेशी वस्तुओं को ही प्राथमिकता दें। जिला प्रभारी राकेश नैनवाल ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जन-जन में आत्मनिर्भरता की भावना फैलाना है।

सांसद अजय भट्ट का स्वागत करते जिलाध्यक्ष कमल जिंदल। ● अमृत विचार

क्षेत्रीय उत्पादों को पहुंचाएं बाजार तक: भट्ट

रुद्रपुर : सांसद अजय भट्ट ने कहा कि आत्मनिर्भरता सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को नित नवीन प्रयासों के लिए प्रेरित किया और कहा कि क्षेत्रीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की रणनीति पर जोर देना होगा।

संगठन को मजबूती के साथ खड़ा करना समय की मांग

रुद्रपुर : जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने कहा कि संगठन को मजबूती के साथ खड़ा करना समय की मांग है। यदि पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक स्तर पर सक्रिय हों और स्थानीय जरूरतों और उत्पादन को जोर दें तो आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार तैयार हो जाएगा।

प्रशासन को देना चाहिए स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने कहा कि नगर योजना और स्थानीय प्रशासन को स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि नगर स्तर पर उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा मिलेगा तो ग्रामीण-शहरी दूरी घटेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

ये पदाधिकारी रहे मौजूद

जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, महापौर विकास शर्मा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, अनुसूचित जनजाति प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा नेत्रपाल मौर्या, हज कमेटी के चेयरमैन खातिव अहमद, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेक सक्सेना, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, रमेश जोशी, जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष शालिनी बोरा, जिला उपाध्यक्ष इंदरपाल सिंह मान, जिला उपाध्यक्ष अमित पांडेय, जिला मंत्री प्रमोद मित्तल, जिला मंत्री अक्षय अरोरा, मीडिया संयोजक विजय तोमर मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

6.33 ग्राम स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार

खटीमा : कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान एक व्यक्ति को 6 .33 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया। बाजार चौकी प्रभारी पंकज सिंह महर टीम के साथ कंजाबाग क्षेत्र में गश्त पर थे। उसी दौरान उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। टीम ने पास आते ही जब उसे रोका तो उसने पुलिस देख भागने का प्रयास किया लेकिन उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने स्वयं को वार्ड संख्या 12, इस्लामनगर निवासी नाहिद खां बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से 6 .33 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया। पुलिस टीम में शाहनवाज, नवीन खोलिया शामिल रहे। बाजार चौकी प्रभारी पंकज सिंह महर ने कहा है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। शीघ्र ही और भी आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

चौथे दिन भी कंकाल की नहीं हुई शिनाख्त

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शनिवार को ब्लॉक रोड स्थित खाली भूखंड में मिले नरकंकाल आखिरकार चौथे दिन भी अपनी पहचान होने के लिए तरसता रहा। डीएनए जांच को भेजे जाने के बाद अब पुलिस ने सीमावर्ती यूपी के थानों में फोटो भेज कर शिनाख्त किए जाने का प्रयास किया है। अब देखना यह है कि पुलिस का प्रयास कितना कारगर साबित होगा।

बताते चलें कि शनिवार की दोपहर को कोतवाली इलाके के ब्लॉक रोड स्थित खाली पड़े भूखंड में एक नरकंकाल पड़ा हुआ था। जो कि 10 से 15 दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। शव के समीप ऐसी कोई भी वस्तु नहीं मिली थी। जिससे उसकी पहचान करना संभव

● तो क्या महज भूखंड का किया इस्तेमाल,सीमावर्ती यूपी थानों को भेजी फोटो

हो। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को हल्द्वानी डीएनए जांच को भेज दिया था। नर कंकाल पड़े होने के चौथे दिन बाद भी रंपुरा चौकी पुलिस के हाथ खाली हैं और अभी तक किसी भी प्रकार का सुराग नहीं मिला। जिसके जरिए नर कंकाल को उसका वास्तविक नाम दिया जा सके। अपनी तफ्तीश एवं शिनाख्त को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने बिलासपुर, रामपुर, बहेड़ी व बरेली सहित सीमावर्ती यूपी के थाना-चौकियों में नर कंकाल की फोटो भेज दी है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या शव बाहरी प्रदेश या जिले का है। महज हत्या कर शव फेंक दिया है।

रुद्रपुर में मानक महोत्सव का भव्य आयोजन, उद्योग जगत, व्यापारी, शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपनाने का आह्वान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विश्व मानक दिवस-2025 के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देहरादून शाखा की ओर से मानक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान उद्योग जगत, व्यापारिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मंगलवार को नैनीताल रोड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने कहा कि मानक किसी भी उत्पाद की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का आधार होते हैं। उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपनाएं और भारतीय उत्पादों को

मानक महोत्सव में मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट का स्वागत करते लोग। ● अमृत विचार

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएं। बीआईएस की ओर से रजत की हॉलमार्किंग में एचयूआईडी प्रणाली को शामिल करने के निर्णय की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह कदम भारतीय आभूषण उद्योग की पारदर्शिता बढ़ाएगा और उपभोक्ताओं के विश्वास को मजबूत करेगा। बीआईएस के प्रमुख एवं निदेशक सौरभ तिवारी ने बताया कि विश्व मानक दिवस-2025 की थीम सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-17) लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी है। उन्होंने कहा कि बीआईएस मानकीकरण के माध्यम से उद्योग, उपभोक्ता और सरकार के बीच साझेदारी को सुदृढ़ कर रहा है, जिससे सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। इससे पूर्व बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब के विद्यार्थियों ने भी मंच पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें सरस्वती वंदना, समूह नृत्य, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानकों के महत्व और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक जिला उद्योग विपिन कुमार, सिडकुल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीकर सिन्हा, सितारगंज एसोसिएशन के अध्यक्ष केसी सत्यावली, यूपी-यूके प्लाई एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष नवीन वर्मा समेत 150 से अधिक प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ठुकराल-मोहित आए आमने-सामने

बोले ठुकराल-हो सकती है मेरी हत्या, पांच अक्टूबर को हुआ था हमला, पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने अपनी हत्या की आशंका जताते हुए रंपुरा चौकी में तहरीर सौंपी है। इसके साथ ही एक बार फिर शहर की राजनीति में उबाल आ गया है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से भी एक युवक ने ठुकराल पर हाथापाई करने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंगलवार को पूर्व एमएलए ठुकराल ने बताया कि 5 अक्टूबर को वह रंपुरा बस्ती में अपने भाई संजय ठुकराल के साथ धार्मिक अनुष्ठान में गये थे। शाम को खबर मिली कि कुछ युवक ड्राइवर के साथ हाथापाई व अभद्रता करते हुए गाड़ी में हाथ मार रहे हैं। जब वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। ड्राइवर राजू गुप्ता ने 5 अक्टूबर को ही तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। ठुकराल ने आशंका जताई कि सत्ताधारी नेताओं के संरक्षण में इलाके के कुख्यात बदमाश के दम पर उनकी हत्या की साजिश हो रही है। उधर दूसरी ओर वार्ड-22 के रहने वाले मोहित कोली का आरोप था कि 5 अक्टूबर की शाम को धार्मिक अनुष्ठान के बाद पूर्व एमएलए ठुकराल, उनके भाई संजय ठुकराल व राजू गुप्ता नाम के युवक ने अभद्रता, हाथापाई और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। जिसके बाद से वह भयभीत है और जानमाल का खतरा बना हुआ है। साथ ही धमकाया कि वह राजनीतिक व्यक्ति है और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। पूर्व एमएलए व पीड़ित युवक ने रंपुरा चौकी जाकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया।

चौकी के बाहर खड़ा पीड़ित परिवार। ● अमृत विचार

समर्थकों के साथ चौकी पहुंचे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

ठुकराल व ड्राइवर ने दीं दो तहरीरें

रुद्रपुर : 5 अक्टूबर को हुए विवाद के बाद जहां ड्राइवर राजू गुप्ता द्वारा घटना के दिन ही पुलिस बुलाकर घटना की जानकारी दी। वहीं तहरीर देकर घटना से अवगत कराया। चालक का कहना था कि हमलावर बस्ती के ही थे और आपराधिक प्रवृति गिरोह से जुड़े हैं। वहीं पूर्व एमएलए ने अपनी हत्या की आशंका जताते हुए दो युवकों का नाम लिया। जिन पर आपराधिक मुकदमे पंजीकृत होने और स्थानीय सत्ताधारी नेता का संरक्षण होने का आरोप लगाया। साथ ही आशंका जताई कि 5 अक्टूबर की रात्रि को विवाद करना हत्या की एक साजिश हो सकती है।

चुनाव नहीं लड़ाने पर निकाली खुन्नस

रुद्रपुर : शिकायतकर्ता मोहित कोली का कहना था कि वह भाजपा का कार्यकर्ता है और वर्ष 2022 में भाजपा से टिकट कटने के बाद पूर्व विधायक ठुकराल निर्दलीय ही चुनाव लड़े थे। जब ठुकराल को चुनाव लड़ाने से इनकार किया तो ठुकराल रंजिश रखने लगे और 5 अक्टूबर को खुलेआम भीड़ के सामने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग व दोनों भाइयों ने थप्पड़बाजी कर बेइज्जत किया। चुनावी खुन्नस को निकाला गया है।

ठुकराल ने खोले दो युवकों के नाम

रुद्रपुर : अपने इंटरव्यू में पूर्व एमएलए राजकुमार ठुकराल ने दूसरी तहरीर में उन साजिशकर्ताओं के नामों का खुलासा किया। जिनके इशारे पर आपराधिक षड्यंत्र रच रहे हैं। बताया कि एक स्थानीय सत्ताधारी जनप्रतिनिधि का भतीजा है जो कि आजीवन सजायाफ्ता है और अदालत के आदेश पर फिलहाल बाहर घूम रहा है। दूसरा आरोपी युवक पूर्व मेयर एवं भाजपा नेता का सगा भाई है। जिनके खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास जैसे मुकदमा पंजीकृत है। आगाह किया कि यदि हत्या होती है तो सामने आए नाम ही करवा सकते हैं।

पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और युवक मोहित कोली की ओर से शिकायती पत्र चौकी देने का मामला संज्ञान में है। दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी लगाए। चौकी प्रभारी रंपुरा को जांच का आदेश दिया गया है। जांच के बाद जो भी पक्ष दोषी पाया जाता है तो पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी। साथ ही ठुकराल की तहरीर में साजिशकर्ताओं की भूमिका की भी जांच होगी। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। -**प्रशांत कुमार**, सीओ सदर

एक माह के लिए बढ़ी रजिस्ट्रेशन की अवधि

काशीपुर: महापौर दीपक बाली ने ई-रिक्शा चालकों के अनुरोध पर नगर निगम में कराये जाने वाले रजिस्ट्रेशन की अवधि एक माह के लिए बढ़ा दी है। कहा कि रजिस्ट्रेशन कराने के लिए केवल यह अंतिम मौका है, इस अवधि में ई-रिक्शा चालक अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें, क्योंकि उसके बाद कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी और रिक्शा चालक बीते दिन महापौर से मिले थे और एक ज्ञापन देकर कहा था कि रिक्शा चालक लगातार नगर निगम में रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं, काफी रजिस्ट्रेशन हो भी चुके हैं। लेकिन नगर निगम द्वारा रिक्शा चालकों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 24 सितंबर से 8 अक्टूबर तक की जो समय सीमा दी गई थी वह बहुत कम है। इस समय त्योहारों का समय चल रहा है और बरसात भी है। जिस कारण रिक्शा चालकों को रजिस्ट्रेशन कराने में परेशानी आ रही है। इसलिए इस अवधि को एक माह के लिए और बढ़ा दिया जाए। महापौर ने ई-रिक्शा चालकों की समस्याओं को देखते हुए एक माह की अवधि 8 नवंबर तक बढ़ा दी है।

भगवान वाल्मीकि के बारे में अपशब्दों से रोष

काशीपुर के कोतवाली परिसर में प्रदर्शन करते वाल्मीकि समाज के लोग।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: भगवान वाल्मीकि के बारे में अपशब्दों का प्रयोग किये जाने से वाल्मीकि समाज में रोष व्याप्त हो गया है। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा द्वारा इस मामले में बांसफोड़ान पुलिस चौकी में तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई है।

मंगलवार को कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया कि सुबह भगवान वाल्मीकि के बारे में फेसबुक के माध्यम से कुंडेश्वरी निवासी एक युवक के द्वारा गलत शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे वाल्मीकि समाज में रोष है। मांग की गई कि आरोपी के विरुद्ध एससी-एसटी के तहत कानूनी कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया जाए, अन्यथा वाल्मीकि समाज सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगा। इस दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय बन्नू ने कहा कि जहां एक ओर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकार के मुखिया आमजन से वाल्मीकि प्रकट दिवस धूमधाम से मनाने और घरों व दुकानों में दीप प्रज्वलित करने का आह्वान कर रहे हैं। वहीं काशीपुर में फेसबुक पर भगवान वाल्मीकि के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया जाना अति निंदनीय है। कहा कि पुलिस को आरोपी पर कार्रवाई करनी चाहिए। इधर, महेन्द्र बेदी ने भी प्रकरण की निंदा करते हुए कहा कि भगवान वाल्मीकि का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां विनय चौधरी, विनोद कुमार, हरकेश चौधरी, मोनू प्रधान, आरबी सिंह आदि मौजूद रहे।

हाईवे पर स्टेयरिंग फेल होने से पलटी कार, युवती की मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: हाईवे पर जा रही कार का स्टेयरिंग फेल होने से कार पलट गई। कार में सवार एक युवती की मौत हो गई, जबकि अन्य चार लोग घायल हो गए। जिसमें से एक अन्य युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रुद्रपुर खेड़ा वार्ड नंबर-5 निवासी नौबत राम की इकलौती बेटी ज्योति कश्यप (25) बीती 6 अक्टूबर की सुबह अपनी मौसी अन्नू कश्यप (35), मौसेरे भाई राज कश्यप (16), बहन वंदन कश्यप (13) व चचेरे भाई करन कश्यप (22) के साथ रुद्रपुर से जसपुर रिश्तेदारी में कार से आई

● कार में सवार एक युवक की हालत बनी हुई है नाजुक

ज्योति (फाइल)।

थी। ज्योति कश्यप के भाई दीपक कश्यप ने बताया कि मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे वह लोग कार से रुद्रपुर के लिए निकले थे। कार उसका भाई करन कश्यप चला रहा था। रूद्रपुर-हरिद्वार हाईवे पर बल्ली ढाबा के पास अचानक कार का स्टेयरिंग फेल होने पर उसने हैंड ब्रेक लगाया तो कार सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गयी। चीख-पुकार मचने पर आसपास लोगों ने बमुश्किल पलटी से कार से लोगों को बाहर निकाला और सरकारी अस्पताल भेज दिया। ज्योति कश्यप व अन्नू कश्यप की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना में घायल ज्योति कश्यप की मौत हो गई। जबकि अन्नू कश्यप का मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि अन्य घायलों का प्राथमिक इलाज करके भेज दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया और परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए।

फरार आठ अभियुक्तों के घर होगा नोटिस चस्पा

रुद्रपुर : राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव में हुई गोलीबारी के फरार आठ अभियुक्तों के खिलाफ अदालत से 82 नोटिस चस्पा की अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने अभियुक्तों की धरपकड़ की कार्रवाई भी तेज कर दी है। जल्द ही घर पर नोटिस चस्पा कर कुर्की भी कर सकती है। बताते चलें कि 24 सितंबर की दोपहर को नैनीताल-रामपुर हाईवे डिग्री कॉलेज के सामने छात्रसंघ चुनाव नामांकन के दौरान अध्यक्ष पद के दावेदार रहे नागेंद्र व रजत समर्थकों में विवाद के बाद गोलीबारी की घटना हुई थी। एसएसआई नवीन बुधानी की जुबानी फर्द के आधार पर पुलिस ने 15 अभियुक्तों को नामजद किया था और कुछ ही दिनों बाद गगन रतनपुरिया सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इसमें जस्सी कचूरा, मनप्रीत उर्फ गोपी, चेतन मांगड़, अमृत चीमा, विक्रम, पार्षद जानी भाटिया, हेमंत उर्फ नोनू मिश्रा, आकाश यादव, आशीष यादव फरार हो गए थे।

लमरा गांव में अतिक्रमण पर चली जेसीबी

● ध्वस्त किया निर्माण, राजस्व विभाग को सौंपा कब्जा

● नगर निगम, सिंचाई विभाग, राजस्व विभाग की टीम पहुंची

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम, सिंचाई विभाग, राजस्व विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने गांव लमरा में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चालाया। इस दौरान टीम ने एक हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाकर राजस्व विभाग को कब्जा दे दिया है। वहीं टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में खलबली मच गयी।

मंगलवार की एसडीएम मनीष बिष्ट, उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, तहसीलदार दिनेश कुटौला समेत सिंचाई और राजस्व विभाग की टीम लमरा राजस्व गांव पहुंची। यहां टीम ने जेसीबी से पहले अतिक्रमण को ध्वस्त किया। साथ ही अतिक्रमण की गई जमीन को अपने कब्जे में लिया। तहसीलदार ने बताया कि लमरा राजस्व गांव में कुछ लोगों के द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने की सूचना मिली थी। साथ ही यह भी पता चला था कि कई लोगों द्वारा जमीन पर निर्माण भी कराया जा रहा है।

सूचना के बाद संयुक्त टीम ने पहले गांव लमरा स्थित खसरा संख्या 123 की एक हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया और राजस्व विभाग ने अपना कब्जा किया। साथ ही बोर्ड लगाकर राजस्व भूमि घोषित की। वहीं नगर निगम की टीम ने ट्रांजिट कैंप इलाके में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने कई ठेली-फंड वालों को हटाया। कार्रवाई के दौरान कब्जा धारकों में हड़कंप मच गया। टीम की सख्ती देख व्यापारी खुद ही अपना सामान हटाने लगे।

लमरा गांव में अतिक्रमण ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

कार्रवाई | पुलिस फोर्स की मौजूदगी में कर्मचारियों को बाहर निकालने के बाद चस्पा किया नोटिस

बकाया भुगतान न करने पर बर्फ फैक्ट्री पर कब्जा

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में नैनीताल बैंक लिमिटेड से लिए गए लोन की अदाएगी न किए जाने पर बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में प्रशासन की टीम ने सरफेसी एक्ट - 2025 के तहत आसिफा इंडस्ट्रीज बर्फ फैक्ट्री को अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान बैंक के तमाम अधिकारियों सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

नैनीताल बैंक लिमिटेड द्वारा ग्राम कुरैया स्थित आसिफा इंडस्ट्रीज बर्फ फैक्ट्री को लाखों रुपये का ऋण दिया गया था तथा लोन की अदाएगी नहीं होने पर जिलाधिकारी उधम सिंह नगर के आदेश पर बैंक अधिकारियों एवं पुलिस फोर्स की मौजूदगी में फैक्ट्री को सीज कर अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार बैंक द्वारा दिए गए लोन की वसूली के लिए फैक्ट्री संचालक नगर निवासी हाजी इस्लाम कुरैशी को बार-बार नोटिस जारी कर ऋण अदा करने के निर्देश दिए गए थे, बावजूद इसके उनके द्वारा बकाया लोन जमा नहीं कराया गया। मंगलवार को नैनीताल बैंक के तमाम अधिकारियों सहित भारी संख्या में पुलिस कर्मियों की टीम ग्राम कुरैया स्थित आसिफा इंडस्ट्रीज बर्फ फैक्ट्री पहुंची और फैक्ट्री में मौजूद सभी कर्मचारियों को बाहर निकालने के पश्चात बैंक के अधिकारियों ने मुख्य द्वार को सीज कर दिया और फैक्ट्री को अपने कब्जे में ले लिया। नोटिस चस्पा के माध्यम से बैंक अधिकारियों ने जानकारी दी कि आसिफा इंडस्ट्रीज बर्फ फैक्ट्री पर करीब एक करोड़ रुपये से अधिक का ऋण बकाया चल रहा है, जिसकी अदाएगी ना होने पर प्रशासन ने बर्फ फैक्ट्री को अपने कब्जे में लिया है।

किच्छा में फैक्ट्री गेट को सीज करते अधिकारी। ● अमृत विचार

एआई से बनी तस्वीरों और वीडियो को बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

काशीपुर : एक महिला ने अपने पति पर एआई से उसकी अश्लील तस्वीरें व वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। वहीं आरोपी पति के जीजा पर संबंध बनाने का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। आरोपों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। काशीपुर निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर सौंपकर बताया कि उसके पति निवासी जिला बिजनौर यूपी ने मोबाइल से 14 जून को व्हाट्सएप पर अपमानजनक संदेश भेजे और बाद में उसकी एआई से जनरेट की गई नग्न तस्वीरें भेजकर उसे धमकाना शुरू कर दिया। बताया कि 18 जुलाई को काशीपुर कोर्ट परिसर के पास पति उसके पास आया और तीन अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर धमकी देने लगा कि मेरी बात नहीं मानी, तो तेरे नग्न फोटो वायरल कर देंगे। बताया कि उसी रात पति ने एक और आपत्तिजनक संदेश भेजा।

मेडिकल स्टोर में मिलीं प्रतिबंधित दवाएं

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कुमाऊं रेंज स्पेशल ऑपरेशन टास्क फोर्स और औषधि नियंत्रक विभाग की संयुक्त टीम ने एक मेडिकल स्टोर से प्रतिबंधित नशीली दवाओं के 1599 कैप्सूल बरामद किए। बनभूलपुरा और किच्छा के बाद, टीम ने अब काशीपुर में नशे के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्यवाही की है।

मंगलवार को आईजी कुमाऊं मंडल और स्वास्थ्य सचिव उत्तराखंड से मिले निर्देशों पर औषधि नियंत्रक विभाग की टीम, एसओटीएफ कुमाऊं परिक्षेत्र और काशीपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से आर्य नगर रोड, नियर पंत पार्क स्थित माता गर्जिया मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान टीम को मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुईं। जब्त की गईं दवाओं ट्रैमाडोल की 646 व अल्प्राजोलम की 953, कुल 1599 कैप्सूल बरामद की। पूछताछ के दौरान, मेडिकल स्टोर स्वामी सौरभ सारस्वत इन नशीली दवाओं के संबंध में कोई वैध अभिलेख या बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। वहीं, वैध दस्तावेज न मिलने और प्रतिबंधित दवाएं रखने के आरोप में आरोपी सौरभ सारस्वत के विरुद्ध टीम ने कोतवाली काशीपुर में एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही औषधि नियंत्रक विभाग ने भी अलग से आवश्यक विधिक कार्रवाई की है। टीम में वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार, औषधि निरीक्षक निधि शर्मा, एसओटीएफ कुमाऊं परिक्षेत्र टीम प्रभारी मौजूद रहे।

काशीपुर में मेडिकल स्टोर पर छापा मारती टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार,8 अक्टूबर 2025

सिटी ब्रीफ

कुबेर चुने गए शाखाध्यक्ष

काशीपुर : जल निगम, जल संस्थान मजदूर यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन कर कुबेर सिंह को शाखा अध्यक्ष चुना गया। सोमवार को देहरादून से पहुंचे जल निगम, जल संस्थान मजदूर यूनियन के प्रदेश महामंत्री चिरंजी लाल डोभाल एवं प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद कुमार दुबे के द्वारा शाखा के चुनाव सम्पन्न कराया गया। जिसमें कुबैर सिंह को शाखा अध्यक्ष, राकेश सैनी को शाखा उपाध्यक्ष, गोकुल सिंह को कोषाध्यक्ष और ज्योति को शाखा सचिव चुना गया। जबकि चंद्रा को शाखा ऑडिटर बनाया गया। चुनाव के बाद कर्मचारियों की समस्याएं सुनी गई।

नामांकन पत्रों की जांच पूरी हुई

खटीमा : खटीमा अधिवक्ता एसोसिएशन के चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच पूरी कर ली गई। अब बुधवार और वृहस्पतिवार को नाम वापस लिए जा सकेंगे। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच पूरी होने के बढ़ मुख्य चुनाव अधिकारी केडी भट्ट, जरनैल सिंह और इकबाल अहमद ने वैध प्रत्याशियों की सूची जारी की। इसमें अध्यक्ष पद पर रामबचन, सूरज प्रकाश और हरजीत सिंह, उपाध्यक्ष पद पर केके सिंह और मलकीत सिंह, महिला उपाध्यक्ष पद पर शहाना बेगम और स्नेह प्रभा, सचिव पद पर अवधेश कुमार और भारत पांडे, उपसचिव पद पर अनिकेत पंत और सुनीता भट्ट, कोषाध्यक्ष पद पर मो शाहनवाज सिद्दीकी और विमलेश कुमार, लेखा परीक्षक पद पर मधु राणा, पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर सीमा राणा के नामांकन पत्र सही पाए गए। वहीं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर जय पाल सिंह और नीशू सक्सेना, कनिष्ठ सदस्य पद पर सूरज साफी, मो इरशाद अली, सचिन राणा, अमित सिंह नेगी, पूजा अग्रवाल, अदिति और महिमा रानी ने नामांकन पत्र सही पाए गए।

शारदा नहर की जाली में फंसा मिला महिला का शव

खटीमा : लोहियाहेड पावर हाउस के पास शारदा नहर की जाली में महिला का शव अटका हुआ मिला। भूड़ निवासी तुलसी देवी सोमवार सुबह टुकटुक में सवार होकर लालकोठी की गई थी। लालकोठी पहुंचने के बाद महिला ने ई-रिक्शा चालक को 500 रुपये का नोट दिया, लेकिन चालक के पास टूटे नहीं थे। चालक रुपये वापस करने उनके घर पहुंचा तो परिजनों को महिला के लालकोठी जाने के बारे में जानकारी मिली। परिजनों ने महिला की खोजबीन शुरू की। पचौरिया मार्ग के पास शारदा नहर के किनारे महिला के चप्पल मिले। मंगलवार सुबह महिला का शव लोहियाहेड पावर हाउस स्थित शारदा नहर की जाली में अटका मिला।

वाल्मीकि जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

शक्तिफार्म में चेयरमैन सुमित मंडल ने हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा को किया रवाना, भीड़ उमड़ी

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : युवा वाल्मीकि कमेटी के तत्वावधान में वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान नगर में भगवान वाल्मीकि की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल ने वाल्मीकि मंदिर से हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में ऋषि वाल्मीकि, लव-कुश एवं शिव-पार्वती की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में शिव पार्वती का रूप धरे कलाकार धार्मिक गीत पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। इस दौरान युवाओं ने नगर में जमकर आतिशबाजी भी की। शोभायात्रा के पश्चात मंदिर में श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। इस मौके पर नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल, कांग्रेसी नेता नवतेज पाल सिंह, सभासद विक्रम सिंह भंडारी, देवाशीष पोद्दार, गोविंद पोखरिया, गोविंद सरकार, युवा वाल्मीकि कमेटी के नगर अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि, उपाध्यक्ष रवि वाल्मीकि, हरिओम वाल्मीकि, अमरपाल वाल्मीकि, रिंकू वाल्मीकि, विनोद वाल्मीकि, सोनू वाल्मीकि, विकास वाल्मीकि, सौरभ वाल्मीकि मौजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा में सजी भव्य झांकी। ● अमृत विचार

खटीमा में निकली वाल्मीकि जयंती महोत्सव यात्रा में शिरकत करते लोग।

जयंती पर निकाली महोत्सव यात्रा, जगह-जगह स्वागत

खटीमा : वाल्मीकि समाज द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती महोत्सव यात्रा धूमधाम से निकाली गई। वाल्मीकि मंदिर वार्ड नंबर 13 बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य चौक होते हुए चारों मुख्य मार्गों से होते हुए वाल्मीकि कॉलोनी में सम्पन्न हुई। यात्रा कमेटी अध्यक्ष नवल वाल्मीकि, कार्यक्रम सचिव राजीव कुमार राजू, कोषाध्यक्ष शुभम वाल्मीकि को नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी एवं पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज वाधवा द्वारा सम्मानित किया गया। यात्रा को उत्तरांचल पंजाबी महासभा और सर्राफा व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता रणदीप पोखरिया, शशांक वर्मा, प्रकाश आर्य, संतोष गौरव, रमेश ढींगरा, राजेश बतला, सूरज धामी, अनिल प्रजापति, करण यादव, जानू अरोड़ा, विवेक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नगर पंचायत कार्यालय में भी जयंती मनाई

सुल्तानपुर पट्टी : रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयंती मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत चेयरमैन राजीव कुमार सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके उपरांत महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन दर्शन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर सभासद जॉनी मौर्य, जाहिद हुसैन, सभासद प्रतिनिधि राजेश सैनी, संजीव बाल्मीकि, नितिन बाल्मीकि, राजू बाल्मीकि, सुनील वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

वाल्मीकि जयंती मनाते नगर पंचायत चेयरमैन।

किच्छा में महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति पर मल्यार्पण करते लोग। ● अमृत विचार

किच्छा में बुजुर्ग को किया गया सम्मानित

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में तमाम लोगों ने वार्ड नंबर 3, किशनपुर में वाल्मीकि समाज के लोगों के साथ भगवान महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता संजीव सिंह ने वाल्मीकि समाज के बुजुर्ग श्रीराम चंद्र को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर राकेश वाल्मीकि, महेंद्र बाल्मीकि, अजय बाल्मीकि, मोहित वाल्मीकि, तरुण वाल्मीकि, महेश वाल्मीकि सहित नवीन सिंह, ब्रह्मानंद पुरोहित, कमलेश दुबे, विशाल चौहान, धनंजय सिंह, मौजूद रहे। इधर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के तत्वावधान में नगर के आवास विकास स्थित पार्क में भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। नगर पालिका परिसर में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक नितिन चरण, भावधस के राष्ट्रीय संचालक धीरज मधुकर, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया, सरपंच राकेश कुमार वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

श्रीबालाजी महाराज की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

बन्नाखेड़ा में आयोजित हवन में आहूतियां अर्पित करते श्रद्धालु।

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : ग्राम बन्नाखेड़ा स्थित श्रीहनुमान मंदिर परिसर में पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का समापन मंगलवार को हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीबालाजी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर हवन यज्ञ के बाद दोपहर में भंडारे का आयोजन किया गया। हवन-यज्ञ में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आहूतियां अर्पित कर घर-परिवार में सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। पंडित अमित दत्तात्रेय ने धार्मिक अनुष्ठान के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं सोनू निगम नैनीताल उर्फ ओमप्रकाश ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बाजपुर में निकली शोभायात्रा में झांकियों ने मन मोहा

- श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया
- देवी-देवताओं की झांकियां खासा आकर्षण का केंद्र रहीं

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में देर सायं नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल मनोरम झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया।

मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि प्रकट उत्सव समिति के तत्वावधान में वार्ड-एक मझरा-प्रभु स्थित वाल्मीकि धर्मशाला के सामने से शोभायात्रा की शुरूआत हुई। मां श्रीदक्षिणेश्वरी सिद्ध कालीपीठ बाजपुर धाम मंदिर के मुख्य पुजारी महंत विकास नाथ महाराज ने फीता काट कर व दीप प्रज्वलित करके शोभायात्रा प्रारंभ करवाई।

इस दौरान संस्था की ओर से अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। शोभायात्रा में शामिल विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां खासा आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा मेन रोड, गुरुद्वारा साहिब से चीनी मिल रोड, रामराज रोड से होते हुए पुनः वाल्मीकि धर्मशाला में पहुंच कर संपन्न हुई। अनेक स्थानों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

इस मौके पर संस्था के संरक्षक रंजीत लाल प्रेमी, अध्यक्ष अशोक कुमार, महामंत्री अनिल वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष विनोद वाल्मीकि, चंद्रजीत प्रेमी, प्रमोद राजहंस, रंजीत लाल प्रेमी, राजू वाल्मीकि, रिंकू वाल्मीकि, इंद्रजीत चुनारा, उमेश कुमार, अभिषेक वाल्मीकि, मंगलसेन आदि मौजूद रहे।

वहीं दर्जा राज्यमंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू, भाजपा नेता राजेश कुमार, दीपक कुमार, मोहित शर्मा, गौरव शर्मा, रेशम यादव, राजकुमार आदि बड़ी संख्या में नगरवासी एवं समाज के लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

बाजपुर में फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ करते अतिथि।

शोभायात्रा में शामिल मां महाकाली के विभिन्न रूपों की झांकी।

फार्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में गिरी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : नेशनल हाईवे-74 पर तेज रफ्तार फार्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी।

हादसे में कार चालक के मामूली चोटें आई हैं, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना सोमवार देर रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर नामधारी कट के निकट बाजपुर से रुद्रपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार फार्च्यूनर कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे नाले में जा गिरी। हादसे में कार चालक ग्राम केशोवाला मोड़ निवासी 35 वर्षीय सिमरजीत सिंह मामूली रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद दोराहा चौकी प्रभारी एसआई रमेश चंद्र बेलवाल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और केबिल में फंसे चालक को किसी तरह बाहर निकाला, जिसे बाद में 108 एंबुलेंस वाहन सेवा के जरिये सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी मरहम-पट्टी कर घर भेज दिया। बताया जा रहा है कि कार बाजपुर दोराहा की ओर से रुद्रपुर की ओर जा रही थी, तभी अचानक नामधारी कट के पास मोड़ पर चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और यह घटना हो गई। वहीं पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहन को नाले से बाहर निकलवाकर पुलिस चौकी में खड़ा करवा दिया है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार व मौके पर पहुंचे एसआई रमेश चंद्र बेलवाल।

समय पर पूरा होगा मझोला मार्ग का निर्माण कार्य : मौर्य

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य ने कहा कि खटीमा मझोला मार्ग का कार्य समय पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्ग का निर्माण एनएच द्वारा किया जा रहा और बारिश की चलते कार्य में कुछ विलंब हुआ है।

जिला पंचायत अध्यक्ष मौर्य ने कहा कि इस कार्य के लिए आधुनिक मशीनों का सेटअप तैयार करने के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था की जानी है। इसके लिए लगभग एक हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता थी जिसकी काफी समय से तलाश की जा रही थी लेकिन खेतों में फसल लगे होने के कारण जगह नहीं मिल पा रही थी। अब 17 मिल पुलिस चौकी के पास जमीन की व्यवस्था हो गई है। इस जगह में आधुनिक मशीनों का सेटअप तैयार करने के बाद खटीमा मझोला मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सख्त निर्देश है कि जो भी कार्य हो गुणवत्तापूर्ण हो तथा उसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला का भी हमने नारियल तोड़ा था जिसका कार्य भी पूर्ण हो चुका है। बहुत जल्द खटीमा मेलाघाट मार्ग के निर्माण शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए कमियां ढूंढने में लगे हुए हैं।

अजय मौर्य।

बाबा बर्फानी के दरबार में टेका मत्था, भजनों पर झूमे भक्त

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : श्री बाबा अमरनाथ सेवा मंडल रम्पुरा की ओर से दुर्गा माता मंदिर में बाबा बर्फानी का विशाल जागरण आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भारत भूषण चुघ ने पूजा अर्चना कर दरबार में मत्था टेका व नगर की खुशहाली की प्रार्थना की। इसके बाद भजन गायकों ने अमृतमयी भजनों से रात भर झूमने को मजबूर कर दिया।

इस दौरान भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक चुघ ने कहा कि आयोजक मंडल के 40 युवाओं ने कड़ी मेहनत और मशक्कत के साथ विशाल बर्फ का शिवलिंग स्थापित किया। जिसमें लगभग 40 बर्फ की सिल्लियों का उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि यह शिवलिंग लगभग 20 फीट ऊंचा बनाया गया। जिसकी अलौकिकता और भव्यता देखते ही बनती थी। इस दौरान दानपुर के ग्राम प्रधान मनदीप वर्मा, सतीश कोली, रोहित, राजेश, अजय, बंटी, दर्शन कोली, नंद गोपाल कोली, अर्जुन पासवान, अशोक वाल्मीकि, अरुण, सचिन, सुनील मौजूद रहे।

बाबा बर्फानी की पूजा अर्चना करते भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक चुघ।

उपचार

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर से भी पहुंचे रोगी

शरद पूर्णिमा पर श्वास रोगियों को बांटी औषधीय खीर

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : मुख्य बाजार स्थित श्री राधेहरि सत्संग आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालय में तैयार शरद पूर्णिमा की रात की औषधीय खीर का सैकड़ों लोगों ने सेवन किया।

औषधालय मंत्री संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि सोमवार को देर शाम से ही उत्तर प्रदेश के शाहजहांपूर, बरेली, पीलीभीत, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर और उत्तराखंड के नैनीताल, ऊधम सिंह नगर जनपदों के विभिन्न क्षेत्रों से श्वास रोगियों समेत अन्य लोग एकत्र होने लगे थे। मंगलवार को सुबह 4 बजे से आरती और खीर का मां लक्ष्मी को भोग लगाने के बाद औषधालय में सैकड़ों श्वास रोगियों समेत अन्य लोगों ने चंद्र कलाओं से परिपूर्ण औषधीय खीर का सेवन कर स्वास्थ्य लाभ उठाया। औषधालय वैद्य राकेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात में तैयार औषधीय खीर एलर्जी अस्थमा, गला, श्वास रोगियों के साथ-साथ आंखों व शारीरिक और मानसिक विकारों के उपचार में बेहद फायदेमंद है। वहीं उपमंत्री कौशलेश गुप्ता ने बताया कि वर्ष में सिर्फ एक बार ही शरद पूर्णिमा को खीर का वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों से आयुर्वेद के प्रति लोगों का काफी झुकाव बढ़ा है। विगत 30 वर्षों से औषधालय में कार्यरत वैद्य उपाध्याय से प्रतिदिन परामर्श और उपचार कराने लोग पहुंच रहे हैं। वहां पर औषधालय कार्यकारिणी अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उपाध्यक्ष एसपी गुप्ता, जेपी अग्रवाल, बीके गुप्ता, मनोहर लोहिया, सुरेश गोयल, अनिल सिंह मौजूद रहे।

काशीपुर में लोगों को औषधीय खीर खिलाते औषधालय के पदाधिकारी।

शरद पूर्णिमा पर आरएसएस ने किया खीर का वितरण

बाजपुर : शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार की रात अनाज मंडी स्थित मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से विशेष खीर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर और आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं अन्य लोग पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चंद्र दर्शन के पश्चात सभी को खीर का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में एकता, सेवा और संस्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। वातावरण पूर्ण रूप से भक्तिमय बना रहा। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुरेंद्र जैन ने शिरकत की। इस मौके पर जिला संघ चालक हरीश सक्सेना, नगर संघ चालक सुशील सिंघला, नगर कार्यवाह रोहित बंसल, सह नगर संघ चालक आलोक गुप्ता, विकासनाथ महाराज, विजय मित्तन, गौरव शर्मा, राजेश कुमार, मंजीत सिंह राजू, निरंजनदास गोयल, तेज प्रकाश शर्मा, सरस्वती शिशु मंदिर का स्टाफ समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

गतका टीम छत्तीसगढ़ के लिए रवाना

बाजपुर : उत्तराखंड की गतका टीम राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए रवाना हो गई है।

राज्य के 15 गतका एथलीट 10 से 12 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई शहर में आयोजित होने वाली 13वीं नेशनल गतका (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उत्तराखंड गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष हरवीर सिंह गिल व महासचिव हरप्रीत सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता विश्व गतका फेडरेशन और एशियन गतका फेडरेशन से संबद्ध देश की सबसे पुरानी पंजीकृत संस्था नेशनल गतका एसोसिएशन आफ इंडिया (एनजीएआई) द्वारा आयोजित की जा रही है। चयनित 15 खिलाड़ियों की टीम भिलाई रवाना हो चुकी है।

नोजगे स्कूल में हुई आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला

नोजगे पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यशाला में शिरकत करते शिक्षक शिक्षिकाएं।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स देहरादून द्वारा नोजगे पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय ''कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम'' का आयोजन किया गया। इसका विषय ''आपदा प्रबन्धन'' रहा। कार्यशाला में छह विद्यालयों के 60 शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। सीबीएसई रिसोर्स पर्सन के रूप में द गुरुकुल फाउन्डेशन स्कूल काशीपुर के प्रधानाचार्य प्रतीक गोयल, एमिनिटी पब्लिक स्कूल रुद्रपुर की एचओडी बहार कौर, विद्यालय प्रबंधिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य डॉ. आरिज अल्वी ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। संचालन अनीता परवाल एवं टेक्निकल डेलीगेट की भूमिका में अभिषेक भटनागर रहे।

ब्रीफ न्यूज

मां ने डांट लगाई तो फंदे में झूल गई बालिका

बागेश्वर : कोतवाली अंतर्गत एक बालिका ने मां की डांट से नाराज होकर आत्महत्या कर ली। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गत दिवस एक बालिका घर से नाराज होकर भाग गई। जिसको बरामद किया गया।वह अपनी इच्छानुसार माता पिता के पास गई। घर पहुंच कर उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राज्य स्तरीय कबड्डी चयन ट्रायल सम्पन्न

बनबसा : मंगलवार को मैक्सटन स्ट्रांग स्कूल में उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के द्वारा 23वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक-बालिका प्रतियोगिता के लिए चयन आयोजित किया गया। 70 से 80 छात्र-छात्राओं ने चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग किया जिसमें 12 छात्राएं 12 छात्र का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कुंडेश्वरी काशीपुर में भाग लेंगे। इस अवसर पर जॉन ग्रेगरी, क्लिफटन शिफवे, गिरीश चंद्र जोशी, फिलीस जार्ज, जगदेव सिंह, अरुनिमा रावत, अविनाश कुमार, माईका डेविड, किशन चंद आदि उपस्थित रहे।

पेड़ गिरने से घर में फंसे दो बच्चों को किया रेस्क्यू

बनबसा : फायर स्टेशन टनकपुर का त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर छप्परों पर गिरे विशालकाय पेड़ को हटाकर घर में फंसे दो बच्चों को रेस्क्यू किया। मंगलवार को कैनाल रोड बनबसा में निवासरत व्यक्तियों की छप्परों पर एक विशालकाय पेड़ गिर गया था। उक्त सूचना पर फायर स्टेशन टनकपुर की रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची और पाया कि पेड़ गिरने से राम अवतार कश्यप का छप्पर का टिन और रसोईघर क्षतिग्रस्त और रामपाल का छप्पर का टिन क्षतिग्रस्त, अरविंद कश्यप का छप्पर का टिन और लकड़ी का छप्पर क्षतिग्रस्त।

बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

अल्मोड़ा : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मंगलवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में पूर्व सैनिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ नगर में बढ़ते बंदरों के आतंक से निजात दिलाने मांग की गई। नगर के नंदादेवी मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों ने नगर के मुख्य बाजार में दोपहिया वाहनों में प्रतिबंध लगाने, लगातार बढ़ रहे बंदरों के आतंक से निजात दिलाने समेत तमाम समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। इसके अलावा पंतजलि मेगा स्टोर की ओर से फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य की जांच कर दवाईयां बाटी गई। यहां परिषद के अध्यक्ष केशव दत्त पांडे, पीजी गोस्वामी, विनोद गिरी, नरेंद्र कुमार वर्मा, सुरेश सिंह असवाल, शेर सिंह नेगी, दिवान सिंह नेगी, आनंद सिंह, रघुवीर सिंह, त्रिलोक सिंह आदि थे।

अंग्रेजी शराब के साथ एक गिरफ्तार

टनकपुर : पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 53 क्वाटर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। शराब तस्करी में प्रयुक्त अल्टो कार भी जब्त की गई है। एसपी अजय गणपति के निर्देश पर चल्थी चौकी पुलिस टीम ने नौलापानी झाला कुड़ी रोड के पास चेकिंग के दौरान सुंदर सिंह, निवासी ग्राम कर्णकरायत, थाना लोहाघाट को 53 क्वार्टर मैकडावल व्हिस्की के साथ पकड़ा। शराब की तस्करी में प्रयुक्त की जा रही कार संख्या- यूके 07, एएन-2260 को भी सीज कर दिया। आरोपित के विरूद्ध चम्पावत कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट में मामला पंजीकृत किया गया है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूर्व सैनिक ने शुरू किया जल सत्याग्रह

प्रशासन के हाथ पांव फूले, काफी समझाने के बाद रामगंगा से बाहर निकले हीरा सिंह

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : चौखुटिया में स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग करते लोगों का सब्र अब टूट चुका है। मंगलवार को एक आंदोलनकारी पूर्व सैनिक हीरा सिंह पटवाल रामगंगा नदी में उतर गए। नदी में खड़े होकर जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। इस बीच मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन के हाथ पांव फूल गए।

दरअसल, बीते छह दिनों से क्षेत्र के लोग चौखुटिया में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की मांग को लेकर आंदोलनरत है। लोगों का आक्रोश है कि चौखुटिया का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जो सिर्फ एक रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। एक ऐसा अस्पताल, जहां न डॉक्टर हैं, न जांच की मशीनें और न ही इलाज के पर्याप्त संसाधन। सरकार के खोखले वादों से तंग आकर अब जनता ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। इस आंदोलन की सबसे मार्मिक नजारा तब देखने को मिला जब आंदोलनकारी पूर्व सैनिक हीरा सिंह पटवाल रामगंगा नदी के ठंडे पानी में उतर कर जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। बारिश और बढ़ती ठंड के बावजूद वो अपनी जान की परवाह किए बिना डटे रहे। वहीं पुलिस व प्रशासन के हाथों में फूल गए। पुलिस प्रशासन के काफी समझने के बाद आंदोलनकारी रामगंगा नदी से बाहर आए। तब जाकर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

जल सत्याग्रह करते पूर्व सैनिक हीरा सिंह।

रामगंगा नदी तट पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

अनशन से जबरन उठाने का आरोप

बीते सोमवार रात तीन अक्टूबर से आमरण अनशन पर बैठे 85 साल के बचे सिंह को प्रशासन ने जबरन उठा लिया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बचे सिंह को उठाने के बाद 10 अन्य लोग आमरण अनशन पर बैठ गए। मंगलवार को भी आमरण अनशन जारी रहा।

ऑक्सीजन प्लांट भी खराब

सीएचसी चौखुटिया में विशेषज्ञ डॉक्टर ही नहीं, संसाधनों को भी रोना है। यहां की 108 एंबुलेंस आए दिन दगा दे जाती है। 108 की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था तक नहीं है। सीएचसी का ऑक्सीजन प्लांट भी लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है। डिजिटल एक्स-रे की मांग लंबे समय से है।

> लोग चौखुटिया सीएचसी उच्चीकरण की मांग कर रहे है, मामले को लेकर शासन को अवगत कराया गया है। वहीं, सीएचसी में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर महीने में एक दिन रेडियोलॉजिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ और स्त्री रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देगें। -डॉ. एनसी तिवारी सीएमओ अल्मोड़ा।

सांस्कृतिक नगरी में धूमधाम से मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया गया। महर्षि वाल्मीकि के किए कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

नगर के एनटीडी स्थिति वाल्मीकि पार्क में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसी अमर कृति की रचना कर भारतीय संस्कृति को अमरत्व प्रदान किया। उनका जीवन समाज में समानता, समरसता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वहीं, कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों पर चलने तथा समाज में समरसता, समानता और स्वच्छता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, प्रदेश मंत्री गौरव पांडे, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, गोविंद पिलख्वाल, रवि रौतेला, विनीत बिष्ट, धर्मेंद्र बिष्ट, नरेंद्र आगरी, चंदन लाल टम्टा, रेखा आर्या, मनोज जोशी, देवेंद्र भट्ट, सीएल टम्टा, रवि कुमार, कैलाश गुरुरानी, आनंद भोज, जगत भट्ट, जगमोहन आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाते लोग। ● अमृत विचार

वाल्मीकि समाज के लोगों को किया सम्मानित

जयंती के अवसर पर भाजपा की ओर से एक सम्मान समारोह भी आयोजित किया। जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले वाल्मीकि समाज के लोगों को सम्मानित किया। भाजपा ने कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री राजपाल पवार, निवर्तमान नगर मंत्री, भाजपा दिशांत पवार, दिशांत पवार, प्रशांत, अर्जुन, रोशन, अंकित, शुभम, राजेंद्र प्रसाद आदि लोगों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

टनकपुर में निकाली भव्य शोभा यात्रा

टनकपुर : राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा कमेटी के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर पर हवन यज्ञ किया गया। देर शाम महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर से भव्य शोभा यात्रा में महर्षि वाल्मीकि, हनुमान, लव-कुश, राधा-कृष्ण, राम और मां महाकाली की झांकियां निकाली गईं। गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा घसियारा मंडी से शुरु होकर जगन्नाथ चौराहा, एसबीआई रोड, मुख्य बाजार, बस स्टेशन से होते हुए कर्मचारी कॉलोनी वार्ड-संख्या छह में पहुंचकर संपन्न हुई।

कलश यात्रा के साथ छुरमल देवता की मूर्ति स्थापित की

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार : कपकोट के शिवालय वार्ड के आणु मोहल्ला स्थित श्री श्री 1008 छुरमल देवता मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है। मंगलवार को मंदिर में मूर्तियों को सरयू स्नान के बाद वैदिक मंत्रो के साथ स्थापित किया गया। इस दौरान ढोल नगाणों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। मंदिर में दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ हवन यज्ञ और भंडारे के आयोजन किया गया।

मंगलवार को श्रद्धालु मंदिर परिसर में जमा हुए तथा ढोल नगाड़ों के साथ प्राचीन शिव मंदिर के समीप सरयू तट पर पहुंचे। यहां सरयू पूजन के बाद छुरमल देवता की शक्ति और पूजा के काम आने वाले बर्तनों को स्नान कराया। महिलाओं ने तांबे के कलशों में पवित्र जल भरा तथा शिव मंदिर, भैरवनाथ और काल भैरवनाथ के मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान विधायक सुरेश सिंह गढ़िया ने कहा सनातन संस्कृति अद्भुत है। अवकाश प्रवक्ता विपिन चंद्र जोशी ने मंदिर के सौंदर्यीकरण में विधायक सुरेश गढ़िया, भूमिदान में संतोष उपाध्याय, स्ट्रीट लाइट लगाने में नगर पंचायत की अध्यक्ष गीता ऐठानी और निर्माण में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया। पंडित बसंत बल्लभ जोशी ने मंदिर के इतिहास की जानकारी। इस अवसर पर प्रभा गढ़िया, गीता ऐठानी, गजेंद्र कपकोटी, परिवार गढ़िया, धीरेन्द्र जोशी, गणेश चंद्र उपाध्याय, तनुज तिरुवा, डॉ. हरीश ऐठानी, बद्री दत्त जोशी, नवीन जोशी, भास्कर, हेम, विनोद आदि थे।

पूर्वी पोखरखाली में बाथरूम में घुसा गुलदार, मचा हडकंप

- कुत्तों के शोर के बाद बाहर निकले भवन स्वामी ने किया बंद

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण इलाकों में गुलदार की चहल-कदमी बढ़ते जा रही है। मंगलवार तड़के नगर के पूर्वी पोखरखाली के एक आवासीय भवन के बाथरूम में गुलदार घूस गया। परिवार ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और तुरंत वन विभाग व एनटीडी चौकी पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद टीम ने गुलदार का रेस्क्यू किया।

मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन गुलदार की चहल कदमी सीसीटीवी में कैद हो रही है। जिससे लोग खौफजदा है। इधर, मंगलवार सुबह लगभग पांच बजे पूर्वी पोखरखाली निवासी पंकज तिवारी के मकान में उस समय अफरातफरी मच गई जब एक गुलदार उनके बाथरूम में घुस गया। मकान मालिक ने सूझबूझ दिखा बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। टीम ने सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए गुलदार को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला और रेस्क्यू सेंटर ले गई। वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर टीम को भेज दिया गया था। उन्होंने बताया कि गुलदार को रेस्क्यू सेंटर ले जाया गया है।

अल्मोड़ा के पूर्वी पोखरखाली में गुलदार को रेस्क्यू करती वन विभाग की टीम।

मंडुवा व झंगोरा की खरीद शुरू, खोले क्रय केंद्र

- जिलाधिकारी मनीष कुमार ने दी किसानों को जानकारी

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जानकारी दी कि स्टेट मिलेट मिशन योजना 2025 के अंतर्गत किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए जनपद चम्पावत में मंडुवा, झंगोरा और अन्य उत्पादों के लिए क्रय केंद्र 1 अक्टूबर से खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रचार-प्रसार की कमी के कारण कई किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाया था। इस वर्ष यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सके।

इस योजना के तहत किसान अपने उत्पाद मंडुवा, झंगोरा, सोयाबीन, चौलाई, राजमा आदि बेचकर उचित मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। डीएम ने सभी कृषकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और अपने उत्पाद सहकारी क्रय केंद्रों पर बेचकर अपनी आय सुनिश्चित करें।

जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति प्रेम प्रकाश ने बताया कि जनपद में मिलेट मिशन योजना अंतर्गत जिले के कोट अमोडी, हस्तोला, धूरा, सीमियां, मंच, सिप्टी, चानमारी, खतेड़ा, धरमघर, डुमडई, दिगालीचौड़, बांजगांव रौलमेल, देवीधूरा, दूबड़,गोशनी, चौड़ामेता, बाराकोट, वल्सों, इन्द्रपुरी व बापरु में क्रय केंद्र खोले गए हैं।

सीएम की लोहाघाट को बड़ी सौगात

- 4 करोड़ की लागत से बनेगा पैदल पुल व सड़क मार्ग
- परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों को मिलेगी सुविधाएं

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जनपद को आदर्श चम्पावत बनाने की संकल्पना को साकार करने की दिशा में विकास के नए आयाम लगातार स्थापित किए जा रहे हैं। उनके निर्देशों के क्रम में राज्य योजना के अंतर्गत जनपद चम्पावत की लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं को शासन से प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि इन दोनों परियोजनाओं के लिए कुल चार करोड़ छह लाख बहत्तर हजार रुपये मात्र की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी, आवागमन सुविधा और आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा। डीएम ने बताया कि स्वीकृत परियोजनाओं में रूइनगाड़ में 38.00 मीटर पैदल सेतु का नवनिर्माण- राज्य योजना के अंतर्गत इस कार्य के लिए 155.41 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस सेतु के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में अत्यधिक सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दौरान मार्ग अवरुद्ध होने की समस्या से राहत मिलेगी।

छिनकाछीना-सिमलखेत मोटर मार्ग का जालछीना-गहत्वाड़ तक (4.5 कि.मी.) निर्माण कार्य के लिए 251.31 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह मोटर मार्ग दुर्गम गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। डीएम ने कहा कि दोनों परियोजनाओं के कार्य मानकों एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र प्रारंभ कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से न केवल क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में भी नई संभावनाएँ विकसित होंगी। लोक निर्माण विभाग लोहाघाट के अधिशासी अभियंता हितेश कांडपाल ने बताया कि दोनों योजनाओं के प्रारंभिक क्रियान्वयन के लिए 20 हजार रुपए की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर दोनों कार्यों को अतिशीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा।

बीमारी से बचाव को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

चम्पावत : चम्पावत में टोमेटो फ्लू से सुरक्षा के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने सतर्कता बरतने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि यह बीमारी मुख्यतः एक से नौ वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करती है। जिले के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा पैथोलॉजी लैबों को इस बीमारी के लक्षणों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू नाथ ने जानकारी दी कि इस बीमारी में बच्चों को बुखार, शरीर पर लाल चकत्ते, हाथ, पैर एवं मुंह में फफोले जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे बच्चों को तुरंत आइसोलेट किया जाना चाहिए ताकि संक्रमण का प्रसार रोका जा सके।

बारिश ने बढ़ाई किसानों की परेशानियां, बड़ी ठंड

- नगर सहित आसपास के हिस्सों में जमकर बरसे मेघ
- बारिश के बाद तापमान में आई सात डिग्री की गिरावट

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले में मौसम का मिजाज इस बार लगातार बदल रहा है। अक्तूबर में हो रही बारिश से काश्तकारों की परेशानी बढ़ गई है। किसान धान की मढ़ाई, कटाई नहीं कर पा रहे हैं।

बीते सोमवार से रुक रुक कर बारिश का दौर जारी रहा। वही मंगलवार को सुबह दस बजे से फिर से बूंदा बादी का सिलसिला शुरू हो गया था। इधर, बेमौसम बारिश से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खेतों में जानवरों के लिए काटी गई घास व पुआल भीग गई है। कई जगह हवा चलने से धान की फसल भी खराब हो गई है। जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी अनुसार जिले में कुछ दिन मौसम का मिजाज इसी तरह का बना रहेगा। अल्मोड़ा में कई दिनों बाद नगर में बारिश हुई। इधर, बारिश के बाद नगर के तापमान में सात डिग्री की कमी आई है। जहां सोमवार को नगर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री था, वहीं मंगलवार को 19 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इससे लोगों ने स्वेटर आदि निकालना शुरू कर दिया है।

अल्मोड़ा में बच्चों को कफ सिरप देने पर रोक

अल्मोड़ा : जिले में कफ सिरफ को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एडवायजरी जारी कर दी है। अब दो साल से कम उग्र के बच्चों को कफ सिरप देने पर रोक लगा दी है। साथ ही चिकित्सकों को भी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। बीते दिनों एमपी और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। जिले में विभाग की ओर से एडवायजरी कर अस्पतालों और मेडिकल स्टोरों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनसी तिवारी ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में अब कफ सिरप नहीं मिलेगा। जबकि मेडिकल स्टोर भी बिना चिकित्सक की अनुमति के कफ सिरप नहीं बेचेंगे। पकड़े जाने पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बताया कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं दी जाएगी।

भक्ति वर्षा के बाद भी श्रद्धालुओं के जोश में नहीं आई कमी, रस्सों के सहारे दुर्गम रास्तों से पहुंचाए गए रथ

काकड़ व बाराकोट से निकला मां भगवती व काली का रथ

- मां के जयकारों से गुंजायमान हुई लड़ीधूरा की चोटी, मंदिर परिक्रमा के बाद रथों का विसर्जन

संवाददाता, लोहाघाट/चम्पावत

अमृत विचार : लड़ीधूरा महोत्सव के दौरान मंगलवार को वर्षा के बीच काकड़ व बाराकोट गांव से देवी रथों को गगनभेदी जयकारों के साथ विषम रास्तों से लड़ीधूरा मंदिर ले जाया गया।

काकड़ से रस्सों के सहारे पहला रथ 3:20 बजे लडीधूरा मंदिर पहुंचा। जिसमें कालिका के रूप में कल्याण सिंह अधिकारी विराजमान थे। दूसरा रथ बाराकोट से 3:35 बजे मंदिर पहुंचा। इस रथ में भगवती के रूप में गुड्डी फर्त्याल एवं कालिका के रूप में प्रताप सिंह विराजमान थे। रथों के मंदिर में पहुंचते ही लडीधूरा की चोटी मां के जयकारों से गूंज उठी। लगातार हो रही वर्षा के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई।

बाराकोट से लड़ीधुरा मंदिर की ओर जाती काकड़ देवी की रथ यात्रा। ● अमृत विचार

रथों के पीछे-पीछे महिलाएं मंगल गीतों का गायन कर रही थी। रथों में लगे रस्सों को खींचने के लिए हर आयु वर्ग के लोगों में होड़ रही। मंदिर में देव डांगरों के शरीर में अवतरित देवी देवताओं ने श्रद्धालुओं का आशीर्वाद दिया। रथ यात्रा में शामिल लोगों ने मां मंदिर में मां भगवती के दर्शन किए। शाम पांच बजे मंदिर की परिक्रमा के बाद रथों को विसर्जित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य फरतोला योगेश चंद्र जोशी, जगदीश सिंह अधिकारी, दुर्गेश जोशी, नवीन जोशी, रमेश जोशी, महेंद्र अधिकारी, विनोद अधिकारी, किशोर जोशी, रजत वर्मा, ऋतेश कुमार वर्मा, प्रदीप ढेक, सुनील वर्मा, लोकमान सिंह अधिकारी, राजू अधिकारी, दीनू अधिकारी, राजेंद्र अधिकारी, नमन जोशी, रजनीश जोशी, राहुल जोशी शुभम नाथ, ललित मोहन जोशी, सौरव, रिंकू, सूरज मौजूद रहे। लड़ीधूरा शैक्षिक एवं सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष नगेंद्र जोशी ने महोत्सव के शांतिपूर्ण सम्पन्न होने पर सभी का आभार जताया।

रस्साकसी में यूथ क्लब बाराकोट विजयी

लड़ीधूरा महोत्सव के अंतिम दिन रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें यूथ क्लब बाराकोट की टीम ने बाराकोट गांव की टीम को पराजित किया। विजेता टीम को 22 लीटर का प्रेसर कुकर, तीन बाल्टी और उपविजेता टीम को 12 लीटर का प्रेशर कुकर व दो बाल्टी पुरस्कार के रूप दी गई। लक्की ड्रा कूपन में प्रथम पुरस्कार स्कूटी डिंपल चौधरी, द्वितीय पुरस्कार रेफ्रिरेजटर प्रिंस कुमार व तृतीय पुरस्कार वाशिंग मशीन परिशा जोशी के नाम खुली।

निबंध प्रतियोगिता में कंगना प्रथम

लोहाघाट : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालाकोट में वन विभाग ने वन्य जीवन सुरक्षा सप्ताह के तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रधानाचार्य जोशी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार जोशी ने छात्र-छात्राओं को वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान वन्य जीव सुरक्षा और मानव संघर्ष विषय पर निबंध प्रतियोगिता में छात्रा कंगना प्रथम, मीनाक्षी बोहरा द्वितीय और ज्योति बोहरा तृतीय स्थान पर रहीं। वन विभाग की ओर से सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। संचालन राम प्रसाद कालाकोटी ने किया। इस मौके पर बंशीधर जोशी, प्रकाश गिरी, शिक्षिका गीता बिष्ट, डा. दिनेश आदि मौजूद रहे।

स्वाला में मलबा आने से बंद रहा राष्ट्रीय राजमार्ग

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : वर्षा के चलते टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वांला डेंजर स्पाट पर मंगलवा को पहाड़ी से मलबे के साथ गिरे बड़े बोल्डरों ने हाईवे की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया।

सड़क जाम होने से एक घंटे तक सड़क के दोनों और वाहनों की लंगी कतार लग गई। मलबा हटाने के बाद रूक-रूक कर वाहनों की आवाजाही होती रही। निर्बाध आवागमन न होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एनएच खंड के लोहाघाट के अधिशासी अभियंता दीपक चंद्र जोशी ने बताया कि स्वांला में सड़क चौड़ीकरण के कार्य के चलते कीचड़ होने के कारण वाहनों की आवाजाही में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि मंगलवार की दोपहर में स्वाला के पास मलबा आ गया। जिसे एक घंटे में साफ कर वाहनों की आवाजाही सुचारू की गई। जिले की सभी ग्रामीण सड़कों पर आवागमन सुचारू रहा।

टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा हटाती मशीन।

अमृत विचार

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

निराशा संभव को असंभव बना देती है।
–मुंशी प्रेमचंद, साहित्यकार

प्रतिरक्षा की नई परिभाषा

इस वर्ष का फिजियोलॉजी या चिकित्साशास्त्र अथवा मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार उन खोजों के लिए दिया गया है, जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को गहराई से समझने और उसे नियंत्रित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका की मेरी ब्रंको, फ्रेड रेम्सडेल तथा जापान के शिमोन साकागुची ने अपने शोध और जैविक प्रयोगों के माध्यम से स्वप्रतिरक्षी या ऑटोइम्यून प्रणाली से जुड़ी वैज्ञानिक समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। कुल मिलाकर, नोबेल पुरस्कार विजेताओं के शोध ने प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित क्रियाकलापों और कार्य प्रणालियों की तह में जाकर उनके जिन विकारों के आनुवंशिक, आणविक और पर्यावरणीय निर्धारकों का पता लगाया है, उसने पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को नए सिरे से पुनर्परिभाषित किया है। उनकी खोज से कई रोगों के शीघ्र निदान और लक्षित उपचारों का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। निःसंदेह यह क्रांतिकारी खोज न केवल चिकित्सा विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है, बल्कि इसने पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस से संबंधित प्रतिरक्षा सहिष्णुता के नए क्षेत्र में आगे के शोध के लिए भी एक ठोस नींव रखी है।

हमारा इम्यून सिस्टम प्रतिदिन रोग उत्पन्न करने वाले लाखों बाहरी सूक्ष्मजीवों और अन्य हमलावर तत्वों से हमारी रक्षा करता है, लेकिन कभी-कभी यही प्रणाली भ्रमित होकर शरीर के अपने अंगों को ही शत्रु समझने लगती है, जिससे टाइप-1 डायबिटीज, रूमेटॉयड आर्थराइटिस जैसे अनेक ऑटोइम्यून रोग उत्पन्न होते हैं। कई बार जब शरीर में कोई अंग प्रत्यारोपित किया जाता है, तो इम्यून सिस्टम उसे भी 'अनजाना' और 'बाहरी' समझकर अस्वीकार कर देता है। इस संदर्भ में पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रणाली शरीर की अपनी कोशिकाओं और प्रोटीनों को पहचानती है और यदि कोई टी-सेल उन पर हमला करने की कोशिश करे, तो उसे निष्क्रिय या समाप्त कर देती है। ब्रंको, रेम्सडेल और साकागुची ने इस प्रणाली के 'सुरक्षा प्रहरी'- रेगुलेटरी टी-सेल्स- की पहचान की है। इन टी-सेल्स का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इम्यून सिस्टम गलती से अपने ही शरीर पर हमला न करे। यह खोज प्रतिरक्षा सहिष्णुता की अवधारणा को एक नई वैज्ञानिक परिभाषा देती है और चिकित्सा विज्ञान को एक नई दिशा प्रदान करती है। इन शोधों का महत्व केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इससे कैंसर, ऑटोइम्यून रोगों और अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी चिकित्सा विधियों में सुधार होगा तथा भविष्य में लाखों मरीजों के लिए यह खोज रोग से राहत का कारण बनेगी।

यह अवसर भारतीय मूल के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी याद करने का है। 1968 में हरगोविंद खुराना को मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने जेनेटिक कोड की संरचना से प्रोटीन निर्माण को समझने में अहम भूमिका निभाई थी और उनकी खोजों ने कैंसर, औषधि-विकास तथा जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में क्रांति ला दी थी। आज जब चिकित्सा विज्ञान एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है, यह उम्मीद स्वाभाविक है कि भविष्य में कोई भारतीय वैज्ञानिक भी इस वैश्विक मंच पर पुनः अपनी प्रतिभा का परचम लहराए।

प्रसंगवश

पुण्य तिथि: विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद हिंद कहानी के आधार स्तंभ हैं। वे विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी माने जाते हैं। हिंदी साहित्य की कहानी यात्रा प्रेमचंद के बिना अधूरी है। उन्होंने कई विश्व प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखे, मगर उनकी ख्याति एक कहानीकार के रूप में ज्यादा है। प्रेमचंद की कहानियों में समाज का प्रतिबिंब स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने आम आदमी को केंद्र में रखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक ताने-बाने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां बुनावट, कसावट, शिल्प एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकरण की जटिलता से बचाने का सफल प्रयास किया है। आम बोलचाल की भाषा में लिखी गईं उनकी कहानियां पाठक के अंतर्मन को गहराई से छू लेती हैं।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी जिले के लमही नामक गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता पोस्ट मास्टर थे। प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था। उन्होंने गरीबी अभावों एवं ग्रामीण जीवन से जुड़ी समस्याओं को काफी निकट से देखा एवं भोगा था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रारंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिरीक्षक बन गए।

1880 से 1936 तक का प्रेमचंद का जीवन काल देश की पराधीनता का काल था। उस समय अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेज शासकों के क्रूर अत्याचारों से देश की जनता कराह रही थी। अंग्रेज देश को लूट रहे थे। उन्हें हमारे देश के वैभव से प्यार था और देश की जनता से नफरत। गांवों में अंग्रेजों के वफादार माने जाने वाले राजाओं, जमींदारों, नवाबों एवं साहूकारों का बोलबाला था। उनकी मनमानी और अत्याचारों को झेलने को गांवों की भोली-भाली जनता मजबूर थी। गांव की अधिकांश जनता अनपढ़ और गरीब थी। उनमें तरह-तरह के अंधविश्वास एवं कर्मकांड व्याप्त थे। इस सबको देखकर प्रेमचंद का मन उद्वलित हो उठा और इस अन्याय, अत्याचार और दमन का प्रतिकार करने के लिए उन्होंने अपनी कलम को हथियार बनाया।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेबसी, भय एवं धर्म भीरूता को अपनी लेखनी द्वारा बड़ी बेबाकी से बयां किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परमेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुल्ली-डंडा', 'ईदगाह', 'आंसुओं की होली', 'सवासेर गेहूं' आदि में तत्कालीन ग्रामीण परिवेश का प्रतिबिंब झलकता है। यह कहानियां उस समय के ग्रामीणों की दुर्दशा को बयां करती हैं। उनकी कहानियां 'अलग्योझा', 'नागपूजा', 'पंडित मोटेराम की डायरी', 'ठाकुर का खून', 'तगादा', 'गृहदाह', 'मूठ', 'बाबा जी का भोग' तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांड, धर्म भीरुता, अंधविश्वास एवं जातिगत भेद पर करारी चोट करते हैं।

उनकी कहानी 'जिहाद', 'मंदिर-मस्जिद', 'अनमोल रतन', 'शतरंज के खिलाड़ी' में उनके मन में बसी देश प्रेम की भावना मुखरित होती है। उनके उपन्यास कर्मभूमि और रंगभूमि में देशप्रेम और स्वराज की भावना और प्रखरता के साथ व्यक्त हुई है। प्रेमचंद की साहित्य यात्रा सन् 1901 में प्रारंभ हुई। वे नवाब राय नाम से कहानियां लिखते थे। उस समय 'जमाना' उर्दू की मशहूर पत्रिका थी। प्रेमचंद की पहली कहानी 'जमाना' पत्रिका में ही छपी। ये उर्दू में थी, बाद में प्रेमचंद उर्दू और हिंदी दोनों में लिखने लगे।

भारत को मिलते अहम साझेदार

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है।

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है। जल्द ही यूरोपियन यूनियन भी हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौता कर लेगा। स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ से समझौता कर भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस समझौते से भारत को 15 सालों में इन देशों से 100 अरब डॉलर का निवेश मिलने का अनुमान है, जिससे भारत में लगभग 10 लाख नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। अगले तीन माह के अंदर यूरोपियन यूनियन से मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी है। इसमें भारत की मदद फ्रांस, जर्मनी, इटली, साइप्रस जैसे महत्वपूर्ण सदस्य देश कर रहे हैं। 27 सदस्यों वाले इस समूह से उम्मीद है कि अगले दो से तीन माह के अंदर यह समझौता हो जाएगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी और अहम जीत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच ही है कि उन्होंने टैरिफ वार को भांप लिया था और यूरोपियन यूनियन हो या अन्य छोटे-बड़े देश, उनसे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ाए। भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। रूस इस यूनियन का प्रमुख सदस्य देश है। नवंबर में भारत में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी। इस समझौते से भारत का रूस के साथ जहां व्यापार घाटा कम होगा, वहीं भारतीय उत्पाद रूस व इस यूनियन के प्रमुख देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। इस यूनियन में शामिल बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान और आर्मेनिया भी चाहते हैं कि भारत के साथ जल्द से जल्द समझौता हो जाए, ताकि उन्हें इसका लाभ मिले।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आएंगे। इससे पहले होने वाली बैठक में यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन से समझौते के संबंध में ठोस परिणाम निकलने की उम्मीद है। पुतिन के दौरे पर भारत के साथ रक्षा के साथ ही कई अन्य समझौते होने की उम्मीद है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी आज भारत आ रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन दौरे के दौरान उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे स्टार्मर का प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला दौरा है।

उनकी यह यात्रा विजन 2035 के तहत भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगी। स्टार्मर दो दिनों तक भारत में रहेंगे। नौ अक्टूबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ब्रिटिश प्रधानमंत्री की बैठक होगी। इसमें दोनों नेता व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी प्रमुख क्षेत्रों पर बातचीत करेंगे। उम्मीद है कि दोनों समकक्ष भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत भी कर सकते हैं। मुंबई में होने वाली बैठक में इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री स्टार्मर के भारत दौरे से पहले ही पिछले दिनों क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच समझौता हो चुका है। इस समझौते को ऐतिहासिक माना जा रहा है। जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन यात्रा के दौरान भारत व ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का उद्देश्य एक-दूसरे देश के बाजार में उत्पादों की पहुंच बढ़ाने, ब्रिटिश व्हिस्की, कार व अन्य वस्तुओं पर शुल्क कम करना था। साथ ही 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य है। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वार के बीच प्रधानमंत्री स्टार्मर का दौरा देश के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमानी करेंगे, यह बात तो दोनों देशों को पता थी। यही वजह है कि इससे पहले ही भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अब स्टार्मर भारत आ रहे हैं तो उम्मीद है कि कई और समझौते होंगे जो दोनों देशों की प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

भारत ने अब तक 16 देशों और ब्लॉक्स के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, जापान, यूएई, यूके, मॉरीशस और आसियान शामिल हैं। इसके साथ ही भारत सरकार ओमान, पेरू, चिली, न्यूजीलैंड और इजराइल के साथ भी व्यापार समझौते पर बात कर रही है। इन देशों से रिश्ते को देखते हुए यह उम्मीद है कि जल्द ही यहां भी भारत को सफलता मिलेगी। खास बात यह है कि भारत जिन भी देशों या संघ से समझौता कर रहा है, वहां हमारे किसानों या कारोबारियों, उद्यमियों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कह चुके हैं कि वे किसानों, उद्यमियों के हितों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेंगे। यह बात उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी भरकम टैरिफ के बाद कही थी। भारत अभी भी अमेरिकी टैरिफ के आगे झुका नहीं है, जो दर्शाता है कि भारतीय नेतृत्व अब हितों से समझौता करने के बजाय अमेरिका जैसे देशों की मनमानी के सामने तनकर खड़ा रहेगा।

आमने सामने

क्या यह सच नहीं है कि कल सुबह आप मेरी सोसाइटी में आईं तो मैंने ससम्मान आपको अपने घर पर बुलाया और करीब 1:30 घंटे हम लोगों की बात हुई? आपके द्वारा बस एक ही रट कि मुझे चुनाव लड़वाइए कैसे भी, जो कि मेरे बस का नहीं?
–पवन सिंह
भोजपुरी अभिनेता

मीडिया के सामने आप भी बैठिए और मैं भी बैठूंगी। आइए और खुलकर बात कीजिए। यदि आप मुझे जीवनभर के लिए पत्नी के रूप में स्वीकार करते हैं, तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी, क्योंकि हम सत्ता के लिए अपनों का इस्तेमाल करने में विश्वास नहीं रखते हैं। –ज्योति सिंह
पवन सिंह की पत्नी

बिहार का रण: बीजेपी के लिए साख का सवाल

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

यह चुनाव अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है।

बिहार में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखों की घोषणा कर दी है। छह और 11 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है- राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है।

अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये का वितरण और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे?

बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985-1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं। बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है।

बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बिहार चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण को मजबूर करना और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विश्वसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

सोशल फोरम

राष्ट्रपति मंडेला और उनका मेहमान जेलर

अनीता संजीव
ब्लॉगर

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने के बाद एक बार नेल्सन मंडेला अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ एक रेस्त्रां में खाना खाने गए। सबने अपनी-अपनी पसंद का खाना आर्डर किया और खाना आने का इंतजार करने लगे। उसी समय मंडेला की सीट के ठीक सामने की सीट पर एक व्यक्ति अपने खाने का इंतजार कर रहा था।

मंडेला ने अपने सुरक्षाकर्मी से कहा कि उन्हें भी अपनी टेबल पर बुला लो। ऐसा ही हुआ। उस आदमी को बुलाया गया। वह संकोच के साथ उनकी टेबल पर आकर बैठ गया। सभी खाना खाने लगे, लेकिन खाना खाते वक्त उस आदमी के हाथ कांप रहे थे।

खाना खत्म करने के बाद वह आदमी सिर झुकाकर रेस्त्रां से बाहर निकल गया।

उस आदमी के जाने के बाद मंडेला के सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि वह व्यक्ति शायद बहुत बीमार था। खाते वक्त उसके हाथ लगातार कांप रहे थे और वह खुद भी कांप रहा था।

मंडेला ने कहा, "ऐसा नहीं है। वह उस जेल का जेलर था, जिसमें मुझे 27 साल कैद रखा गया था। जब कभी मुझे यातनाएं दी जाती थीं और मैं कराहते हुए पानी मांगता था तो ये मेरे ऊपर पेशाब किया करता था। मैं अब राष्ट्रपति बन गया हूं। उसने समझा कि मैं भी उसके साथ शायद वैसा ही व्यवहार करूंगा।"

नेल्सन मंडेला ने आगे कहा, "पर मुझे लगता है कि बदले की भावना से काम करना विनाश की ओर ले जाता है। वहीं धैर्य और सहिष्णुता की मानसिकता हमें विकास की ओर ले जाती है।"

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

आत्मनिर्भर महिलाएं राष्ट्र को बना सकती हैं उन्नत

देश के तमाम गांवों की असंख्य महिलाएं आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनकी मेहनत और जिम्मेदारियां बहुत हैं, लेकिन अवसर कम, जिन्हें अपनी कड़ी मेहनत के बावजूद श्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। इससे वह विकास की दौड़ में पिछड़ जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि महिलाओं के विकास का रास्ता रोजगार से होकर ही गुजरता है, जिससे न केवल उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है बल्कि उनका आत्म-सम्मान, निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक पहचान भी मजबूत होती है।

गांव की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां की महिलाएं अब भी परंपरागत सोच, संसाधनों की कमी और शिक्षा की सीमाओं से बंधी हुई हैं। जब उन्हें काम और कमाई का अवसर मिलेगा, तभी वे अपने बच्चों की पढ़ाई, पोषण और परिवार की खुशहाली में बराबरी का योगदान दे सकेंगी। आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में महिला श्रम-शक्ति की स्थिति मिश्रित है। बात राजस्थान की करें तो 'Periodic Labour Force Survey (PLFS)' के अनुसार, यहां की ग्रामीण महिलाओं का श्रम भागीदारी दर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब यह है कि महिलाएं किसी न किसी रूप में काम कर रही हैं, परंतु यह काम ज़्यादातर असंगठित क्षेत्र या कृषि मजदूरी तक सीमित है।

पूजा मेहरा
लेखिका

महिलाएं मेहनत तो खूब करती हैं, पर उनका योगदान समाज और परिवार दोनों ही जगहों पर कम करके आंका जाता है। ग्रामीण महिलाएं खेतों में काम करती हैं, पशुपालन करती हैं, घर और बच्चों की देखभाल करती हैं, परंतु इन्हें 'रोज़गार' नहीं माना जाता, क्योंकि इन कामों के लिए नियमित आय या सम्मानजनक वेतन नहीं मिलता। यही वजह है कि वह आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर बनी रहती है। यदि इन्हें संगठित ढंग से स्वरोजगार के अवसर, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच मिले तो यह मेहनत एक उत्पादक और सम्मानजनक रोजगार में बदल सकती है।

रोजगार से जुड़ी यह कमी केवल आर्थिक पक्ष तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित करती है। एक महिला जो अपने पैरों पर खड़ी होती है, वह न केवल घर के खर्च उठाने में मदद करती है, बल्कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देती है। एक सर्वे के अनुसार जब किसी परिवार में महिला आय अर्जित करती है, तो उस परिवार में बालिकाओं के स्कूल जाने की संभावना 20 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यही नहीं, परिवार का पोषण स्तर और स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है। समाज में महिला की भूमिका को अभी भी 'घर तक सीमित' मानने की सोच हावी है। यही कारण है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद कई महिलाएं रोजगार तक नहीं पहुंच पातीं।

महिलाएं जब रोजगार से जुड़ेंगी, तो यह केवल उनकी आय का सवाल नहीं होगा, बल्कि समाज में उनकी आवाज और अस्तित्व को मान्यता देने का सवाल होगा। आर्थिक स्वतंत्रता से वे घरेलू हिंसा, बाल विवाह और पितृसत्ता की अन्य जंजीरों से बाहर निकल सकेंगी। इसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण और बाजार से जोड़ना, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना और सरकार की योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

भारत देश में लोक गीत, संगीत, नृत्य, परंपराएं और कलाएं आदि केवल प्रदर्शन या मनोरंजन का साधन नहीं है, वास्तव में ये समाज को सुगठित रूप से संचालित करने का सूत्र है। विभिन्न बोलियों, भाषाओं, अंचलों, संस्कारों वाले विविधता भरे हमारे देश में लोक कलाएं, परंपराएं मानव सभ्यता के विकास की सहयात्री रही हैं। आधुनिक शिक्षा के प्रसार में पारंपरिक लोक परंपराएं, कलाएं लुप्त होती जा रही हैं, उन्हें अपने अस्तित्व और अपने पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखने के संकट से जूझना पड़ रहा है। लोक कलाओं की विविध विधाओं से समाज को, विशेषकर नई पीढ़ी को परिचित कराना आवश्यक है।

कठपुतली
लोक कला का जीवंत रूप

हम जब छोटे बच्चे थे, हमारे आसपास कोई भी मेला, धार्मिक त्योहार या सामाजिक आयोजन कठपुतली नाच के बिना अधूरा होता था। भारत में पारंपरिक कठपुतली नाटकों की कथावस्तु में पौराणिक साहित्य, लोक कथाएं और किंवदंतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कठपुतली राजस्थान की प्राचीन लोक कला है। राजस्थान की यह लोक कला भारत और पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कठपुतली लोक कला भट आदिवासी जाति के लोगों का पारंपरिक व्यवसाय भी है। कठपुतलियों को तार अथवा धागे के माध्यम से अंगुलियों द्वारा नचाया जाता है।

राजकुमार जैन राजन
लेखक

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेले जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमों में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार के पुरुष, पशु, देव, असुर पात्रों के रूप में बनाया जाता है। इनका नाम कठपुतली इस कारण पड़ा, क्योंकि इनको लकड़ी अर्थात काष्ट से बनाया जाता था। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी की 'अष्टाध्याई' ग्रंथ में हमें 'पुतला नाटक' का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार मिलते हैं कि भगवान शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर, माता पार्वती का मन बहलाकर इस कला को प्रारंभ किया था। इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' नामक कथा में भी मिलता है।

भारत सहित एशियाई देशों में कठपुतली नाट्य सदियों से लोकानुरंजन और शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। भारत से लेकर पूर्वी एशिया के देशों जैसे इंडोनेशिया, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, जावा, सुमात्रा इत्यादि में विस्तार हुआ। आधुनिक युग में यह कला रूस, रोमानिया, चेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, जापान, अमेरिका, चीन आदि देशों में विस्तारित हो चुकी है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन न रहकर शिक्षा कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है।

हमारी विविधरंगी लोक संस्कृति, परंपरा, कलाओं की परंपरा में कठपुतली नृत्य का विशेष महत्व है। आज साइबर दुनिया में वैश्वीकरण की आपाधापी में हमारी आने वाली भावी पीढ़ी को हमारी इस स्वर्णिम विरासत से परिचित कराना बेहद आवश्यक हो गया है। हमारी लोकजीवन, संस्कृति, कला, परंपरा आदि का प्रत्येक पक्ष इतना प्रबल व सशक्त है कि संवेदनहीन व्यक्ति भी संवेदना के तीव्र उद्वेग को उत्पन्न कर सकता है। भारतीय कला और कलाकृतियां व्यक्ति की आत्मा को झंझोड़ने की क्षमता रखती है।

उदयपुर शहर में विश्व विख्यात 'भारतीय लोक कला मण्डल' में इसकी स्थापना के साथ ही कठपुतली कला को विश्वव्यापी बनाने के स्तुत्य प्रयास किए हैं। कई कलाकारों को कठपुतली प्रदर्शन का प्रशिक्षण विश्व स्तर पर यहां प्राप्त हुआ है। भारतीय संस्कृति, चिंतनपरंपरा, धर्म, अध्यात्म और दर्शन के मिश्रण ने कठपुतली कला को संप्रेक्षणीय बनाया है। यह सच है कि भारतीय कला परंपराओं का संरक्षण उनके लगातार प्रदर्शन से ही संभव हो सकता है। देश में साक्षरता अभियान, बाल-विवाह, स्वच्छ भारत मिशन अभियान, मतदान के लिए जागरुकता अभियान जैसे आमजन को उनकी अपनी संस्कृति की भाषा में जागरूक करने के लिए कठपुतलियां माहौल को जीवंत कर देती हैं।

कला का क्षेत्र आज बहुत व्यापक हो गया है, इसमें निरंतर नई दृष्टि से कलाओं के नवीन स्वरूप का सृजन हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में परंपरागत रीति-रिवाजों पर आधारित कठपुतली के खेलों में काफी परिवर्तन हो गया है। अब यह खेल गांवों, मोहल्लों, सड़कों, गलियों में न होकर थियेटरों, बड़े-बड़े मुक्ताकाशी रंगमंचों व सितारा होटलों में होने लगा है। इसके बावजूद राजकीय संरक्षण व पोषण के अभाव में इस लोक-कला के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब गांव-मोहल्लों में कहीं कठपुतली का खेल नजर नहीं आता। कठपुतलियां केवल सजावटी वस्तु के रूप में ही खरीदी जा रही हैं। कठपुतली कला के संरक्षण-संवर्धन के लिए व्यापक प्रयत्नों की दरकार है। नए आयाम, नए प्रतिमान, नए मायने और नई तकनीकों की खोजकर कठपुतली कला और कलाकारों को राज्याश्रय मिलना ही चाहिए।

प्रभु श्रीराम के बाल्यकाल की कहानियां सुनाता अयोध्या का दशरथ महल

धार्मिक दृष्टिकोण से विश्व में भारत राम के देश के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां राम की जन्मस्थली अयोध्या है। यह दुनियाभर के हिंदू धर्मावलंबियों के आस्था का केंद्र है। यहां और भी स्थल हैं, जो भगवान राम से जुड़े हैं और वे उनके बचपन की कहानियां सुनाते हैं। इसी में एक दशरथ महल है, जहां के बारे में कहा जाता है कि बाल्यावस्था में राम यहीं पैजनिया पहनकर ठुमकते हुए चलते थे। रामायण में भी इसका वर्णन है "ठुमक चलत रामचंद्र पहने पैजनिया"।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

जब चांद के लिए हठ करने लगे प्रभु श्रीराम

वह दशरथ महल ही है, जहां माता कौशल्या की गोद में पैजनिया पहने ठुमक कर चलते सकल ब्रह्मांड के नायक भगवान राम अपने पिता राजा दशरथ से चांद पाने का हठ कर लेते हैं और राजा दशरथ थाली में जल भरकर रामलला को चंद्रमा के प्रतिबिंब को पकड़ लेने को प्रेरित करते हैं। बाल्य अवस्था के राम चंद्रमा को पकड़ने के लिए थाली भरे पानी में छपकोइया खेलते रहते हैं। भगवान राम के बाल्यअवस्था का यह दृश्य हर किसी को मोहित करता है। यह वही दशरथ महल है, जो 500 साल के पराभव काल के दौरान भी मौजूदा रामजन्म भूमि क्षेत्र पर श्रीराम के मंदिर होने के साक्ष्यों की गवाही देता रहा।

सभी धार्मिक ग्रंथों में है दशरथ महल का वर्णन

दशरथ महल के महात्म्य का वर्णन राम से जुड़े सभी ग्रंथों में है। चाहे वाल्मीकि रामायण हो, महान कवि तुलसीदास कृत रामचरित मानस हो या रामानंद सागर कृत रामायण टीवी सीरियल ही क्यों न हो, रामलला के बाल्यकाल के सुलभ हठ, किलकारियां, हंसने-मुसकुराने, रोने-मनाने की लीलाओं का संबंध जिस दशरथ महल के प्रांगण से था इसका उल्लेख सबमें है। यह त्रेतायुग से लेकर आज तक भी यथावत है। भव्य मंदिर में बालस्वरूप रामलला के विराजते ही दशरथ महल का यह प्रांगण भी भाव विह्वल हो उठा।

2021 में हुआ दशरथ महल का जीर्णोद्धार

अयोध्या में चूंकि सभी मंदिर और मसलें जीर्ण-क्षीर्ण थे, दशरथ महल भी खस्ताहाल था। जब भव्य राम मंदिर के निर्माण की बारी आई तभी 2021 में दशरथ महल का भी पुनरोद्धार हुआ। हालांकि वर्ष 2013 में अखिलेश सरकार ने भी इसके जीर्णोद्धार के लिए 2.04 करोड़ का बजट जारी किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से दशरथ महल के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका और वह बजट धरा का धरा गया। शायद उस वक्त की सरकार व उच्च प्रशासन में 'राम काज कीजै बिना मोहे कहां विश्राम' जैसी इच्छा शक्ति का अभाव था।

योगी सरकार ने यहां उपलब्ध कराई तमाम सुविधाएं

योगी सरकार ने दशरथ महल के जीर्णोद्धार व सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को अमली जामा पहनाते हुए करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर यहां सत्संग भवन, प्रवेश द्वार, रैन बसेरा व दर्शनार्थी सहायता केंद्र के निर्माण- पुनरोद्धार व सुदृढ़ीकरण कर इसकी ऐतिहासिक खूबसूरती को बहाल कर दिया है। यहां निर्मित 650 स्क्वायर मीटर में बने सत्संग भवन में लगभग 300 से 350 सत्संगी एक साथ कीर्तन-भजन कर सकेंगे। दशरथ भवन की तरफ श्रद्धालुओं को भौतिक रूप से आकर्षित करने के लिए जगमगाती लाइटिंग सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां श्रीराम के जीवन को चित्रित करते हुए वाल पेंटिंग, रामचरित मानस के दोहे लिखे हैं। दशरथ महल का भव्य प्रवेश द्वार अपने पुराने वैभव को संरक्षित करते हुए यह आधुनिकता की चासनी से भी लैश है। खंभों और दीवारों पर लंबे समयावधि तक टिकाऊ रहने वाले पेंट-कोटिंग की परत चढ़ाई गई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए विशेष दर्शनार्थी सहायता केंद्र भी स्थापित है, जो यहां की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक योगदान व आध्यात्मिक महत्व के बारे में अवगत कराता है।

व्यवस्था पर चोट और व्यंग्य का ताना बाना: जी लो जिंदगी व राजा मूंछो सिंह

हल्द्वानी के सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रंगमंच की एक ऐसी शाम सजी, जिसने दर्शकों को हंसी और विचार दोनों से भर दिया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, शैलनट और आनंदा अकादमी हल्द्वानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह की अभिनय एवं नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला की परिणति स्वरूप दो नाटकों का भव्य मंचन हुआ।

कार्यशाला में प्रशिक्षित कलाकारों में अधिकांश पहली बार मंच पर उतरे थे, किंतु एनएसडी के रंगकर्मी चंदन बिष्ट, चित्रा बिष्ट और शैलनट के संस्थापक श्रीश डोभाल के मार्गदर्शन ने उन्हें ऐसा आत्मविश्वास और परिष्कार दिया कि दर्शक उनकी नवीनता भूल बैठे। अभिनय की सहजता और संवादों की पैनी पकड़ इस बात का प्रमाण थी कि एक माह का यह अभ्यास किसी गहन साधना से कम नहीं रहा। पहला नाटक जी लो जिंदगी, रूस के प्रसिद्ध नाटककार निकोलाई एडमैन की द सुसाइड से प्रेरित था। यह नाटक एक बेरोजगार युवक गुमान सिंह (अथर्व नेगी) की कथा है, जो सास (योगिता भंडारी) और समाज के तानों से जूझते हुए जीवन से हार मान लेता है। विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के स्वार्थपूर्ण शोषण से निराश गुमान आत्महत्या जैसा कदम उठाने को बाध्य होता है, किंतु जीवनसंगिनी गीता (संस्कृति लोहनी) का सहयोग और आत्मचिंतन उसे नए उद्देश्य की ओर ले जाता है। गुमान सिंह के रूप में अथर्व नेगी ने अपनी गहन संवेदना से दर्शकों को बांधे रखा, वहीं संस्कृति लोहनी और योगिता भंडारी ने अपने पात्रों को प्राणवान बना दिया। गौरव जोशी ने ठेकेदार के रूप में नाटक में तीखापन और धार जोड़ी। यह नाटक न केवल बेरोजगारी की पीड़ा, बल्कि व्यवस्था की खोखली परतों और स्वार्थी संगठनों पर करारा व्यंग्य था।

दूसरा नाटक राजा मूंछो सिंह एक हल्का-फुल्का व्यंग्य था, जो गंभीर संदेश भी छोड़ गया। राजा (ज्योति जीना) अपनी मूंछों को ही अपनी सत्ता और शान मान बैठता है। नतीजा-राजाज्ञा से सब कुछ मूंछों वाला होना चाहिए, पलंग से लेकर बच्चों के खिलौनों तक। दरबार में मंत्री, कवि, प्रजा सब मूंछों की प्रशंसा में गीत गाते और लाभ उठाते हैं। यहां तक कि चोर-उचक्के भी मूंछों पर कविता सुनाकर सजा मुक्त हो जाते हैं। इस रंग-व्यंग्य के बीच जब एक पड़ोसी राज्य का जासूस नाई बनकर मूंछें काट देता है, तब राजा को अपने कर्तव्य का बोध होता है कि राजधर्म शान-शौकत में नहीं, प्रजाहित में है। रानी (गुंजन अधिकारी) और नटी (मयाली पांडे) व दुश्मन देश के सैनिक के रूप में वैभव बेलवाल ने अपने सहज और चुलबुले अभिनय से नाटक को जीवंत बनाया। दोनों प्रस्तुतियां दर्शाती हैं कि मंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज का आईना और प्रश्न करने का माध्यम भी है। जी लो जिंदगी जहां व्यवस्था और बेरोजगारी की चुभन को उघाड़ता है, वहीं राजा मूंछो सिंह व्यंग्य और हंसी के जरिए सत्ता के असली कर्तव्यों की याद दिलाता है। हल्द्वानी की इस रंग-संध्या ने सिद्ध कर दिया कि थोड़े समय की सघन साधना भी यदि सही मार्गदर्शन और समर्पण से हो तो वह मंच पर अद्भुत प्रभाव छोड़ सकती है।

हरीश अप्रेती करन
लेखक

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,926.75	25,108.30
बढ़त	136.63	30.65
प्रतिशत में	0.17	0.12

सोना 1,24,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2230, रविन्द्रा 2485, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1975, सचिन 2030, सूरज 1975, अवसर 1900, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1905, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2300, ब्लू 2135, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5100, मसूरी- 1900, बासमती- 9100, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 6900, मूंग साबुत- 8800, राजमा- 12100-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6200, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 8900

भारत-अमेरिका समझौते पर वार्ता जारी

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा- नवंबर में दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता पूरी होने की संभावना

दोहा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। नवंबर में वार्ता पूरी करने की संभावनाएं हैं।

गोयल ने अगले दौर की व्यापार वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होने की संभावना पर कहा कि हर संभावना मौजूद है, लेकिन अमेरिका में इस समय 'शटडाउन' यानी विभागों के लिए वित्त पोषण पर सहमति नहीं होने से कामकाज ठप होने से यह देखना बाकी है कि अगले दौर की वार्ता कैसे, कहां और कब हो सकती है। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि अमेरिका में आजकल सरकार 'शटडाउन मोड' में है, तो उसके मददेनजर देखना पड़ेगा कि कैसे बातचीत हो सकती है, कहां हो सकती है, और कब हो सकती है। अमेरिका में एक अक्टूबर की आधी रात से कुछ विभागों में कामकाज ठप है। इसका कारण कांग्रेस (अमेरिकी संसद) वित्त पोषण विधेयक पारित करने में विफल रही है। सैद्धांतिक रूप से, इसका मतलब है कि कई सरकारी कर्मचारियों को अभी वेतन नहीं मिलेगा और सेवा केंद्र बंद हैं। हालांकि, रक्षा और सामाजिक क्षेत्र के कार्य जारी रहेंगे।

कतर में बैठक के दौरान कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल-सौवेदी से बातचीत करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

वाणिज्य सचिव करेंगे ब्रसेल्स की यात्रा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जारी वार्ता को गति देने के लिए यूरोपीय आयोग के महानिदेशक (व्यापार) सबाइन वेयंड से मिलने के लिए इस सप्ताह ब्रसेल्स जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ और भारत के बीच काफी अच्छी चर्चा जारी है। भारत एक-दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए मिलकर काम करने की उम्मीद करता है ताकि दोनों पक्ष एक न्यायसंगत, निष्पक्ष एवं संतुलित मुक्त व्यापार समझौता कर सकें। मंत्री दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह भारत और कतर के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

गोयल एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि हम (व्यापार समझौते पर) अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं। दोनों पक्ष वार्ता समाप्त करने के लिए नवंबर की समय-सीमा पर उन्होंने कहा कि इसकी पूरी संभावना है। गत माह गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए न्यूयॉर्क में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। इसके बाद भारत अमेरिका ने द्विपक्षीय समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष के लिए वार्ता जारी रखने का निर्णय लिया।

भारतीय कंपनियों से साझेदारी पर कतर में काफी उत्साह

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह है। यह उत्सुकता न केवल दोनों देशों में निवेश के लिए है, बल्कि तीसरे देशों की परियोजनाओं में सहयोग के लिए भी है। उन्होंने कहा कि कतर स्थित अल बालाघ, लार्सन एंड टुब्रो का भागीदार है। उन्होंने कतर में परियोजनाएं पूरी की हैं, और अब उनकी तीसरे देशों में भी इसी तरह की परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। अल बालाघ के चेयरपर्सन शेरिदा साद जुबरान अल काबी से मुलाकात के बाद उन्होंने यह बात कही। गोयल कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल सोवैदी से भी मुलाकात की। गोयल ने कहा कि कतर सरकार तीसरे देशों की परियोजनाओं पर भी विचार कर रही है और मुझे बताया गया कि कतर विकास बैंक वित्तपोषण की गारंटी देने को तैयार है। भारतीय कंपनियों को कतर के व्यापारियों से साझेदारी के लिए ऐसी गारंटी वाले वित्तपोषण पर विचार करना चाहिए। ये साझेदारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत कतर मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देंगे।

भारत को पड़ोसी देशों से व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को चीन सहित अपने पड़ोसियों के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुब्रह्मण्यम ने यह भी संकेत दिया कि जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा के नेतृत्व वाली समिति ने इन सुधारों पर अपनी रिपोर्ट पहले ही जमा कर दी है। उन्होंने कहा कि पूरा यूरोपीय संघ अपने भीतर 50 प्रतिशत व्यापार करता है, जबकि बांग्लादेश भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और नेपाल शीर्ष 10 में हुआ करता था। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की जरूरत बतायी।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम एक बहुत ही कठिन भौगोलिक क्षेत्र में हैं। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार कौन हैं? मेक्सिको और कनाडा। यह स्वाभाविक है। अगर आपके पड़ोसी देशों के साथ मजबूत व्यापारिक व्यवस्थाएं नहीं हैं, तो आप वास्तव में नुकसान में हैं... अगर आप प्रतिस्पर्धी हैं, तो वे आपका सामान खरीदेंगे। चीन से निवेश पर प्रतिबंध हटाने पर उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि चीन, भारत के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

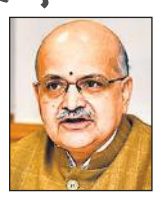

- **सुब्रह्मण्यम बोले- चीन 18,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता**
- **जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा किए जाने के दिए संकेत**

आपको प्रतिस्पर्धा और बेचने में सक्षम होना चाहिए

नीति आयोग के सीईओ ने यहां 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' का शुभारंभ करने के बाद कहा कि एशिया पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। इससे कोई बच नहीं सकता। अगर आप चीन को ज्यादा कुछ नहीं बेच पा रहे हैं, तो क्या फायदा, क्योंकि यह 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है - आप उस अर्थव्यवस्था से बच नहीं सकते। आपको प्रतिस्पर्धा करने और बेचने में सक्षम होना चाहिए। अच्छे देशों का चीन के साथ व्यापार अधिशेष है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि जब दुनिया भर में कारखाने और नौकरियां स्थानांतरित हो रही थीं, तब भारत की जगह वियतनाम ने इस मौके का फायदा उठा लिया।

घरों की बिक्री में मामूली बढ़ोत्तरी, उच्चतम स्तर पर पहुंची आवास मांग : नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख आवास बाजारों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। साथ ही रियल एस्टेट परामर्शदाता फर्म ने कहा कि भले ही किसी प्रकार की सुस्ती के संकेत नहीं हैं, लेकिन आवासीय संपत्तियों की मांग अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचती हुई नजर आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में 87,603 आवास इकाइयों की बिक्री हुई, जो गत वर्ष की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। आवासीय ऋण की ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और बजट में दिए कर प्रोत्साहनों से बिक्री की रफ्तार बनी रही। 22 सितंबर से जीएसटी दरों में हुई कटौती

से उपभोक्ता धारणा में आए सुधार का असर देखने को मिलेगा। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत का आवासीय बाजार पांचवें वर्ष वृद्धि के चक्र में है। हालांकि सालाना आधार पर वृद्धि दर सामान्य है और बाजार लंबे स्थिर चरण में प्रवेश कर सकता है। नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत की कटौती व आयकर एवं जीएसटी दोनों में किए सरलीकरण से उपभोक्ता धारणा को मजबूती मिली है।

सरकार फिर बढ़ा सकती है पीएम-कुसुम की समय-सीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार पीएम-कुसुम योजना की समयसीमा फिर बढ़ा सकती है क्योंकि इस पहल के दो प्रमुख घटक अपने लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी हासिल नहीं कर पाए हैं। आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) 2019 में शुरू हुई थी। इसका लक्ष्य 2022 तक 30,800 मेगावाट की सौर क्षमता जोड़ना था। इसमें कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए सेवा शुल्क सहित 34,422 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल थी। केंद्र ने बाद में पीएम-कुसुम योजना को मार्च 2026 तक बढ़ा दिया क्योंकि वैश्विक महामारी से इसका कार्यान्वयन प्रभावित हुआ था। लक्ष्य को भी संशोधित कर 34,800 मेगावाट कर दिया था। सूत्र ने बताया कि तय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पीएम

- **योजना के दोनों प्रमुख घटक लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी नहीं कर सके हासिल**

कुसुम के कार्यान्वयन की समय-सीमा को और बढ़ाने के आसार हैं। यह योजना का दूसरा विस्तार होगा। आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के किसी भी घटक ने 100% लक्ष्य हासिल नहीं किया है। यद्यपि योजना का घटक 'ख' (मार्च 2026 को समाप्त) नौ सितंबर तक लक्ष्य का 71% पूरा कर पाया है। घटक 'क' ने 6.5% की वृद्धि दर्ज की है। घटक 'ग'- व्यक्तिगत पंप का सौरीकरण (आईपीएस) एवं घटक 'ग' - फीडर स्तरीय सौरीकरण (एफएलएस) ने क्रमशः 16.5 प्रतिशत और 25.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, घटक 'क' छोटे सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करके 10,000 मेगावाट सौर क्षमता की स्थापना से जुड़ा है। घटक 'ख' 14 लाख ऑफ-ग्रिड एकल सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना और घटक 'ग' 35 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण से संबद्ध है। घटक 'क' के तहत 650.49 मेगावाट क्षमता स्थापित की गई है। दूसरी ओर घटक 'ख' के तहत 12.72 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड सौर पंप स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 9.03 लाख स्थापित किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय

सभी राज्य पैदल यात्रियों के लिए बनाएं नियम

उच्चतम न्यायालय ने छह महीने में सड़क सुरक्षा नियम बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर गैर-मोटर चालित वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही को विनियमित करके छह महीने के भीतर सड़क सुरक्षा नियम बनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 138 (1ए) और 210डी के तहत ऐसे नियम बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे सार्वजनिक स्थानों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर गैर-यांत्रिक वाहनों और पैदल यात्रियों की गतिविधियों और पहुंच को विनियमित करने के उद्देश्य से मोटर वाहन अधिनियम की धारा

138 (1ए) के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा अन्य सड़कों के लिए मानकों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए अधिनियम की धारा 210डी के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं और अधिसूचित करें, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। यह निर्देश कोयंबटूर निवासी सर्जन एस राजसीकरन की याचिका पर आया, जिन्होंने भारत में बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रकाश डाला था। याचिका में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया।

आरजी कर मामले की सुनवाई नवंबर तक टाली

उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई नवंबर तक के लिए टाल दी। कोलकाता की निचली अदालत ने इस मामले में 20 जनवरी को दोषी संजय रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई स्थगित कर दी, क्योंकि वह अन्य मामलों की सुनवाई में व्यस्त थी। कनिष्ठ और वरिष्ठ चिकित्सकों के संगठन के अधिवक्ता करुणा नंदी ने दलील दी कि प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों को पुलिस पूछताछ के लिए बुला रही है।

करूर भगदड़ की सीबीआई जांच पर 10 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगा, जिसमें 27 सितंबर को करूर में अभिनेता और टीवीके संस्थापक विजय की रैली में हुई भगदड़ की सीबीआई जांच से इन्कार कर दिया था। रैली में भगदड़ से 41 लोगों की मौत और 60 लोग घायल हो गए थे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की अपील पर संज्ञान लिया। वकील ने पीठ को बताया, सीबीआई जांच वाली याचिका खारिज कर दी गई है जबकि एकल न्यायाधीश ने कहा है कि वह भगदड़ की जांच से संतुष्ट नहीं हैं।

न्यायिक अधिकारियों का मुद्दा संविधान पीठ भेजा

उच्चतम न्यायालय ने अधीनस्थ अदालतों के न्यायिक अधिकारियों के करियर में ठहराव से जुड़े मुद्दों को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सौंप दिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश स्तर के पदों पर शामिल होने वालों के लिए उपलब्ध सीमित पदोन्नति पर ध्यान देने के लिए व्यापक समाधान की जरूरत है। इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले जारी नोटिसों के जवाब में कई उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे।

देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : राजनाथ

- **बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर ध्यान दे रही सरकार**

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश ने 2024-25 के अंत तक घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ रुपये के सैन्य उपकरण व हथियार खरीदे हैं। उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सिंह ने कहा कि सरकार युद्ध के बदलते स्वरूप खासतौर पर ड्रोन जैसे 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' (दूरस्थ युद्ध तकनीक) के महत्व को समझती है और उसके अनुसार तैयारी कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने

विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

के लिए भारत के अपने रक्षा उद्योगों को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2021-22 में घरेलू स्रोतों से हमारी पूंजीगत खरीद 74,000 करोड़ रुपये की थी, लेकिन 2024-25 के अंत तक यह बढ़कर 1,20,000 करोड़ रुपये हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन का भी प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने 10 वर्षों में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। अब सैन्य हार्डवेयर की खरीद में घरेलू स्रोतों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति से भली-भांति परिचित है। आज का युद्ध पूरी तरह प्रौद्योगिकी-आधारित हो चुका है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने प. बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेश सीमा के पास से 1.09 करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। बल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुर्शिदाबाद जिले में चारभद्र अग्रिम सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 146 बटालियन ने सोमवार रात सीमा के पास खेत में छिपाकर रखे आठ सोने के बिस्किट जब्त किए। सोने का वजन 832.550 ग्राम है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 1.09 करोड़ रुपये है। तलाशी के दौरान बीएसएफ को घास की ढेरी असामान्य रूप से रखी दिखाई दी और क्षेत्र को खोदा गया तो लाल कपड़े में लिपटे सोने के आठ बिस्किट मिले।

24,634 करोड़ के चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24,634 करोड़ की चार मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से गुजरने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी।

इन परियोजनाओं में महाराष्ट्र के वर्धा से भुसावल के बीच 314 किमी की दूरी को कवर करने वाली तीसरी और चौथी लाइन हैं, महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश में रतलाम के बीच 259 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइन, और मध्य

- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने दी मंजूरी, मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी**

प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन शामिल हैं। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या 85.84 लाख है, तथा दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक रेल संपर्क में वृद्धि होगी।

टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक उरांव पर किया हमला

अलीपुरद्वार। भाजपा विधायक मनोज उरांव पर मंगलवार को अलीपुरद्वार में बाढ़ राहत सामग्री बांटते टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया। इससे एक दिन पहले ही जलपाईगुड़ी में भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं पर भीड़ ने हमला किया था।

इस घटना में घायल हुए उरांव ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं के समूह ने उन पर और उनके समर्थकों पर उस समय हमला किया, जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र कुमारग्राम में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के बीच राहत सामग्री बांट रहे थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उरांव ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों की मदद करते समय, मुझे अचानक घेर लिया गया और हमला किया गया। टीएमसी ने आरोपों से इन्कार किया और उन्हें निराधार बताया।

दो और बच्चों की गई जान, मृतकों की संख्या हुई 16

कफ सिरप से मौत

- **किडनी में संक्रमण से पीड़ित दोनों बच्चों का नागपुर में चल रहा था इलाज**

छिंदवाड़ा, एजेंसी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 'दूषित' कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित दो और बच्चों की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही जिले में अब तक कुल 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार छिंदवाड़ा के इन बच्चों की मौत किडनी के फेल होने से हुई है, जो विषाक्त कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से जुड़ी है। छिंदवाड़ा के अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने कहा कि अभी तक हमारे छिंदवाड़ा जिले में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। दो वर्षीय मृतक बच्ची जयुषा यदुवंशी जिले के जुन्नारदेव की थी और एक हफ्ते से नागपुर के शासकीय चिकित्सालय में भर्ती थी। एडीएम ने बताया कि छिंदवाड़ा के छह बच्चों का नागपुर के कई अस्पतालों में इलाज जारी है और इनमें से पांच की हालत गंभीर है। सोमवार को तामिया ब्लॉक के भरियाढना गांव की ढाई साल की धानी डहेरिया की नागपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने बताया कि चिकित्सक द्वारा दिए कोल्ड्रिफ सिरप के सेवन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई थी और उसकी किडनी फेल हो गई। डहेरिया का इलाज पहले परासिया में डॉक्टर प्रवीण सोनी के पास कराया गया था लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे नागपुर में भर्ती कराया गया।

मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित बच्चों के इलाज का खर्च करेगी वहन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार छिंदवाड़ा और बैतूल में कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित बच्चों के इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप से हुए किडनी संक्रमण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर के कई अस्पतालों में नौ बच्चों का इलाज चल रहा है, जिनमें से सात छिंदवाड़ा और दो बैतूल के हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को निर्देश दिया कि प्रशासन बच्चों के इलाज का खर्च वहन करे। नागपुर के अस्पतालों में कार्यपालक दंडाधिकारी और चिकित्सकों की संयुक्त टीम तैनात है। बच्चों के इलाज की उचित व्यवस्था को टीम प्रभावितों और अस्पतालों के साथ संपर्क में है।

पंजाब ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने मध्य प्रदेश में मिलावटी दवा के सेवन से हुई बच्चों की मौत के मद्देनजर कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब सरकार के खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि कार्यालय के संज्ञान में आया कि सरकारी विश्लेषक, औषध परीक्षण प्रयोगशाला और एफडीए, मध्य प्रदेश द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को मानक गुणवत्ता का नहीं घोषित किया गया है। दवा का बैच नंबर एसआर-13 है, जिसका निर्माण श्रीसन फार्मास्युटिकल, बैंगलोर हाईवे, सुंगुवरचत्रम (मथुरा), कांचीपुरम जिला, तमिलनाडु द्वारा किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका: भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

ह्यूस्टन। टेक्सास के 23 वर्षीय युवक को फोर्ट वर्थ गैस स्टेशन पर शुक्रवार रात को एक भारतीय छात्र की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस घटना से स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय दहशत में है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने चंद्रशेखर पोल (28) को तब गोली मार दी जब वह अपनी पार्ट-टाइम ड्यूटी कर रहा था। इसके बाद संदिग्ध घटनास्थल से फरार हो गया लेकिन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। संदिग्ध की पहचान नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के रिचर्ड फ्लोरेज के रूप में हुई है। गोलीबारी के बाद फ्लोरेज ने लगभग एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोली चलाई, हालांकि इसमें किसी को चोट नहीं आई।

सूडान : आरएसएफ के हमले में 13 लोग मारे गए

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशर में सोमवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा आवासीय इलाकों को निशाना बनाकर की गई गोलाबारी में कम से कम 13 नागरिक मारे गए और 19 घायल हो गए। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि हताहतों में सात बच्चे और एक गर्भवती महिला शामिल हैं और प्रभावित इलाकों में और भी शव और घायल लोग फंसे हुए हैं, जिनकी सही संख्या अज्ञात है। इसने हमले को एक पूर्ण युद्ध अपराध बताया। एल फशर के सऊदी अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि चिकित्सा कर्मचारियों की भारी कमी के बीच अस्पताल में 12 शव और 20 घायल व्यक्ति आए।

सिख श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता सुरक्षा का दावा

लाहौर। पाकिस्तान ने अगले महीने गुरु नानक देव का 556वां प्रकाश पर्व मनाने के लिए आने वाले सिख तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के वास्ते पुख्ता इंतजाम किए हैं। पाकिस्तान के पंजाब सूबे की सरकार के गृहविभाग में मंगलवार को पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई। ईटीपीबी के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने बताया, बैठक में बताया गया कि यात्रियों के लिए पूर्ण सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन और गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित किए जाएंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होंगे इमरान

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान मंगलवार को पंजाब सरकार से मंज़ूरी मिलने के बाद 9 मई 2023 के दंगों से जुड़े मामलों में वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए अदालत में पेश होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, मरियम नवाज सरकार ने इमरान खान को 9 मई 2023 की हिंसा से जुड़े 11 मामलों में वीडियो लिंक के ज़रिए आतंकवाद निरोधक अदालत में पेश होने की अनुमति दे दी। खान के ख़िलाफ़ दर्ज ज्यादातर मामलों में उन्हें नौ मई के दंगों का प्रमुख साजिशकर्ता बताया गया है।

नेपाल: पूर्व पीएम ओली और गृहमंत्री लेखक पर प्राथमिकी

काठमांडू, एजेंसी

● प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों पर जवाबदेही तय करने की मांग

नेपाल में युवाओं के नेतृत्व वाले जेन जी समूह ने अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही तय करने की मांग की है।

काठमांडू जिला पुलिस सर्कल के प्रवक्ता व पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने पुष्टि की कि ओली और लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय भद्रकाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग पहले ही गठित किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने यह प्राथमिकी न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्चस्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, ओली और लेखक की जवाबदेही तय होगी और आठ व नौ सितंबर को किए गए अपराध की जांच का रास्ता साफ होगा। उल्लेखनीय है कि आठ और नौ सितंबर को जेन जी समूहों के आंदोलन के दौरान 76 लोगों की मौत हुई थी।

उद्देश्य पूरे करने में लगातार विफल

सरकारी विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रावास में शराब की बोतलें मिलने की घटना पर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताना संकेत है कि सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में किस कदर गिरावट आ रही है। दरअसल, किसी सरकारी विश्वविद्यालय में यह अपनी तरह की की एक घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में आई रिपोर्टों, सरकारी जांचों और मीडिया कवरेज पर गौर किया जाए तो साफ पता चलता है कि देश भर के शिक्षण संस्थानों में अनुशासनात्मक और प्रशासनात्मक व्यवस्था गंभीर रूप से क्षीण हो चुकी है। नतीजा यह है कि देश के ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति कर पाने में नाकाम हो चुके हैं और वैश्विक स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में उनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल करना न पूरा हो पाने वाला सपना बन चुकी है। राजनीतिक दखलंदाजी ने हालात और खराब किए हैं। इन विश्वविद्यालयों को जरूरत के मुताबिक वित्तीय निवेश भी नहीं मिल पा रहा है।

सबसे गंभीर चुनौतियां

- यूजीसी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 60% से अधिक सरकारी विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त धन की कमी है। इससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।
- वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास और डिजिटल संसाधनों की कमी है या वे काफी पुरानी अवस्था में हैं।
- अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में 30 से 40% तक फैकल्टी पद रिक्त हैं। यूजीसी के अनुसार दिल्ली, पटना और राजस्थान विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानों में सैकड़ों पद खाली पड़े हैं।
- शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 40% विश्वविद्यालय भवन खस्ताहाल पाए गए। कुछ जगह पुस्तकालयों में 10 साल पुराने पाठ्यक्रम की किताबें प्रमुख रूप से मौजूद थीं।

शोध-नवाचार में पिछड़ापन

- अपर्याप्त फंडिंग, शोध के लिए प्रोत्साहन की कमी और पेपर प्रकाशन में नौकरशाही की अड़चनों के कारण भारत के सरकारी विश्वविद्यालय वैश्विक रैंकिंग में लगातार पीछे हैं।
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में केवल कुछ आईआईटी और आईआईएससी ही शीर्ष 500 में जगह पा सके हैं, जबकि पारंपरिक राज्य विश्वविद्यालय लगभग अनुपस्थित हैं।

अनियमितताओं की श्रृंखला

- सीएजी की 2023 में आई रिपोर्ट से कई विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनियमितताएं और बजट का गलत उपयोग सामने आया।
- यूजीसी की एक निरीक्षण रिपोर्ट में पाया गया कि कई संस्थानों में नियुक्तियां बिना पारदर्शिता हुई, मानकों का पालन नहीं हुआ।
- कुछ विश्वविद्यालयों में प्रबंधन समितियों के बैठक रिकॉर्ड अधूरे या गायब पाए गए। आरटीआई के जवाबों में भी अनिमितताएं।
- यूजीसी के अनुसार 2024 में 30% सरकारी विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम पांच साल से अधिक समय से अपडेट नहीं

व्यवहारिक शिक्षा का अभाव

- कौशल आधारित शिक्षा और रोजगारपरक कोर्स की कमी के कारण सरकारी विश्वविद्यालयों के स्नातक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाते। सामान्य शिक्षा भी गुणवत्ताहीन।
- एआईसीटीई व नीति आयोग की ओर से वर्ष 2023 में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी विश्वविद्यालयों से निकलने वाले 60% छात्र स्किल्स में भी औसत उससे से कमतर हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप

- कई विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक प्रभाव बढ़ा है।
- इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता के साथ विश्वविद्यालयों के नीतिगत निर्णयों पर गंभीर असर पड़ा है।

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर

जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पड़ोसी देश को दिया तीखा जवाब

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने रखा भारत का पक्ष।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने सोमवार को उसे अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला और संगठित नरसंहार करने वाला देश बताया। भारत की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडे से कश्मीरी महिलाओं को बाहर रखना इसकी वैधता और सार्वभौमिकता को कमजोर करता है।

'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी। हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है। उन्होंने कहा, जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है।

गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे। हरीश ने रूस की अध्यक्षता वाली इस बैठक में कहा कि भारत का 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडा पर रिकॉर्ड निर्मल और बेदाग है। पाकिस्तान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि भारत इस एजेंडा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता रखता है और खास तौर पर 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने और सामूहिक समाधान विकसित करने को तत्पर है।

उन्होंने कहा कि भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में निरंतर भूमिका उसकी वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बताया, 1960 के दशक में ही भारत ने कांगो में महिला चिकित्सकों को तैनात किया, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की शुरुआती भागीदारी में से एक थी। यह मात्र प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि यह स्वीकार्यता थी कि शांति स्थापना में महिलाओं की दृष्टि और कौशल आवश्यक हैं।

भारत की सतत भूमिका का भी किया जिक्र

भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बताया कि फरवरी 2025 में भारत ने 'ग्लोबल साउथ' की महिला शांति सैनिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें 35 देशों की महिला शांति रक्षकों ने भाग लिया था। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

गुतारेस ने शांति वार्ताओं में महिलाओं की अनुपस्थिति पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर चिंता जताई कि महिलाएं अक्सर शांति वार्ताओं से अनुपस्थित रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब शांति प्रयासों में महिलाओं की समान भागीदारी वाले संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक प्रस्ताव को जारी हुए 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने भी चिंता जताई कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 67.6 करोड़ महिलाएं घातक संघर्षों के 50 किलोमीटर के दायरे में रह रही हैं। यह संख्या 1990 के दशक के बाद से सबसे अधिक है। यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, पूरी दुनिया में हम सैन्य खर्च में परेशान करने वाले रुझान, अधिक सशस्त्र संघर्ष और महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ और भी अधिक चौंकाने वाली क्रूरता देख रहे हैं। गुतारेस ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2000 को इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद सिर्फ नाममात्र की प्रगति हुई है।

अमेरिकी निर्वासन प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की निर्वासन प्रक्रियाएं अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कुछ देशों में प्रवासियों और शरणार्थियों के खिलाफ बढ़ते विरोध की भी आलोचना की। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थियों के लिए उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैंडी ने दुख जताते हुए कहा कि भारी धन कटौती के चलते यूएनएचसीआर को इस साल 5,000 नौकरियां यानी अपने कार्यबल के एक चौथाई हिस्से में कटौती करनी पड़ी है। संभव है कि यह कटौती आगे जारी रहे। ग्रैंडी ने यूएनएचसीआर की कार्यकारी समिति के उद्घाटन के मौके पर कहा, यह साल हम में से किसी के लिए आसान नहीं रहा है लेकिन याद रखें शरणार्थी के लिए कभी कोई साल आसान नहीं होता।

गाजा युद्ध : हमास ने ट्रंप की शांति योजना की कुछ शर्तें स्वीकार कीं

काहिरा, एजेंसी

● हमास के निरस्त्रीकरण और गाजा पर भविष्य के शासन को लेकर अभी अनिश्चतता

इजराइल और हमास के बीच शांति वार्ता मंगलवार को मिस्र के एक रिसॉर्ट शहर में फिर शुरू हो रही है। लाल सागर के शर्म अल शेख रिसॉर्ट में अप्रत्यक्ष वार्ता का दूसरा दिन पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित योजना पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य गाजा में युद्ध को समाप्त करना है।

सोमवार को कई घंटों की बातचीत के बाद मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष पहले चरण की ज्यादातर शर्तों पर सहमत हो गए हैं, जिनमें बंधकों की रिहाई और युद्धविराम शामिल है। इस योजना को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हालांकि, कई अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, जिनमें हमास के निरस्त्रीकरण की मांग और गाजा के भविष्य के शासन की मांग शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से कह रहे हैं कि हमास को आत्मसमर्पण और निरस्त्रीकरण करना होगा, लेकिन हमास ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है कि वह ऐसा करने को तैयार होगा या नहीं।

इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण के बाद इजराइल द्वारा गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुलाए जाने और एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इसके बाद, इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय शासन के अधीन कर दिया जाएगा, जिसकी देखरेख ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ, जब हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में धावा बोलकर लगभग 1,200 लोगों, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे, की हत्या कर दी और 251 लोगों का अपहरण कर लिया।

पाकिस्तान : ट्रैक पर विस्फोट से जाफर एक्सप्रेस बेपटरी

पेशावर। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सिंध प्रांत में मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के कारण पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे उसमें मौजूद तमाम यात्री घायल हो गए। घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

ट्रेन पर इस साल कई बार हमले हो चुके हैं। यह विस्फोट सिंध के शिकारपुर जिले में सुल्तान कोट से सटे सोमरवाह के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि रेलवे पटरियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

क्वेटा और पेशावर के बीच चलने वाली जाफर एक्सप्रेस को हाल के महीनों में कई बार निशाना बनाया गया है, जिसमें मार्च में हुआ हमला सबसे भीषण था। इस साल सितंबर में बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में पटरी पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक डिब्बा क्षतिग्रस्त हो गया और छह अन्य डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस को बंधक बना लिया गया था। इस घटना में 26 लोग मारे गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

● ट्रेन में सवार तमाम यात्री घायल, पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों ने की इलाके की घेराबंदी

टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण, इससे हम अरबों डॉलर कमाते हैं और शांतिदूत भी बन गए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर किया भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के इस्तेमाल को युद्ध रोकने का कारगर उपाय बताते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष समाप्त कराने के अपने दावे को दोहराया। ट्रंप ने कहा, अमेरिका के लिए टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे हम न सिर्फ अरबों डॉलर कमाते हैं, बल्कि इसी की वजह से शांतिदूत भी बन गए हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता तो चार युद्ध अब भी जारी रहते। कहा, भारत और पाकिस्तान को देखें तो वे युद्ध के लिए तैयार थे। सात विमान मार गिराए गए थे। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैंने क्या कहा, लेकिन मैंने जो कहा वह बहुत प्रभावी था। उन्होंने संघर्ष रोक दिया और यह टैरिफ की वजह से हुआ था। इसका आधार व्यापार था। भारत ने इस मामले में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की बात से इन्कार किया है।

जर्मनी: नवनिर्वाचित मेयर पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

बर्लिन। पश्चिमी जर्मनी के एक नगर की नवनिर्वाचित मेयर मंगलवार को अपने घर में खून से लथपथ गंभीर अवस्था में पाई गयीं। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि मेयर एक वीभत्स घटना का शिकार हुई हैं।

आइरिस स्टाल्जर 28 सितंबर को हर्डेक की मेयर चुनी गई थीं। आइरिस वामपंथी मध्यमार्गी 'सोशल डेमोक्रेट्स' पार्टी की सदस्य हैं, जो जर्मनी की कंजरवेटिव नीत सरकार की सहयोगी पार्टी है। पुलिस ने बताया कि आइरिस मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर पर खून से लथपथ हालत में मिलीं, उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने हालांकि जख्मों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बर्लिन में सोशल डेमोक्रेट्स संसदीय समूह के नेता मैथियास मिरश ने बताया, नवनिर्वाचित मेयर आइरिस पर हर्डेक में चाकू से हमला किया गया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर से कल मुंबई में मिलेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● आज पहुंचेंगे स्टार्मर, रणनीतिक साझेदारी पर दोनों में होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय मुंबई यात्रा के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर से मिलेंगे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विविध पहलुओं और व्यापार एवं निवेश के प्रमुख आधार स्तंभों में की गई पहलों में प्रगति का जायजा लेंगे।

बुधवार से शुरू हो रही अपनी यात्रा के दौरान मोदी मुंबई में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। स्टार्मर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद बुधवार को अपनी पहली भारत यात्रा शुरू कर रहे हैं। दोनों नेता बृहस्पतिवार को भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों एवं उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

मोदी और स्टार्मर क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दोनों नेता उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के साथ भी बातचीत करेंगे। बृहस्पतिवार को दोनों नेता 'जियो वर्ल्ड सेंटर' में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' (जीएफएफ) के छठे संस्करण में भी हिस्सा लेंगे और इस अवसर पर लोगों को संबोधित करेंगे।

उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ने की आशा

लंदन। ब्रिटेन के एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्मर की भारत यात्रा से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। मंत्री नारायण ने कहा कि तकनीक के साथ अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन सहयोग के लिए एक असाधारण नींव पहले ही रखी जा चुकी है। नारायण को हाल में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार सौंपा गया है। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 05.53 तक तत्पश्चात द्वितीया 9 अक्टूबर 02.22 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

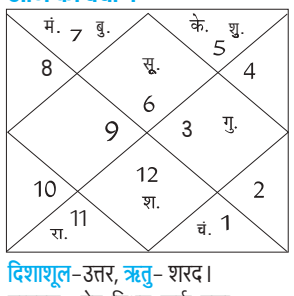

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्विनी 22.44 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज नई नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। समाज में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। व्यवसाय में विस्तार होने से मन अत्यन्त उत्साहित रहेगा। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृष — आज प्रियजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है। किसी बहुप्रतीक्षित कार्य में विलंब हो सकता है। प्रेम-संबंधों में मर्यादा का ध्यान करें। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। शुगर के रोगी अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें।

मिथुन — आज किसी बड़ी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। व्यापार में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ प्राप्त होगा। नए राजनीतिक संपर्क विकसित हो सकते हैं। पति-पत्नी के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ेगा।

कर्क — आज धन के कारण फंसे हुए मामलों का निराकरण हो सकता है। व्यापार में पहले के गई मेहनत का परिणाम प्राप्त होगा। अपनी कार्यप्रणाली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्षेत्र में रणनीति बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी।

सिंह — आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह आपके काफी काम आएगी। लेन-देन के मामलों के लिए दिन शुभ है। नई परियोजनाओं को लेकर उत्साहित रहेंगे। किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं। बुरे व्यसनों से दूर रहें। परिवार के लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा।

कन्या — आज किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से अशांति हो सकती है। आपका मन आनंदित रहेगा। कारोबारियों को मशीनरी आदि को लेकर समस्या होगी। शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिलेगा।

तुला — आज समाज में आपको लोग काफी अच्छी दृष्टि से देखेंगे। दांपत्य जीवन अत्यंत संतुलित रहेगा। परिजन आपके व्यवहार से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। करियर में आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक — आज नौकरी के लिए इंटरव्यू देने वालों को सफलता मिल सकती है। मन की शंकाएं दूर होंगी। लोग आपके सभ्य व्यवहार से आकर्षित होंगे। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि होगी। सभी कार्य पूरी एकाग्रता से करेंगे।

धनु — आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से समय शुभ है। पुराने निवेश से धन लाभ होगा। किसी रिश्तेदार की सहायता से बड़ा काम हो सकता है। वैवाहिक जीवन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा आ सकती है। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे।

मकर — आज करियर में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। मनोरंजन और कला आदि में अत्यधिक रुचि लेंगे। आपके काम की लोग प्रशंसा करेंगे। अनुचित कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा।

कुंभ — आज विदेशी भूमि से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। जिस अवसर को काफी समय से ढूंढ रहे थे, वह आपको प्राप्त हो सकता है। अपने स्वभाव में सौम्यता का भाव रखें।

मीन — आज नई संपत्ति पर निवेश कर सकते हैं। अल्प प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। छोटे बच्चों की शिक्षा को लेकर योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रयोग कर पाएंगे। फाइनेंस को लेकर समस्या दूर होगी।

सुडोकू-123

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				8		2	5	
	5			1			4	
6			5					
		2		6		9		
	1					8	6	
8		9		2		4		
			3		9			6
	3			7			8	
		4		5				

सुडोकू - 122 का हल

9	4	8	6	5	3	2	7	1
7	1	3	4	2	9	8	6	5
6	2	5	1	8	7	4	3	9
1	3	7	2	6	4	9	5	8
4	8	6	9	7	5	1	2	3
2	5	9	3	1	8	6	4	7
5	7	2	8	4	1	3	9	6
8	9	4	7	3	6	5	1	2
3	6	1	5	9	2	7	8	4

हम खेल मंत्री मनसुख मांडविया के समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। उनका प्रोत्साहन हमारे लिए भारत भर में गोल्फ को और अधिक सुलभ और लोकप्रिय बनाने के हमारे मिशन को जारी रखने के लिए एक जबरदस्त प्रेरणा है।

-युवराज सिंह

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार 8 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे टेस्ट में मिल सकती है बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच

नई दिल्ली : दिल्ली में 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच की पिच पर कुछ हिस्सों में घास होगी और कुछ हिस्सों में सपाट सतह होगी, जबकि पहले टेस्ट मैच की अहमदाबाद की पिच पर घास की समतल परत थी। दिल्ली की पिच काली मिट्टी की होगी और बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, तथा सतह धीरे-धीरे सूखने के कारण स्पिन की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। 2019 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने के बाद से भारत की सबसे हरी पिचों में से एक पर पहले टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने के बाद वेस्टइंडीज तीन दिन के अंदर ही हार गया। लाल मिट्टी वाली पिच पर चार मिलीमीटर तक घास बिछी होने और अच्छी उछाल के साथ, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज 44.1 ओवर में ऑल आउट हो गया।

गंभीर की टीम में हार की कोई जगह नहीं : वरुण

मुंबई : स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में ऐसी मानसिकता भरी है जिसमें हार और औसत दर्जे के प्रदर्शन के लिए कोई जगह नहीं बचती। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में भी गंभीर के साथ काम कर चुके चक्रवर्ती ने मंगलवार को सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार से इतर पत्रकारों से कहा मैं उनके साथ आईपीएल में काम कर चुका हूं और हम 2024 में जीते थे। मेरे लिये कुछ नया नहीं है क्योंकि मैं उनके साथ काम कर चुका हूं। मैं उनके बारे में यह कह सकता हूं कि वह टीम को इस तरीके से तैयार करते हैं जिसमें हारने का विकल्प नहीं होता।

ओसाका ने लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन) : नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं, तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया।

अजय वल्लूरी 16वें स्थान पर रहे

फोर्ड (नॉर्वे) : राष्ट्रमंडल चैंपियन भारोत्तोलक अजय बाबू वल्लूरी यहां विश्व चैंपियनशिप में पुरुष 79 किग्रा वर्ग में 16वें स्थान पर रहे। जिससे मीराबाई चानू के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक के बाद भारतीय खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। बीस साल के अजय ने कुल 323 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 177 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाया और सोमवार को 39 प्रतिभागियों के बीच 16वां स्थान हासिल किया। उन्होंने अगस्त में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में उठाए कुल 335 किग्रा (152 किग्रा और 183 किग्रा) वजन से 12 किग्रा वजन कम उठाया। उन्होंने अहमदाबाद में जीत की बदौलत अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई किया था।

बैडमिंटन में भारत ने श्रीलंका को हराया

गुवाहाटी : भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां सुहानदिनाता कप के लिए बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा के ग्रुप एच में श्रीलंका को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ाए। ग्रुप एच में शीर्ष पर रहने के प्रबल दावेदार और दूसरे वरीय भारत ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए श्रीलंका को 45-27, 45-21 से हराया। श्रीलंका ने सोमवार को करीबी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को शिकस्त दी थी। अन्य शीर्ष देशों में चीन और दक्षिण कोरिया ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरी जीत दर्ज की जबकि फिलिपीन्स ने हांगकांग को 42-45, 45-28, 45-43 से हराकर उलटफेर किया।

इंग्लैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

महिला विश्व कप क्रिकेट : हीथर नाइट ने 79 रनों की खेली शानदार पारी, एक्लेस्टोन ने चटकाए तीन विकेट

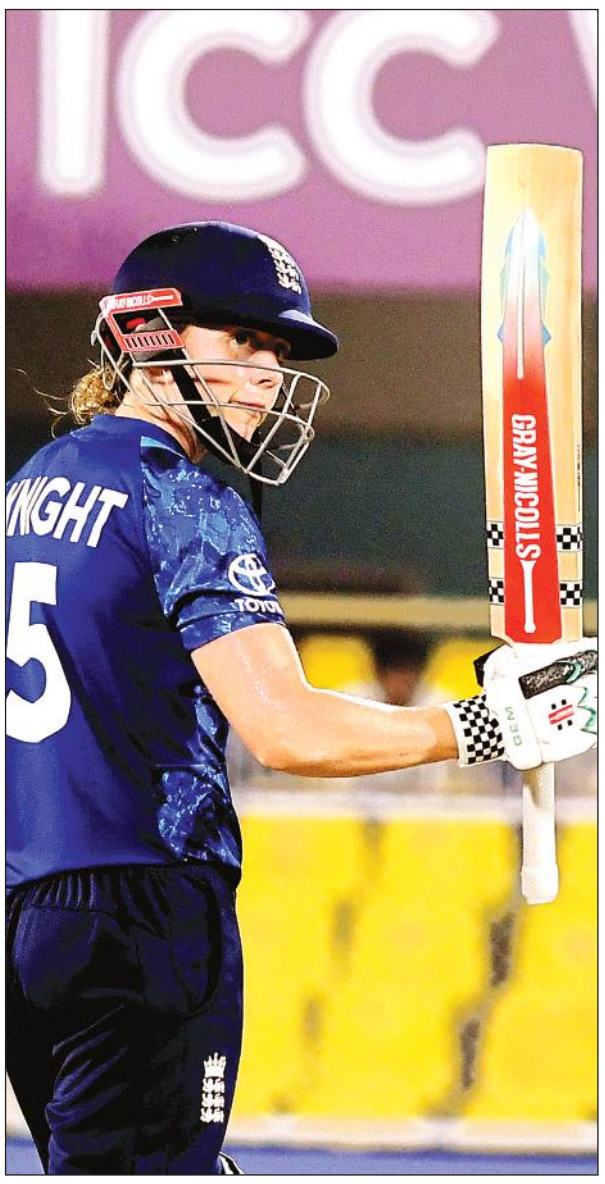

इंग्लैंड की हीथर नाइट ने जुझारू पारी खेलते हुए टीम को जितवाया। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

सोफी एक्लेस्टोन की अगुवाई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अपने अपार अनुभव का इस्तेमाल करके शानदार अर्धशतक लगाते हुए इंग्लैंड को बांग्लादेश के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के मैच में मंगलवार को चार विकेट से जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करने वाली बांग्लादेशी टीम 178 रन पर आउट हो गई। इसके बाद लेग स्पिनर फाहिमा खातून (दस ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर (पांच ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) ने किला लड़ाने की कोशिश की और एक समय 23वें ओवर में इंग्लैंड के पांच विकेट 78 रन पर गिर गए थे। नाइट ने हालांकि बांग्लादेश के उलटफेर के मंसूबों पर पानी फेरते हुए जबर्दस्त पारी खेली। मार्च में कप्तानी छोड़ने वाली नाइट 111 गेंद में 79 रन बनाकर नाबाद रही। वहीं चार्ली डी ने 56 गेंद में 27 रन की नाबाद पारी खेली। डीन और नाइट ने सातवें विकेट के लिये 79 रन जोड़कर 23 गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड के लिये एक्लेसटन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये शोभना मोस्तारी ने 108 गेंद में 60 और राबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाये। इंग्लैंड की शुरूआत खराब रही और एमी जोंस (एक) पहले ही ओवर में मारूफा अख्तर की गेंद पर पगबाधा आउट हो गई। बांग्लादेश को अगले ओवर में दूसरा विकेट भी मिल जाता लेकिन स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंद पर मारूफा ने टैमी ब्यूमोंट का कैच टपकाया। ब्यूमोंट हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सकी और मारूफा ने उन्हें 13 के स्कोर पर पगबाधा आउट किया। नाइट को भी मैदानी अंपायर ने मारूफा की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया था लेकिन रिव्यू के बाद फैसला बदल गया।

लेग स्पिनर फाहिमा खातून ने 19वें ओवर में कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट (41 गेंद में 32 रन) और एम्मा लैंब को आउट करके इंग्लैंड को दोहरे झटके दिये लेकिन नाइट ने टीम को जीत तक पहुंचाकर ही दम लिया। इससे पहले इंग्लैंड के गेंदबाजों में आफ स्पिनर चार्लोट डीन ने दस ओवर में 28 रन देकर दो और एलिस कैपसी ने आठ ओवर में 31 रन देकर दो विकेट चटकाये। टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान को हराने वाली बांग्लादेश टीम की शुरूआत अच्छी रही और लॉरेन बेल के ओवर में शरमीन अख्तर ने 14 रन बनाये।

बायें हाथ की स्पिनर लिंसे स्मिथ ने हालांकि शरमीन और रूबिया हैदर को खुलकर खेलने नहीं दिया। स्मिथ ने एक छोर से अच्छी गेंदबाजी जारी रखी। बेल ने तीसरे ओवर में हैदर को आउट करके बांग्लादेश को पहला झटका दिया। हैदर ने हवा में शॉट खेल दिया और सोफिया डंकली ने शानदार कैच लपका।

बांग्लादेश को सस्ते में आउट करने के बाद जश्न मनातीं इंग्लैंड की खिलाड़ी। एजेंसी

बांग्लादेश

178/10 (49.4 ओवर)

रूबिया हैदर का डंकली बो बेल	04
शरमीन का जोंस बो एक्सेलेटन	30
निगार सुल्ताना का डीन बो स्मिथ	00
मोस्तारी पगबाधा बो कैपसी	60
शोरना अख्तर का जोंस बो डीन	10
रितु मोनी का स्मिथ बो डीन	05
फाहिमा खातून बो एक्सेलेटन	07
नाहिदा का डीन बो एक्सेलेटन	01
राबिया खान नाबाद	43
मारूफा का बेल बो कैपसी	00
शंजीदा का स्किवेर ब्रंट बो स्मिथ	01

गेंदबाजी : बेल 7-1-28-1, स्मिथ 9.4-1-33-2, नेट स्किवेर ब्रंट 5-0-32-0, एक्लेस्टोन 10-3-24-3, डीन 10-2-28-2, कैपसी 8-1-31-2

इंग्लैंड

182/6 (46.1 ओवर)

टैमी ब्यूमोंट पगबाधा बो मारूफा	13
एमी जोंस पगबाधा बो मारूफा	13
हीथर नाइट नाबाद	79
स्किवेर का फरजाना बो फाहिमा	32
सोफिया पगबाधा बो फाहिमा	00
एम्मा लैंब का नाहिदा बो फाहिमा	01
एलिस पगबाधा बो संजीदा	20
चार्ली डीन नाबाद	27

गेंदबाजी : मारूफा 5-0-28-2, नाहिदा 8-1-34-0, संजीदा 7-0-24-1, राबिया 7-1-39-0, फाहिमा 10-2-16-3, शोरना 7-0-33-0, रितु 2-1-3-0, शोभना 0.1-0-4-0

मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई : मौजूदा महिला एकदिवसीय विश्व कप के दो मैच में कमजोर प्रदर्शन के बावजूद भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। स्मृति के 791 रेटिंग अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला एकदिवसीय मैच की शृंखला में लगातार दो शतक जड़ने वाली स्मृति श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्लेग गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ताजमिन को दो जबकि गार्डनर को सात स्थान का फायदा हुआ है और ये दोनों अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी सात स्थान के फायदे से आठवें पायदान पर हैं जबकि शनिवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेलने वाली पाकिस्तान की सिदरा अमीन ने 10वीं रैंकिंग हासिल की।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला के लिए स्टार्क की वापसी

मेलबर्न, एजेंसी

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की घरेलू शृंखला के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जबकि कमर की चोट से उबर रहे पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पिछले महीने टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास लेने वाले स्टार्क वेस्टइंडीज के टेस्ट दौरे से लौटने के बाद अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय शृंखला से बाहर रहे थे। एशेज से पहले उनके काम के बोझ को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जा रहा है। उन्होंने पिछला एकदिवसीय मैच नवंबर 2024 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-2 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में शामिल किए गए चार खिलाड़ियों में से स्टार्क एक हैं। इसके अलावा पदार्पण का इंतजार कर रहे बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट और मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। शॉर्ट पिछली शृंखला में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए थे और ओवेन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय चरण के दौरान कन्कशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) का शिकार हो गए थे। कमिंस की अनुपस्थिति में मार्श एकदिवसीय टीम की कप्तानी जारी रखेंगे जो एशेज की तैयारी के लिए कमर की हड्डी में खिंचाव से उबर रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के इरादे से शुरुआती दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए मार्श की अगुवाई में 14 सदस्यीय टीम का भी चयन किया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जंपा।

टी-20 (शुरुआती दो मैच) : मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जंपा।

मुकाबले

- पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 23 अक्टूबर (एडीलेड) और 25 अक्टूबर (सिडनी) को होगा। टी-20 शृंखला के पांच मैच 29 अक्टूबर (कैनबरा), 31 अक्टूबर (मेलबर्न), दो नवंबर (होबार्ट), छह नवंबर (गोल्ड कोस्ट) और आठ नवंबर (ब्रिस्बेन) को खेले जाएंगे।

तीन भारतीय सितंबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई : भारत के करिश्माई खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, कुलदीप यादव (पुरुष वर्ग में) और स्मृति मंधाना (महिला वर्ग में) को सितंबर महीने के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। बाएं हाथ के टी-20 विशेषज्ञ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यूएई में खेले गए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा और उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक (बल्लेबाजी) भी हासिल की। कलाई के वामहस्त स्पिनर कुलदीप ने भी इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाये। एशिया कप में उन्होंने अपना अभियान यूएई के खिलाफ सात रन पर चार विकेट के साथ शुरू किया जबकि फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन पर चार विकेट लेकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

जीत की खुशी

चीन में शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल मैच में कनाडा के गेब्रियल डायलो को हराने के बाद जश्न मनाते बेल्जियम के जिजोउ बग्र्स। एजेंसी

आनंद-कास्परोव में 30 साल बाद फिर मुकाबला

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर जीवंत करेंगे, जब वे बुधवार से यहां क्लच शतरंज: द लीजेंड्स टूर्नामेंटमें आमने-सामने होंगे।

इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी और इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा। वर्ष 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एवं ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज का नाम दिया गया है। कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी-कभार शीर्ष प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं।

इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन यह दोगुने हो जाएंगे और प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे।

कोरिया में तीरंदाजी सबसे लोकप्रिय खेल : ब्रैडी

कोलकाता, एजेंसी

- **अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ने भारत में पसंद किए जाने वाले क्रिकेट से तुलना की**

अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है, जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

कोरिया की महिला टीम 1988 सियोल ओलंपिक से अब तक अजेय रही है। पुरुष वर्ग में किम वू-जिन ने अपने करियर का पांचवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता जो किसी भी तीरंदाज द्वारा सबसे ज्यादा है। पांच बार के ओलंपियन एलिसन ने दिल्ली में आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) से इतर पीटीआई को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा कोरिया दुनिया का इकलौता देश है जहां तीरंदाजी के लिए समर्पित पेशेवर प्रणाली है। उनके हर तीरंदाज का मुख्य पेशा यह है और उनकी रोजी रोटी इस खेल से चलती है।

उन्होंने कहा वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है। एलिसन ने कहा कि कोरिया में तीरंदाज ओलंपिक की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि पूर्णकालिक पेशेवर माने जाते हैं।

नया विवाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने गजब मांग कर दी, द टाइम्स के लिए लिखे कॉलम में दिया एशिया कप के हंगामे का हवाला

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के मुकाबले बंद हों : अथर्टन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबलों को पूरी तरह से बंद करने की मांग की है, क्योंकि खेल व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है।

द टाइम्स के लिए लिखे एक तीखे कॉलम में आथर्टन ने एशिया कप में हाल ही में हुए हंगामे का हवाला दिया, जहां भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी विजेता ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए थे, क्योंकि भारतीयों ने उनसे ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था। अथर्टन ने कहा भारत और पाकिस्तान 2013 से हर आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में एक-दूसरे से भिड़ते रहे हैं।

उन्होंने कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि शुरुआती चरण एकल राउंड रोबिन रहा हो- जिसकी एक वजह भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले की अनिवार्यता है या फिर कई ग्रुप जहां मुकाबले के कार्यक्रम के लिए ड्रॉ का आयोजन बड़े सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 भारतीयों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद मई में भारत ने सैन्य कार्रवाई की थी।

आथर्टन ने लंदन के द टाइम्स में लिखा दोनों देशों के बीच कम मैचों (शायद आंशिक रूप से इसकी कमी) के कारण यह एक ऐसा मुकाबला है जिसका आर्थिक प्रभाव बहुत अधिक है, यही एक मुख्य कारण है कि आईसीसी टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकार इतने अधिक कीमती हैं - सबसे हालिया अधिकार 2023-27 चक्र के लिए लगभग तीन अरब डॉलर में। उन्होंने कहा द्विपक्षीय मुकाबलों के महत्व में अपेक्षाकृत गिरावट के कारण आईसीसी प्रतियोगिताओं की आवृत्ति और महत्व बढ़ गया है और इसलिए भारत और पाकिस्तान के बीच मैच उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका अन्यथा खेल में कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा फिलहाल आईसीसी प्रतियोगिताओं में ही दोनों टीम के बीच मुकाबले होते हैं और अब वो भी तटस्थ मैदान पर।

रणनीति में बदलाव करना चाहिए

आथर्टन ने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में कम से कम एक बार भिड़ंत सुनिश्चित करने वाली रणनीतिक रूप से समर्थित व्यवस्था को समाप्त किया जाए। हाल ही में हुए एशिया कप में ड्रॉ और कार्यक्रम ऐसा था कि तीन हफ्तों के इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें हर रविवार को आमने-सामने थीं। अगर क्रिकेट कभी कूटनीति का जरिया था तो अब यह स्पष्ट रूप से व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है। किसी भी गंभीर खेल के लिए अपनी आर्थिक जरूरतों के हिसाब से टूर्नामेंट के मैच आयोजित करना उचित नहीं है और अब जब इस प्रतिद्वंद्विता का दूसरे तरीकों से फायदा उठाया जा रहा है।